Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/48369
वर्ष 13 । अंक 220
नई दिल्ली, बुधवार, 18 जून 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

हताशा में कांग्रेस जनगणना 2027 के बारे में झूठा प्रचार कर रही : भाजपा

एअर इंडिया की कई उड़ानें रद्द

● विमान हादसे के बाद एयरलाइन के अंतरराष्ट्रीय संचालन पर असर

भाषा। मुंबई, कोलकाता

एअर इंडिया की उड़ानों में मुश्किलें जारी हैं। साढ़े तीन साल पहले टाटा समूह द्वारा एयरलाइन को खरीदे जाने के बाद यह सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। मंगलवार को विभिन्न कारणों से लंदन और पेरिस के लिए इसकी उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसके अलावा, सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान में तकनीकी गड़बड़ी के कारण यात्रियों को बीच में ही विमान से उतरना पड़ा। विमानन कंपनी ने कहा कि उड़ान से पहले जांच के दौरान कुछ समस्याएं पाए जाने के बाद एअर इंडिया ने दिल्ली-पेरिस उड़ान रद्द कर दी, जबकि विमान की अनुपलब्धता के कारण अहमदाबाद-लंदन उड़ान रद्द की गई। इसके अलावा, एअर इंडिया ने अपनी सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण मंगलवार सुबह इसे कोलकाता में निर्धारित ठहराव पर ही समाप्त कर दिया। सेवा में यह व्यवधान ऐसे समय में हुआ है जब अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि 12 जून को लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान अहमदाबाद से रवाना होने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त क्यों हो गई थी। इस हादसे में विमान में सवार और जमीन पर मौजूद 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना से एयरलाइन और उसके मालिक टाटा समूह को गहरा झटका लगा है, जो लक्जरी कारों से लेकर नमक और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ आईफोन तैयार करने पर गर्व करता है।

एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि दिल्ली से पेरिस जाने वाली उड़ान एआई143 को रद्द कर दिया गया है क्योंकि अनिवार्य उड़ान-पूर्व जांच में एक समस्या सामने आई है, जिसे फिलहाल सुलझाया जा रहा है। विमानन कंपनी ने उड़ान-पूर्व जांच के दौरान सामने आई समस्या के बारे में विस्तार से नहीं बताया। एअर इंडिया ने कहा, हालांकि, पेरिस के चार्ल्स डी गॉल (सीडीजी) हवाई अड्डे पर रात्रि परिचालन पर प्रतिबंध के तहत उड़ान के आने के मद्देनजर इसे रद्द कर दिया गया है। एअर इंडिया ने कहा कि वह यात्रियों को होटल में आवास की सुविधा प्रदान कर रही है और यात्रा रद्द करने पर पूर्ण धन वापसी या उड़ान पुनर्निर्धारण की पेशकश भी कर रही है। विमानन कंपनी ने यह भी कहा कि वह यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान मंगलवार को विमान की अनुपलब्धता के कारण रद्द कर दी गई। यह उड़ान 12 जून को एआई-171 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नए कोड के साथ संचालित हो रही थी। एअर इंडिया ने इस दावे से इनकार किया कि तकनीकी खराबी के कारण उड़ान रद्द हुई। कंपनी ने कहा कि उसने प्रभावित यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और यात्रा रद्द करने पर पूर्ण धन वापसी या यात्रा कार्यक्रम पुनर्निर्धारण की पेशकश की है।

एअर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट ने भी पुष्टि की है कि अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे तक जाने वाली एआई-159 उड़ान रद्द कर दी गई है। विमान को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपराह्न तीन बजे उड़ान भरनी थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, अहमदाबाद से गैटविक (लंदन) जाने वाली उड़ान एआई-159 को आज (मंगलवार) रद्द कर दिया गया है, क्योंकि विमान उपलब्ध नहीं था। यह हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध और अतिरिक्त एहतियाती जांच के कारण हुआ, जिसके कारण विमानों को सामान्य से अधिक समय लग रहा है, न कि किसी तकनीकी खराबी के कारण, जैसा कि दावा किया गया था। उन्होंने कहा, हमें अपने यात्रियों (शेष पृष्ठ 9)

एअर इंडिया ने अपनी सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण मंगलवार सुबह इसे कोलकाता में निर्धारित ठहराव पर ही समाप्त कर दिया।

एअर इंडिया बोइंग 787 की निगरानी में कोई बड़ी सुरक्षा चिंता सामने नही आई: डीजीसीए

मुंबई (भाषा)। विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि एअर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े की निगरानी में कोई बड़ी सुरक्षा चिंता सामने नहीं आई। पिछले सप्ताह अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने से सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई थीं और डीजीसीए ने एअर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े की निगरानी बढ़ाने का आदेश दिया था। डीजीसीए ने एक बयान में कहा, एअर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े की हाल में की गई निगरानी में कोई बड़ी सुरक्षा चिंता सामने नहीं आई। विमान और उससे संबंधित रखरखाव प्रणाली मौजूदा सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाई गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा पहुंचे

भाषा। कैलगरी (कनाडा)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह कनाडा के कनैनिस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं से मुलाकात के दौरान महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर जोर देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार शाम को यहां पहुंचे और यह एक दशक में मोदी की कनाडा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री इस दौरान विश्व के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने सोमवार शाम को एक पोस्ट में कहा, जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर साइप्रस से सोमवार शाम (स्थानीय समयानुसार) कनाडा पहुंचे। कनैनिस्किस में यह सम्मेलन 16 जून से 17 जून तक चलेगा। यह जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की लगातार छठी बार भागीदारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा के अल्बर्टा पहुंचे। प्रधानमंत्री ऊर्जा सुरक्षा के भविष्य के साथ ही विविधीकरण, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और निवेश पर जी-7 चर्चाओं में भाग लेंगे, ताकि बदलती दुनिया में पहुंच और सामर्थ्य सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री इस सम्मेलन से इतर कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। यह सम्मेलन भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के एक महीने बाद हो रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मोदी को कार्नी द्वारा दिया गया आमंत्रण, नई सरकार की भारत के साथ संबंधों को सुधारने की मंशा का संकेत है जो खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद सबसे खराब स्थिति में पहुंच गए थे।

पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था क्योंकि ओटावा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने का प्रयास किया था। भारत ने कनाडा के भी इतने ही राजनयिकों को निष्कासित किया था। भारत ने जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थकों को काम करने की अनुमति देने का आरोप लगाया था। अर्थशास्त्री कार्नी ने ट्रूडो के शीर्ष पद से हटने के बाद कनाडा के नए प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यभार संभाला। पिछले कुछ महीनों में भारत और कनाडा के सुरक्षा अधिकारियों ने संपर्क पुनः शुरू किया है और दोनों पक्ष नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति की संभावना पर विचार कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ 9)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा पहुंचे

ट्रंप की चेतावनी के बीच ईरान पर इजराइल के हमले बढ़े

दुबई (एपी)। इजराइल ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकाने पर अचानक हमला करने के पांच दिन बाद तेहरान पर अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी तेहरान के निवासियों को शहर खाली करने की चेतावनी दी। ट्रंप ने कनाडा में जारी जी-7 शिखर सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर वाशिंगटन रवाना होने से पहले सोमवार रात को एक संदेश में लिखा, ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने अपने संदेश में कहा, सभी को तेहरान तत्काल खाली कर देना चाहिए। बाद में ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि वह संघर्ष विराम पर काम करने के लिए जल्दबाज़ी में लौटे हैं। वाशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं संघर्ष विराम की तरफ नहीं देख रहा हूं। हम उससे भी बेहतर चीज की तरफ देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। एयर फोर्स वन में सवार पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि उन्होंने तेहरान को खाली करने का अनुरोध क्यों किया, इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैं बस यही चाहता हूं कि लोग सुरक्षित रहें।

इससे पहले, इजराइली सैन्य बलों ने तेहरान के एक मध्यवर्ती इलाके के लगभग 3,30,000 निवासियों से इलाके को खाली करने की अपील की थी। तेहरान पश्चिम एशिया के सबसे बड़े शहरों में से एक है और वहां तकरीबन एक करोड़ लोग रहते हैं, जो इजराइल की कुल आबादी के बराबर है। ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से ही तेहरान में लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। इजराइल का कहना है कि ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों, यूरेनियम संवर्धन स्थलों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर उसका व्यापक हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने के और करीब आने से रोकने के लिए ज़रूरी है। शुक्रवार से अब तक हुए हमलों में कम से कम 224 लोग मारे गए हैं। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल पर 370 से ज़्यादा मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन दागे हैं। इन हमलों में अब तक इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं और 500 से ज़्यादा घायल हुए हैं। इस बीच, इजराइली सेना ने कहा कि मंगलवार को फिर से मिसाइलें छोड़ी गईं और उत्तरी इजराइल में विस्फोटों की आवाज सुनी गई।

उधर, ईरान की राजधानी में दुकानें बंद हैं और गैस के लिए कतारें लगी हैं। तेहरान का मुख्य इलाका मंगलवार सुबह से ही खाली होने लगा और कई दुकानें बंद रहीं। शहर का प्राचीन ग्रैंड बाज़ार भी बंद रहा। ऐसा पहले सिर्फ़ सरकार विरोधी प्रदर्शनों या कोरोना वायरस महामारी के चरम पर रहने के दौरान ही हुआ था। तेहरान से पश्चिम की ओर जाने वाली सड़कों पर यातायात जाम की स्थिति देखी गई। कई लोग कैस्पियन सागर क्षेत्र की ओर जाते दिखाई दिए। तेहरान में पेट्रोल पंपों पर भी लंबी कतारें देखी गईं। संघर्ष जारी रहने के बीच प्राधिकारियों ने चिकित्सकों और नर्स की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ईरान सरकार के अधिकारी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि सब कुछ नियंत्रण में है और उन्होंने जनता (शेष पृष्ठ 9)

ईरान के हमले में मध्य इजराइल में एक बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी

भारतीयों को तेहरान छोड़ने की सलाह कई सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गए

तेहरान, नई दिल्ली (भाषा)। ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष तेज होने की पृष्ठभूमि में तेहरान में सभी भारतीय नागरिकों को मंगलवार को शहर से बाहर सुरक्षित स्थानों पर जाने और दूतावास से संपर्क में रहने का परामर्श जारी किया गया है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी भारतीय नागरिक जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान तथा संपर्क नंबर प्रदान करें। भारतीय मिशन ने सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) को यह सलाह भी दी है कि जो अपने स्वयं के संसाधनों से तेहरान से बाहर जा सकते हैं,

पूर्व अग्निवीरों के करियर में प्रगति में सुविधा प्रदान करेगा गृह मंत्रालय

नई दिल्ली (भाषा)। सशस्त्र बलों में अग्निवीरों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद करियर में उनकी आगे की प्रगति के लिए गतिविधियों का समन्वय करने का काम केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपा गया है। यह जानकारी एक सरकारी अधिसूचना से मिली। केंद्र ने सोमवार को एक राजपत्र अधिसूचना द्वारा भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में संशोधन किया तथा गृह मंत्रालय के राज्य विभाग के तहत द्वितीय अनुसूची में एक नया बिंदु जोड़ा गया है, जिसमें कहा गया है कि गृह मंत्रालय अब पूर्व अग्निवीरों की आगे की प्रगति के लिए समन्वय करेगा। सूत्रों ने कहा कि इस संशोधन के साथ, पूर्व-अग्निवीरों की आगे की प्रगति के लिए समन्वय गतिविधियों से संबंधित कार्य को केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व-अग्निवीरों की आगे की प्रगति के समन्वय और निगरानी के लिए, एक ऑनलाइन पोर्टल होगा। गृह मंत्रालय सशस्त्र बलों में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद बाहर निकलने वाले अग्निवीरों के करियर की प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ ही राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों (शेष पृष्ठ 9)

नई दिल्ली में मंगलवार को हुई बरसात के बाद मौसम सुहाना हो गया। ऐसे में भीगने का आनंद उठाते बच्चे

रॉबर्ट वाद्रा फिर ईडी के सामने नहीं हुए पेश

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के पति रॉबर्ट वाद्रा ब्रिटेन निवासी हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में दूसरी बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष अपनी तय गवाही के लिए पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाद्रा के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल अपनी बेटी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति से विदेश यात्रा पर हैं। उन्हें 10 जून को पेश नहीं होने के बाद मंगलवार (17 जून) को पेश होने के लिए कहा गया था। संघीय जांच एजेंसी उनके जवाब पर गौर करने के बाद उन्हें नई तारीख दे सकती है। अधिवक्ता सुमन ज्योति खेतान ने कहा कि यात्रा (17 जून को) की अनुमति नए समन की तामील से काफी पहले प्राप्त कर ली गई थी और ईडी को भी सूचना भेज दी गई। खेतान ने कहा, वाद्रा ने बार-बार कहा है कि वह ईडी को पूरा सहयोग देने के लिए उपलब्ध हैं, जैसा कि उन्होंने पहले भी किया है, चाहे वह विदेश से लौटने पर हो या जरूरी होने पर विदेश में रहने के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बयान दर्ज कराने के लिए। वह 10 जून के लिए जारी समन के अनुसार पेश नहीं हुए थे और कहा था कि नौ जून को उनमें फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड जांच कराई थी। समझा जाता है कि एजेंसी वाद्रा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बयान दर्ज करने (शेष पृष्ठ 9)

अमरनाथ यात्रा के मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया

भाषा। श्रीनगर

जम्मू कश्मीर सरकार ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाते हुए मंगलवार को यात्रा मार्गों को नो फ्लाइंग जोन (उड़ान निषिद्ध क्षेत्र) घोषित किया। अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्री दो मार्ग - पारंपरिक पहलगाम मार्ग और बालटाल मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आदेश पर जम्मू कश्मीर के गृह विभाग द्वारा जारी घोषणा में कहा गया है कि इस क्षेत्र में एक जुलाई से 10 अगस्त तक मानवरहित हवाई यान (यूएवी), ड्रोन, गुब्बारे समेत किसी भी प्रकार के विमानन यंत्र उड़ाना प्रतिबंधित है। बहरहाल, यह पाबंदी मरीजों को उपचार के लिए विमान से ले जाने, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा बलों द्वारा निगरानी उड़ानों पर लागू नहीं होगी। ऐसे अपवादों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया बाद में जारी की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि तीन जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथजी यात्रा के मद्देनजर यात्रा के सुचारू एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए विभिन्न सुरक्षा बंदोबस्त किए जा रहे हैं। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सलाह दी है कि श्री अमरनाथजी यात्रा के पूरे मार्ग को एक जुलाई से 10 अगस्त तक नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाए। आदेश में कहा गया है, इसलिए, श्री अमरनाथजी यात्रा, 2025 के दौरान मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यात्रा के सभी मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाता है, जिसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। अमरनाथ यात्रा में हर साल देशभर से हजारों तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

दूसरी ओर आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में मंगलवार को बहुस्तरीय सुरक्षा तैनाती सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्बाध और सुरक्षित तीर्थयात्रा सुनिश्चित किए जाने के मकसद से सांबा के उपायुक्त राजेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वीरेंद्र सिंह मन्हास भी शामिल हुए। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 38 दिवसीय यात्रा तीन जुलाई को कश्मीर घाटी में पहलगाम और बालटाल दो मार्गों से शुरू होने वाली है। उपायुक्त ने बताया कि सांबा जिला प्रशासन ने व्यापक बुनियादी अवसंरचना उन्नयन और उन्नत संचार प्रणालियों के माध्यम से तीर्थयात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी है। एसएसपी ने एक मजबूत बहुस्तरीय सुरक्षा तैनाती रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ उन्नत निगरानी तंत्र और लंगर स्थलों के आसपास रणनीतिक सुरक्षा व्यवस्था शामिल है। उन्होंने बताया, यह व्यापक निगरानी प्रणाली तीर्थयात्रियों की पवित्र यात्रा के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

अमरनाथ यात्रा में तैनात सुरक्षा कर्मी

उत्तराखंड में हेली सेवा पर लगी रोक समाप्त

देहरादून (भाषा)। उत्तराखंड के केदारनाथ में हेलीकॉप्टर हादसे के बाद चारधाम यात्रा मार्ग पर हेली सेवाओं के संचालन पर दो दिन के लिए लगाई गई रोक मंगलवार को समाप्त हो गई लेकिन केदार घाटी में खराब मौसम के कारण केदारनाथ के लिए किसी हेलीकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रविवार को केदारनाथ के निकट आर्यन एविएशन का एक हेलीकॉप्टर खराब मौसम में कम दृश्यता के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिससे उसमें सवार सात लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस हादसे के बाद चारधाम यात्रा मार्ग पर हेली सेवाएं बंद कर दी गई थीं।

रुद्रप्रयाग के जिला पर्यटन अधिकारी और हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि सरकार ने मंगलवार से हेलीकॉप्टर संचालन की अनुमति प्रदान कर दी थी लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण केदारनाथ के लिए किसी हेलीकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। मुख्यमंत्री ने रविवार को हेली सेवा बंद करने की घोषणा करते हुए कहा था कि स्थिति की अच्छी तरह से समीक्षा करने के बाद ही यात्रा मार्ग पर हेलीकॉप्टर संचालन शुरू किया जाएगा। चारधाम क्षेत्र में उड़ान भरने वाले पायलटों को अस्थिर मौसम, अत्यधिक उंचाई तथा संकरी घाटियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, आंधी ने बढ़ाई मुसीबत

शहर की सड़कों पर भरा पानी, तेज हवा के कारण पेड़ टूटने से यातायात हुआ बाधित

गुरुग्राम के मदनपुरी में भरा बरसाती पानी व पानी निकासी के लिए काम करते निगमकर्मी। आंधी से टूटे पेड़ हटाते निगमकर्मी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहर में मंगलवार दोपहर बाद हुई बरसात से कई स्थानों पर पानी भर गया। बरसात से पहले आई तेज आंधी में कई स्थानों पर पेड़ भी टूट गए। नगर निगम की टीमों ने पानी की निकासी व टूटे पेड़ों को उठाने के लिए सक्रियता दिखाई।

बरसात से पहले तेज आंधी आई। आंधी में धूल-मिट्टी उड़ने के साथ ही पेड़ों को भी काफी नुकसान हुआ। शहर में अनेक स्थानों पर पेड़ टूट गए। कई स्थानों पर आवागमन भी बाधित हो गया। हालांकि नगर निगम की ओर से बागवानी शाखा की टीमों को मौके पर भेजकर पेड़ों को हटवाया गया और रास्ता साफ किया गया। शीतला माता रोड, बहरामपुर रोड, सेक्टर-52, आरडी सिटी, इंदिरा कॉलोनी, सेक्टर-10, मदनपुरी रोड सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव हुआ। निगम की टीमों ने मौके पर मौजूद रहकर पंप व अन्य संसाधनों के माध्यम से जलनिकासी को सुचारू किया।

शहर के कटारिया मार्केट, विपुल वर्ल्ड, सुशांत लोक-1, आरडी सिटी गेट-3, सेंट जेवियर स्कूल के पास, उप्पल साउथएंड, सेक्टर-46, कैमरा म्यूजियम क्षेत्र सेक्टर-27 जैसे इलाकों में ड्रेनों की सफाई और पंपिंग कार्य पहले से ही किए गए थे, जिससे जलनिकासी बेहतर तरीके से हो सकी। नगर निगम की ओर से यह दावा किया गया है।

मंगलवार को शहर में बारिश के बाद जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए निगमायुक्त प्रदीप दहिया के निर्देशों के बाद निगम की टीमों द्वारा शहरभर में जलनिकासी कार्य को तेजी से शुरू किया गया। व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाई। बरसात शुरू होते ही निगमायुक्त ने अधिकारियों को पर्याप्त मैनपावर, पंप व अन्य मशीनरी के साथ फील्ड में डटे रहने के आदेश दिए। उन्होंने स्वयं व्यवस्था की निगरानी की और जलभराव प्रभावित इलाकों में तत्काल राहत कार्य सुनिश्चित करवाए। निगमायुक्त ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। जलनिकासी की व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय किया गया है।

किसानों में कहीं खुशी कहीं गम

- मूंग की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका
- ज्वार, कपास व दूसरी फसलों के लिए बारिश संजीवनी साबित हुई बारिश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मंगलवार शाम पूरे एनसीआर में झमाझम बारिश हुई। इससे गर्मी से भारी राहत मिली है। हालांकि बारिश के चलते नौकरीपेशा वालों को काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। इससे फरीदाबाद की सड़कों पर जाम का नजारा बन गया। बघौला में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के चलते लंबा जाम लगा रहा।

पिछले कई दिनों में झुलसा देने वाली गर्मी से लोग बेहाल थे। मंगलवार शाम झमाझम बारिश शुरू होते ही लोगों के चेहरे खिल उठे। बच्चों ने बारिश का खूब लुत्फ उठाया।

झमाझम बारिश में बच्चे खूब उछल कूद करते हुए नहाते हुए नजर आए। बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे। यह बारिश ज्वार, कपास, गन्ना व अन्य दूसरी फसलों के लिए संजीवनी साबित होगी। हालांकि मूंग किसानों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। पलवल के गांव बघौला के किसान घनश्याम, छतरपाल, लोकेश, रूपचंद, कालू राम, ओमप्रकाश समेत जिले के किसानों का कहना है कि यह बारिश किसानों के लिए संजीवनी साबित होगी। इससे ज्वार, गन्ना, कपास समेत अन्य फसलों को काफी फायदा होगा। हालांकि मूंग किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। इस समय ऐसी बारिश की सभी को बेसब्री से जरूरत थी। गेंहू की कटाई के बाद गर्मी और पानी की कमी से जमीन सूखी थी। किसानों के मुताबिक इस बारिश से न केवल फसलें अच्छी होंगी, बल्कि कीट भी मर जाएंगे। इसलिए किसान इसे अमृत बरसा मानते हैं।

झमाझम बारिश से बिजली मांग पर भी पडा असर: बारिश होने के साथ ही बिजली की मांग पर भी असर दिखना शुरू हो गया। बारिश से पहले शहर के कई बिजली घर ओवरलोड थे, लेकिन बारिश के बाद बिजली की मांग काफी कम हो गई।

दादरी, फतेहाबाद और पंचकूला में बनेगी नई जेलः अरविंद शर्मा

- मुख्यमंत्री ने मंजूर किए 284 करोड़ रुपये
- हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन जल्द जारी करेगी टेंडर
- 3956 बंदियों को रखने की बढ़ेगी क्षमता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सहकारिता, जेल, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में चरखी दादरी के भैरवी, फतेहाबाद के बीघड व पंचकूला के जलोली गांव में नई जिला जेल परिसर निर्माण को हरी झंडी मिल गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इन तीनों जेलों के लिए 284 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई है।

जेल विभाग द्वारा जल्द ही हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के माध्यम से इनके टेंडर जारी किए जाएंगे। बेहतरीन सुरक्षा प्रबंधों वाली इन तीन जेलों में 3956 बंदियों को रखने की व्यवस्था होगी।

मंगलवार को चंडीगढ़ में यह जानकारी में देते हुए डॉ.अरविंद शर्मा ने बताया कि प्रदेश में तीन नई जिला जेल बनाने के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चरखी दादरी जेल कैंपस निर्माण के लिए 97 करोड़ 73 रुपए, फतेहाबाद जेल कैंपस निर्माण के लिए 99 करोड 97 लाख रुपए व पंचकूला जिला जेल निर्माण के लिए 86 करोड़ 17 लाख रुपए की प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई है। इसके लिए जल्द ही हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन इसके संबंध में टेंडर जारी करेगी। जेल महानिदेशक मोहम्मद अकील ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में तीन केंद्रीय जेलों व 17 जिला जेलों में 22 हजार 647 बंदियों को रखने की क्षमता है। रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी के फिदेड़ी गांव में 50 एकड़ जमीन पर 95 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित जेल परिसर का उद्घाटन किया है, जिसमें तकरीबन एक हजार बंदियों को रखने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि रेवाड़ी जेल में फिलहाल 65 बंदियों को रखने की ही व्यवस्था थी, जिसके चलते रेवाड़ी जिला के बंदियों को गुरुग्राम, नारनौल और झज्जर जेल में भेजा जा रहा था।

दादरी के गांव भैरवी में बनेगी 1150 बंदियों की क्षमता जिला जेल: जेल मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बताया कि चरखी दादरी जिला के गांव भैरवी में जेल परिसर निर्माण के लिए 97 करोड़ 73 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। 58 एकड़ जमीन में बनने वाले जेल कैंपस में 1150 बंदियों को रखने की क्षमता होगी। चरखी दादरी जेल में प्रशासनिक खंड, पुरुष बंदियों के लिए 7 बैरक, महिला बंदियों के लिए 1 बैरक, 2 सुरक्षा सैल, 30 बैड का जेल अस्पताल, किचन, गोदाम, नियंत्रण कक्ष, जेल फैक्ट्री, अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा।

फतेहाबाद के बीघड में 99.97 करोड़ की लागत से बनेगी जेल: जेल मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बताया कि फतेहाबाद के गांव बीघड में 45 एकड़ जमीन पर 99 करोड़ 97 लाख रुपए की लागत से जिला जेल का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि इस जेल कैंपस में 1852 बंदियों की क्षमता के मुताबिक कैंपस का निर्माण किया जाएगा। इसमें प्रशासनिक भवन, पुरुष बंदियों के लिए 12 बैरक, महिला बंदियों के लिए एक बैरक, विशेष सुरक्षा सेल 4, 30 बैड का जेल अस्पताल, जेल फैक्ट्री, नियंत्रण कक्ष, कैंटीन, लाइब्रेरी, बहुउद्देश्यीय हाल, वार्डर हॉस्टल, अधिकारी, कर्मचारियों के लिए 115 मकान व मूलभूत सुविधाओं के लिए ढांचागत विकास किए जाएंगे।

पंचकूला के जलोली में 86.17 करोड़ रुपए की लागत से बनेगी जेल: जेल मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बताया कि पंचकूला के गांव जलोली में तकरीबन 31 एकड़ जमीन पर 86 करोड़ 17 लाख की लागत से जिला जेल का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि इस जेल कैंपस में 954 बंदियों की क्षमता के मुताबिक कैंपस का निर्माण किया जाएगा। इसमें प्रशासनिक भवन, पुरुष बंदियों के लिए 4 बैरक, महिला बंदियों के लिए एक बैरक, विशेष सुरक्षा सेल 4, 30 बैड का जेल अस्पताल, जेल फैक्ट्री, नियंत्रण कक्ष, कैंटीन, लाइब्रेरी, बहुउद्देश्यीय हाल, वार्डर हॉस्टल, अधिकारी, कर्मचारियों के लिए 34 मकान व मूलभूत सुविधाओं के लिए ढांचागत विकास किए जाएंगे।

CSB Bank Trusted Heritage Smart Future

PUBLIC NOTICE ON AUCTION OF PLEDGED GOLD ORNAMENTS

The borrower/s in specific and interested bidders,in general, are hereby informed that on account of non-repayment of the Banks due by the borrowers as under despite the payment notice and recall/auction notice issued by the Bank, the gold ornaments pledged with the bank security by the respective borrowers for the loan availed by them will be sold in public auction on "as is where is" and "non-recourse" basis through e-auction portal https://gold.samil.in on 25th June, 2025 at 10.30 AM. The auction may be adjourned to any other later date at the discreation of the bank upon publication of the same in the Bank's notice board. The borrowers are hereby further inform that the gold ornaments will be disposed of by private sale if the public auction is not successful and if there is a further balance to be recovered thereafter, legal action will be initiated against the borrower/s for recovery of the balance amounts due to the bank. In case of diseased borrower, all conditions will be applicable to legal heirs.

S. No.	Account Name	Client ID	No.of Acc.	Bal. Outstanding as on 16/06/2025	Weight (grams)
	ASHOK VIHAR - DELHI				
1	Alka Rani	4065431	001	65,624.50	14.56
	GAUTAM NAGAR				
2	Manju Gupta	3452154	001	1,25,120.00	25.60
	PALAM				
3	Ashwani Kumar	4278715	001	81,268.00	16.90
4	Avinash Singh	4860144	001	68,784.00	13.06
5	Manju Jain	8145989	001	5,23,969.00	108.50
6	Naresh Kumar	4315309	001	26,996.00	5.59
7	Rahul	4600010	001	98,094.00	17.80
8	Samay Singh	4983830	001	35,566.00	6.78
9	Vinay Kumar	4983190	002	1,04,252.00	19.81
	JANAKAPURI				
10	Inderjeet Singh Khalesa	4952963	001	32,620.00	5.80
	DWARAKA				
11	Harshit Sangal	4990733	001	7,74,974.00	158.69
12	Shivam Kumar	7897333	001	52,355.00	9.97
	ROHINI SECTOR 7				
13	Alka Rani	4065431	002	2,28,520.50	46.30
14	Hitesh Sharma	8194002	001	4,21,964.00	75.78
15	Manisha	4854347	001	99,054.94	22.39
16	Sanjay	4859944	001	16,933.50	3.80
17	Umesh Chand	4578500	001	89,640.00	20.05
	SHALIMARBAGH				
18	Irfan Khan	4987087	001	39,622.00	6.88
19	Jenuddin	4545091	001	39,769.00	7.30
20	Pappu Yadav	4413675	001	66,877.00	11.64
21	Rahul	7755693	001	3,31,533.00	63.23
22	Ramesh Kumar	4982102	001	56,279.00	11.90
23	Ranjeet Kumar	4676314	001	30,846.00	5.89
24	Saurabh Jain	4833726	001	1,91,820.00	34.82
25	Shiva	4866540	002	2,56,606.18	62.64
26	Vano Vano	4347411	001	86,007.00	17.78
	OKHLA				
27	Mamta .	7294074	001	29,421.86	7.30
28	Ramakant Prasad	4988257	002	1,42,657.33	32.90
29	Sanjay Bidhuri	7256617	002	7,66,926.99	156.14
30	Satya Prakash	4260559	001	42,778.50	9.56
31	Sumit Kumar	4984896	001	51,084.00	10.25
	PATEL NAGAR				
32	Daksha Devi Devi	4834732	001	74,863.00	15.13
33	Pragya Sethi	4955354	001	64,196.60	17.71
	TILAK NAGAR, NEW DELHI				
34	Dalip Kumar	4988407	001	2,04,093.80	36.88
35	Gurpreet	4990499	001	27,237.00	4.84
36	Md Akbar	4857102	001	1,98,779.40	38.36
37	Raj Kumar	4990091	001	45,875.00	8.76
	DILSHAD GARDEN				
38	Mohd Iqbal Khan	4392465	001	1,08,282.00	23.76
39	Rajesh Pandey	7772677	002	3,81,423.64	65.19
40	Rishu Chhabra	8150042	001	1,05,140.00	17.94
	NARELA				
41	Abhishek Shukla	4573934	001	40,701.50	9.46
42	Nisha	4647268	001	47,033.15	9.92
43	Saurabh	4949440	001	97,231.50	18.50
44	Shama Parveen	4822856	001	67,765.00	14.67
	BHAJANPURA – NEW DELHI				
45	Akbar	4951588	001	1,75,790.62	55.73
46	Momeen Ali	4701712	001	1,87,570.00	39.11
47	Tarik .	7780652	001	5,58,448.25	107.71
48	Tasleema .	7892183	002	3,36,781.00	74.70
	KRISHNA NAGAR, NEW DELHI				
49	Shaieen Akhtar	4895840	001	1,07,938.00	22.50
50	Shailendra Mishra	7640339	001	7,00,369.00	145.28
	TRI NAGAR, NEW DELHI				
51	Shashank Pahuja	4901965	001	1,70,392.00	33.10
	LAXMI NAGAR				
52	Pranav Gupta	8139202	001	3,13,245.62	58.55
53	Vipin .	8127280	003	7,28,963.98	130.95

For more details/account wise information borrowers/interested bidders may contact respective branches and for participating in the auction, please visit/login to the e-auction portal https://gold.samil.in.

NCT of Delhi | 18.06.2025 Sd/- Authorized Officer, CSB Bank

जो कोई भी इससे संबंधित है उसके लिए

यह आम जनता को सूचित करने के लिए है कि मेरे मुवक्किल श्री ओम प्रकाश पुत्र गणेश साब निवासी डी1/59 ओमविहार फेज 5 उत्तम नगर दिल्ली 110059 एतद्द्वारा घोषणा करते हैं कि उन्होंने अपने बेटे दीपक और अपनी बहू दुर्गावती को अपनी सभी अचल और चल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और अपने बेटे और उसकी पत्नी से अपने सभी संबंध भी तोड़ लिए हैं। उनके या उनकी पत्नी के साथ व्यवहार करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम, परिणाम और लागत पर ऐसा करेगा, जिसके लिए मेरा मुवक्किल किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा।

राजीव कुमार, अधिवक्ता
Enrl No. D/186/2012
डब्ल्यूजेड-139सी, न्यू महावीर नगर, नई दिल्ली-18

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (i.e. HDFC Bank Ltd.) that M/s. VR Developers LLP (earlier known as M/s. V.R Developers Pvt. Ltd.) is claiming to be the owner of Property bearing Municipal No. 11-A, Area Measuring 2044.22 sq. yds., situated at Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi vide different Sale Deeds dt. 05.04.2006, 23.10.2013, 17.01.2014, 03.08.2006, 27.12.2006, 16.10.2006 & 27.04.2011. It has been informed by the Owner that original documents i.e. Original ATS dated 24.04.1952 (Document No. 1017), Original Conveyance dt. 16.04.1966 (Doc. No.8037), Original Sale Deed dt. 09.06.1969 (Doc. No.3775), Original Partition Deed dt. 08.05.1976, Original Relinquishment Deed dt. 02.12.2005 (Doc. No.2831), Original Partition Deed with stamp duty & additional copy each dated 06.02.2006, Original Relinquishment deed dt. 18.10.2005 (Doc. No.3470) in respect of said property are lost & not traceable. All persons are hereby informed that above mentioned Owner wants to mortgage & intends to obtain a loan from our client (i.e. HDFC Bank Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants) 200, 2nd Flr, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15 legal@knalegal.com Ph: 011-41112527-28

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public on behalf of our client that Mr. Rajender Kumar Khurana (25% undivided share), Mr. Himanshu Madan (25% undivided share) & Mr. Satish Kumar (50% undivided share) are claiming to be the owners of First Floor without roof rights built on Property No. C4/7 (Southern Portion), area measuring 229 sq.yds., in Block-C-4, admeasuring 458 sq. yds. situated in the area of Village Ghondli, Layout Plan of Krishan Nagar, Illaqa Shahdra, Delhi-110051 "**said property**", vide a Sale Deed dt.21.08.2023, registration No. 8274, executed by Mrs. Kavita Luthra, who acquires the said property through a registered Will dated 22.02.2018 executed by his father late DR. Balraj Arora. All persons are hereby informed that above mentioned owners want to sell the said property to Mr. Dinesh Jain, he is availing loan facility from our client i.e. ICICI Bank Ltd. If anybody has any objection/s upon the ownership of above owners in respect of the said property its title/ its sale/ mortgage, and any other kind of objection/litigation etc., kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants) 200, 2nd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15. legal@knalegal.com Ph: 011-41112527-28

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my Client Shri Dharam Pal Digwal son of Late Nopram Digwal resident of B-580, Sector-1, Avantika, Rohini, Delhi-110085, have severed all relation with their son Manish Digwal and his wife Smt. Hemlata Digwal and Grand son Damoder Anand Digwal and Grand daughter Durgesh Nandani due to their bad habits, My clients have disowned and debarred their said son and his wife alongwith their childrens from all their movable and immovable properties. Anyone dealing with Manish Digwal and Hemlata Digwal will do so at his/her/their own risk and responsibility and my client will not be held responsible for any actions Deed or transactions carried out by Shri Manish Digwal and his wife Smt. Hemlata Digwal

DEEPAK (ADVOCATE) H.O: K-62 Tis Hazari Court Delhi-110054, Mob. 9717124913

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक्सिस बैंक लिमिटेड, जिसकी शाखा-प्रथम तल, हिमालय हाउस के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001 में है, **श्रीमती सौभाग्यवती (उधारकर्ता)** के पक्ष में नगरपालिका संख्या 18/2 वाली फ्रीहोल्ड बिल्ट-अप संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल लगभग 105 वर्ग गज है, किशन गंज, रामा पार्क के पास, भगत सिंह रोड, दिल्ली-110007 में स्थित (जिसे आगे **"उक्त संपत्ति"** कहा जाएगा) के विरुद्ध ऋण सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव कर रही है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार, श्रीमती कमला रानी, पत्नी श्री शोरी लाल, दिनांक 18.12.1965 के विक्रय विलेख के आधार पर उक्त संपत्ति के पंजीकृत मालिक थे, जो दस्तावेज संख्या 15266 के तहत पंजीकृत था, और उक्त संपत्ति को बाद में दिनांक 25.06.2007 के विक्रय विलेख के माध्यम से **श्री कपिल कुमार** को बेचा गया था, जो दस्तावेज संख्या 3654 के तहत पंजीकृत था। उक्त संपत्ति अब **श्रीमती सौभाग्यवती (उधारकर्ता)** को बेची जानी है। यह सूचित किया गया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख एन.सी.आर./एल.आर. संख्या 2909832/2025 के अनुसार खो गए हैं या गलत स्थान पर रख दिए गए हैं। कोई भी व्यक्ति जिसके पास उपरोक्त मूल दस्तावेज हों या जिन्हें मिले हों, उनसे अनुरोध है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (07) दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें। ऐसा न होने पर, एक्सिस बैंक लिमिटेड प्रस्तावित ऋण लेनदेन के साथ आगे बढ़ेगा और इसके संबंध में उत्पन्न होने वाले किसी भी दावे, आपत्ति या देनदारियों के लिए जिम्मेदार या उत्तरदायी नहीं होगा।

हिमांशु आहूजा (अधिवक्ता)
संपर्क नंबरः 011-41830049
ई-मेल पताः alolegals@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

दि रोजमेरी अपार्टमेंट सी.जी.एच.एस. लि. म. न. WZ - 551 A, टॉप फ्लोर, श्रीनगर, शकूर बस्ती, रानी बाग, दिल्ली-110034

DCS नियम 2007 के 19(2) के नियम का अनुसरण करते हुए सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दि रोजमेरी अपार्टमेंट CGHS Ltd के निम्न सदस्यों ने अपनी सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया है।

1). देवेन्द्र गुप्ता (M.No.206) 2). कु. रजनी कुमार (M.No.161) 3). कु. मंजीत कौर (M.No.204) 4). श्री आदित्य अग्रवाल (M.No.218) 5). कु. श्रुति राय गुप्ता (M.No.219) 6). श्री नमन राय गुप्ता (M.No.224) 7). अनन्ता वाली (M.No.230) 8). श्री पवन कुमार शर्मा (M.No.123) और 9). कु. रूपाली दिवान (M.No.199)

यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त सदस्यों के सदस्यता त्यागने से संबंधित कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित रुप में रजिस्ट्रार कोआपरेटिव सोसाइटी (RCS) संसद मार्ग, नई दिल्ली अथवा सोसाइटी आफिस म. न. WZ - 551A, टॉप फ्लोर, श्रीनगर, शकूर बस्ती, रानी बाग दिल्ली-110034 को इस नोटिस के छपने के 7 (सात) दिनों के भीतर दर्ज करायें। **sd/-**

President-Rosemary Apartment CGHS Ltd.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shobhit S/o Satish Chandra Srivastava R/o H-707, Supertech Icon, Indirapuram, Ghaziabad have changed my name to Shobhit Srivastava for all future purposes.

PD(2270)A

I, Shikha W/o Shobhit Srivastava R/o H-707, Supertech Icon, Indirapuram, Ghaziabad have changed my name to Shikha Srivastava for all future purposes.

PD(2271)A

I, POOJA RAO alias KAVITA RAO, D/o Sh. Mafat Lal Rao residing at H.No. C-63/B, Near Durga Pur Mandir, Janta Garden, Pandav Nagar, Shamas Pur, Delhi-110091, have changed my name from POOJA RAO to KAVITA RAO and shall henceforth be known as KAVITA RAO for all purposes.

PD(2272)A

PUBLIC NOTICE

Reg: Residential First Floor, without terrace/roof rights, covered area measuring 1130 sq. ft (104.98 sq. mtrs), built up on Plot No. 55, situated at Residential Colony known as Jaipuria Enclave, Kaushambi, Ghaziabad, Tehsil and Distt. Ghaziabad. U.P.-201010; hereinafter referred to as "said property"

Be it known to all that our clients, Mr. Ujjwal Kanti Mahato and Mrs. Nupur Mahato (hereinafter called the "Purchasers") intends to purchase the said property from Mr. Niraj Kumar(hereinafter called the "seller") who owned the said property vide Gift Deed dated 19.12.2024, Document No. 15869. Further Seller has informed us that initially Mrs. Nirmala Roy and Mr. Ram Kishore Prasad Singh owned the said property vide allotment letter and Sale Deed dated 14.06.2004 was executed by M/s Rajshree Builders & Promoters Pvt. Ltd. And after unfortunate death of Mrs. Nirmal Roy on 28.04.2022, her shares have been devolved upon her legal heirs Mr. Ram Kishore Prasad Singh, Mr. Niraj Kumar and Mrs. Madhulika and out of them Mr. Ram Kishore Prasad Singh and Mrs. Madhulika gifted their respective shares in favour of Mr. Niraj Kumar. Thus, Mr. Niraj Kumar has become the owner of the said property. The said owner has also informed that the said property is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said property.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the owner in respect of the said property shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF, Defence Colony,
New Delhi -110024

AXIS BANK LTD.

खुदरा परिसंपत्ति केंद्रः एक्सिस बैंक लिमिटेड गीगाप्लेक्स, एनपीसी-1, तीसरी मंजिल एमआईडीसी, ऐरोली नॉलेज पार्क मुगलसन रोड ऐरोली नवी मुंबई-400708

औरः एक्सिस बैंक लिमिटेड, एक्सिस हाउस, टॉवर टी-2, दूसरी मंजिल, I-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (यूपी)-201301, कॉर्पोरेट कार्यालयः 'एक्सिस हाउस', ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालयः त्रिशूल, तीसरी मंजिल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

(नियम 8(1)) (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं/सह-उधारकर्ताओं/ गारंटरों/बंधककर्ताओं को मांग नोटिस जारी किए हैं, जिसमें नोटिस में उल्लिखित राशियों को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया है।

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता देय राशि का भुगतान करने में असफल रहा है, विशेष रूप से संबंधित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित दिनांक को कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और आम जनता को संबंधित संपत्तियों से लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्तियों से कोई भी लेन-देन नीचे उल्लिखित राशियों के लिए एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ता का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/ का नाम	मांग सूचना की तिथि	कब्जा की तिथि
1.	1. श्री अनुराग आनंद पुत्र श्री राजिन्द्र प्रसाद निवासी जे-1002, केडीपी, ग्रैंड सवाना एनएच-58, राज नगर, गाजियाबाद, यूपी-201010, औरः श्री अनुराग आनंद, पुत्र श्री राजिन्द्र प्रसाद, निवासी डब्ल्यूजेड-61/ए 15, पहली मंजिल, लेन नं. 17 वशिष्ठ पार्क, दिल्ली-110046, औरः श्री अनुराग आनंद, पुत्र श्री राजिन्द्र प्रसाद, निवासी फ्लैट नं. 706, टॉवर-1, टाइप-एच, 7वीं मंजिल, क्लासिक रेजीडेंसी, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद यूपी-201801, 2. श्रीमती अरुणा आनंद, पत्नी श्री अनुराग आनंद, निवासी जे-1002, केडीपी, ग्रांड सावना एनएच-58, राज नगर, गाजियाबाद, यूपी-201010, औरः श्रीमती अरुणा आनंद पत्नी श्री अनुराग आनंद, निवासी डब्ल्यूजेड-61/ए 15, प्रथम तल, लेन नं. 17, वशिष्ठ पार्क, दिल्ली-110046, औरः श्रीमती अरुणा आनंद पत्नी श्री अनुराग आनंद, निवासी फ्लैट नं. 706, टॉवर-1, टाइप-एच, 7वीं मंजिल, क्लासिक रेजीडेंसी, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद, यूपी-201801	25.11.2024 मांग सूचना में राशि (रु.) रु. 39,27,483/- (रु. उनतालीस लाख सत्ताईस हजार चार सौ तिरासी मात्र)	14.06.2025

अचल संपत्ति का विवरण- सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि निर्मित अपार्टमेंट नं. I-H1/706, 7वीं मंजिल, बिल्डिंग/टॉवर-I में, जिसका सुपर एरिया 1600 वर्ग फीट है, क्लासिक रेजीडेंसी के नाम से मशहूर आवासीय ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में गांव नूर नगर, राज नगर एक्सटेंशन एनएच-58, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित, और नीचे दिए अनुसार सीमाएं: पूर्व-टाइटल डीड के अनुसार, दक्षिण-टाइटल डीड के अनुसार उत्तर-टाइटल डीड के अनुसार, पश्चिम - टाइटल डीड के अनुसार

उपर्युक्त उधारकर्ता(ओं)/सह-उधारकर्ता(ओं)/गारंटर(ओं)/बंधककर्ता(ओं) को राशि चुकाने के लिए 30 दिनों का नोटिस दिया जाता है, अन्यथा बंधक संपत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति पर बेचा जाएगा।

तिथि : 18.06.2025, स्थान : नोएडा **हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, एक्सिस बैंक लिमिटेड**

कैमक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड

(सीआईएन L70109DL1980PLC169318)

पंजीकृत कार्यालयः प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110002 मोबाइल नं. 7303495374, ईमेलः camaccommercial@gmail.com वेबसाइटः www.camaccommercial.com

45वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना
रिमोट ई-वोटिंग सूचना और बुक क्लोजर

इसके द्वारा सूचित किया जाता है किः

1. कैमक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड ("कंपनी") की 45वीं वार्षिक आम बैठक ("एजीएम") सोमवार, जुलाई 14, 2025 को सुबह 10:30 बजे (आईएसटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी") सुविधा के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जो सामान्य और विशेष व्यवसायों को संचालित करने के लिए है, जैसा कि एजीएम के नोटिस में निर्धारित किया गया है, कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") के लागू प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुपालन में, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए परिपत्र") द्वारा जारी सामान्य परिपत्र सं. 09/2024, दिनांक सितंबर 19, 2024 के साथ पठित और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ("सेबी परिपत्र") द्वारा जारी परिपत्र सं. SEBI/HO/CFD/CFD-PoD-2/P/CIR/2024/133 दिनांक अक्टूबर 03, 2024 द्वारा जारी किया गया।
2. एमसीए परिपत्रों और सेबी परिपत्र के संदर्भ में, एजीएम की सूचना और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति सदस्यों को भेजने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, इसलिए कंपनी अपनी 45वीं एजीएम और वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 की सूचना सदस्यों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पते पर भेज रही है, उपरोक्त दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट पर www.camaccommercial.com और सीडीएसएल www.evotingindia.com और उन सदस्यों की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होंगे भौतिक और डिमेट रूप में शेयर, जिनके ईमेल पते कंपनी के साथ पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें 07 जुलाई, 2025 को या उससे पहले ईमेल आईडी nichetechpl@nichetechpl.com पर नाम, फोलियो नंबर, शेयरों की संख्या, प्रमाणपत्र संख्या आदि निर्दिष्ट करते हुए अनुरोध पत्र भेजकर निचे टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट) के साथ अपने ईमेल पते को पंजीकृत करना आवश्यक है।
3. 07 जुलाई, 2025 की कट-ऑफ तिथि को भौतिक रूप में या डिमटेरियलाइज्ड रूप में शेयर रखने वाले सदस्य इलेक्ट्रॉनिक रूप से सामान्य और विशेष व्यवसायों पर अपना वोट डाल सकते हैं, जैसा कि सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ("सीडीएसएल") की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम ("रिमोट ई-वोटिंग") के माध्यम से 45वीं एजीएम की सूचना में निर्धारित किया गया है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है किः
   - (i) 45वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना में निर्धारित साधारण एवं विशेष कार्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान के माध्यम से किया जाएगा।
   - (ii) रिमोट ई-वोटिंग शुरू होने की तिथि और समयः 10 जुलाई, 2025 (सुबह 9:00 बजे),
   - (iii) रिमोट ई-वोटिंग की समाप्ति की तिथि और समयः 13 जुलाई, 2025 (शाम 5.00 बजे),
   - (iv) 45वीं एजीएम के दौरान रिमोट ई-वोटिंग या ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से वोट करने की पात्रता निर्धारित करने की कट-ऑफ तिथि 07 जुलाई, 2025 है,
   - (v) दूरस्थ ई-मतदान और एजीएम में शामिल होने के विस्तृत अनुदेश एजीएम के नोटिस में दिए गए हैं।
   - (vi) कोई भी व्यक्ति, जो ईमेल द्वारा 45वीं एजीएम की सूचना भेजने के बाद कंपनी का सदस्य बनता है और कट-ऑफ तिथि 07 जुलाई, 2025 तक शेयर रखता है, वह www.evotingindia.com या camaccommercial@gmail.com पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है।
   - (vii) माननीय सदस्य यह नोट कर सकते हैं कि क) मतदान के लिए उपर्युक्त तारीख और समय के बाद सीएसडीएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को अक्षम कर दिया जाएगा और एक बार सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर वोट डालने के बाद, सदस्य को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, (ख) जिन सदस्यों ने एजीएम से पहले रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे वीसी सुविधा के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन एजीएम के दौरान ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से फिर से अपना वोट डालने के हकदार नहीं होंगे, ग) एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य और जिन्होंने दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला था, एजीएम के दौरान ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से अपना वोट डालने के हकदार होंगे, घ) एक व्यक्ति जिसका नाम केवल कट-ऑफ तारीख के अनुसार सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज है, दूरस्थ ई-वोटिंग, वीसी सुविधा के माध्यम से एजीएम में भाग लेने और एजीएम के दौरान ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होगा।
   - (viii) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले वे सदस्य, जिनके ईमेल पते कंपनी के पास पंजीकृत नहीं हैं, वे अपना ईमेल पता पंजीकृत कराने के लिए हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र की स्कैन की हुई प्रति जिसमें नाम, फोलियो संख्या और पूरा पता हो, पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की हुई प्रति भेज सकते है तथा कंपनी के साथ पंजीकृत सदस्यों के पते के समर्थन में किसी भी दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, चुनाव पहचान पत्र, पासपोर्ट) की स्व-सत्यापित स्कैन की हुई प्रति camaccommercial@gmail.com पर ईमेल की जा सकती है। डीमैट रूप में शेयर रखने वाले सदस्य अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागी के साथ अपना ईमेल पता अपडेट कर सकते हैं।
4. ई-वोटिंग प्रणाली से रिमोट ई-वोटिंग के संबंध में किसी भी प्रश्न के मामले में, आप www.evotingindia.com पर उपलब्ध अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों ("एफएक्यू") और ई-वोटिंग मैनुअल को सहायता अनुभाग के तहत संदर्भित कर सकते हैं या helpdesk.evoting@cdslindia.com को एक ईमेल लिख सकते हैं या श्री राकेश दलवी, पदनाम-वरिष्ठ प्रबंधक, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, पताः ए विंग, 25वीं मंजिल, मैराथन फ्यूचरएक्स, मफतलाल मिल कंपाउंड, एनएम जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई-400013 या helpdesk.evoting@cdslindia.com या टोल फ्री नं. 1800-21-09911 पर कॉल करें।
4. कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर स्थानांतरण पुस्तकें 08 जुलाई, 2025 से 14 जुलाई, 2025 तक (दोनों दिन सम्मिलित) बंद रहेंगी।

कृते कैमक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड
हस्ता/-
मनीषा सक्सेना
कंपनी सचिव

दिनांकः 18 जून, 2025
स्थानः नई दिल्ली

कार्यालय वसूली अधिकारी
ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली
चौथी मंजिल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

REGD A/D/ DASTI/AFFIXATION/BEAT OF DRUM

T.R. C. No. 121/2023

बिक्री उद्घोषणा

एक्सिस बैंक बनाम उर्मिला थपलियाल

बैंक और वित्तीय संस्थान की ऋण वसूली अधिनियम 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के अन्तर्गत बिक्री की उद्घोषणा

सीडी1) उर्मिला थपलियाल, 998, गली नं. 2, राव मनसा राम स्कूल के पास, कापसहेड़ा, नई दिल्ली-110037, औरः रॉयल सुंदरम एलायंस, राइडर हाउस, प्लॉट नं. 136, सेक्टर-44, गुरुग्राम 12200, हरियाणा

(सीडी2) तरूण थपलियाल, 998, गली नं. 2, राव मनसा राम स्कूल के पास, कापसहेड़ा, नई दिल्ली-110037 औरः डॉयरेक्ट दूरदर्शन केंद्र, नई दिल्ली, प्रत्यक्ष दूरदर्शन भवन पर्निकस मार्ग, नई दिल्ली - 110001

(सीडी3) कॉसमॉस इंफ्रा इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड, ऋषि अपार्टमेंट, 4 बैटरी लेन, राजपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054, औरः 314 और 316, अंसल चैंबर्स - I, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-1100661.

1. जहाँ पर पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-I द्वारा वसूली प्रमाणपत्र सं 121/2023, ओ.ए. नं. 691/2015 के द्वारा वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार वाद के शुरुआत से रु. 17,13,030.00 साथ में ओए की फाईलिंग की तिथि अर्थात 23.10.2015 से 12.00 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, मासिक दर के साथ वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार और वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार लागत और शुल्क सहित प्रमाणपत्र देनदार की लागत का भुगतान भी करना होगा।
2. और जहाँ पर अधोहस्ताक्षर ने इस प्रमाणपत्र से संतुष्ट हो कर निम्नलिखितानुसार अनुसूची में संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. और जहाँ पर प्रतिवादी द्वारा रु. 17,13,030.00 साथ में ओए की फाईलिंग की तिथि अर्थात 23.10.2015 से 12.00 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, मासिक दर के साथ वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार और वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार लागत और शुल्क सहित प्रमाणपत्र देनदार की लागत का भुगतान भी करना होगा। सूचित किया जाता है कि स्थगन के किसी आदेश के अभाव मे सम्पत्ति की ई-नीलामी वेबसाईट : https://www.bankeauctions.com पर "ऑन लाईन ईलैक्ट्रॉनिक बिडींग" के माध्यम से दिनांक 01.08.2025 को दोपहर 12.00 बजे से अर्पा. 01.00 बजे तक (अर्पाह 01.00 बजे के बाद 5 मिनट प्रत्येक की अवधि के विस्तार के साथ, यदि अपेक्षित है) किया जायेगा।
4. ई-नीलामी हेतु प्रस्तावित संपत्ति का विवरण इस प्रकार है

क्र. सं.	सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य	ईएमडी
1.	सम्पत्ति जिसका फ्लैट नं. 306, तृतीय तल, ब्लॉक नं. 23, पाम अपार्टमेंट, कॉस्मोस ग्रीन, भिवाड़ी, राजस्थान 1301019	रु. 1900 लाख	रु. 1.90 लाख

5. इच्छुक बोलीदाताओं को धरोहर राशि डी डी/पे आर्डर के रुप में जो कि "**Recovery Officer,** DRT-I, Delhi-A/c **T.R.C No. 121/2023** के पक्ष में दिल्ली में देययोग्य हो स्व-प्रमाणित पहचान साक्ष्य (वोटर आई डी कार्ड/ड्राईविंग लाईसेंस/पासपोर्ट) और पैन कार्ड की स्व-प्रमाणित प्रति सहित, जिसमें पत्राचार का पता अंकित हो, जो वसूली अधिकारी, डीआरटी-I, दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 30.07.2025 को अर्पाह 05.00 बजे से पहले जमा कराना होगा। धरोहर राशि इसके पश्चात नीलामी के लिए स्वीकार नही की जायेगी। असफल बोलीदाता ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही बंद होने पर ई-नीलामी सेवा प्रदाता/बैंक/वित्तीय संस्थान से ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद सीधे रजिस्ट्री, डीआरटी-I, दिल्ली से ईएमडी वापिस लेगा।
6. धरोहर राशि वाले लिफाफे के उपर "**T.R.C No. 121/2023**" अंकित होना चाहिए और साथ में बोलीदाता का ई-मेल आई डी और मोबाईल न. भी अंकित होना चाहिए।
7. इच्छुक बोलीदाताओं को हमारे ई-नीलामी सर्विस प्रोवाईडर के पास पहले पंजीकृत कराना होगा और ई-नीलामी में भाग लेने के लिए यूजर आई डी और पासवर्ड प्राप्त करना होगा और मेसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड उद्योग विहार, फेज 2, बिल्डिंग नं. 301, गुरुग्राम, हरियाणा (भारत) फोनः +91 7291981124/25/26, 9948182222, ई-मेल andhra@c1india.com, support@bankeauctions.com, वेबसाइट https://www.bankeauctions.com के साथ सम्पर्क करने की सलाह दी जाती है।
8. संभावित बोलीदाताओं को पोर्टल के साथ स्वयं को पंजीकृत करना और पहले से ही उपयोगकर्ता आईडी/पासवर्ड प्राप्त करना आवश्यक है, जो मेसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से उपरोक्त ई-नीलामी में बोली लगाने के लिए अनिवार्य है।
9. **संबंधित बैंक अधिकारियों /हेल्पलाइन नं. आदि का विवरण निम्नानुसार हैः**

नाम एवं पद	ई-मेल और फोन नं.
सुश्री पूना (उप प्रबंधक)	ईमेलः poonm21@axisbank.com

10. जो बेचे जाने का प्रस्ताव है वे अधिकार हैं जिनके लिए प्रमाणपत्र देनदार संपत्तियों के संबंध में हकदार हैं। संपत्तियों को देनदारियों, यदि कोई हो, के साथ बेचा जाएगा। उद्घोषणा में दर्शाई गई संपत्तियों की सीमा वसूली प्रमाणपत्र अनुसूची के अनुसार है। वसूली अधिकारी किसी भी कारण से सीमा में किसी भी बदलाव के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्तियों की बिक्री **"जहां है जैसी है" और "जैसी है जैसी है"** शर्त पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे बैंक के पास उपलब्ध स्वामित्व विलेखों की प्रतियों का अवलोकन करें और संपत्ति विवरण ऋणभार आदि की पहचान और शुद्धता की जांच करें।
11. संपत्ति की बिक्री की तारीख से पहले संभावित बोलीदाताओं द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है जिसके लिए बैंक के उपरोक्त नामित अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।
12. यदि कोई बोली या सभी बोलियाँ अस्वीकार्य पाई जाती हैं तो वसूली अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने या बिक्री प्रास्थगित या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है।
13. ऐसे बोलीदाताओं को असफल बोली लगाने वाले की ईएमडी पहचान प्रमाण पत्र जैसे पैन कार्ड, पासपोर्ट, वोटर-आईडी वैध ड्राइविंग लाइसेंस या सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र की पहचान/प्रस्तुत करने पर डीआरटी-I की रजिस्ट्री से प्राप्त होगी। असफल बोलीकर्ता अपनी ईएमडी की वापसी सुनिश्चित करेंगे और, यदि उचित समय के भीतर प्राप्त नहीं होते हैं, तो तुरंत वसूली अधिकारी, डीआरटी-I, दिल्ली/रजिस्ट्री, डीआरटी-1, दिल्ली या बैंक से संपर्क करें।
14. उपरोक्त नाम के प्रतिवादी की सम्पत्ति की बिक्री निम्नलिखितानुसार सम्पत्ति के लिए संलग्न देनदारियों एवं दावें को जैसा अभी तक निंधारित किया गया है, वे प्रत्येक लॉट के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।
15. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट बिक्री हेतु रखा जाएगा, यदि सम्पत्ति भाग की बिक्री की राशि संतुष्टि लायक होगी तो शेष के संबंध में बिक्री को तुरन्त समाप्त कर दिया जाएगा। नीलामी समाप्त होने से पूर्व बिक्री समाप्त कर दी जाएगी यदि बिक्री कर रहे अधिकारी के समक्ष प्रमाणपत्र में उल्लिखित बकाया, ब्याज शुल्क (बिक्री लागत सहित) प्रस्तुत करने होंगे अथवा उनकी संतुष्टि के साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा कि प्रमाणपत्र, ब्याज एवं लागत अद्योहस्ताक्षरी को भुगतान किए जा चुके हैं।
16. बिक्री से संबंधित कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति निविदा के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सम्पत्ति की बिक्री के लिए बोली, अधिग्रहण अथवा प्रयास नही करेगा।
17. आयकर अधिनियम 1961 के द्वितीय अनुसूची के शर्तो एवं उसके नियमों के तहत तथा निम्न शर्तो के अनुरुप ही बिक्री की जाएगी। बिक्री उद्घोषणा के अनुसूची में उल्लिखित विवरण अद्योहस्ताक्षरी के सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दर्शाया गया है परन्तु किसी त्रुटी, गलत बयान अथवा उद्घोषणा में चूक के होने पर अद्योहस्ताक्षरी की जवाबदेही नहीं होगी।
18. निविदा राशि जहाँ से बिड राशि को बढ़ाया जाएगा रु. 50,000/- (रु. पचास हजार केवल) निविदा राशि पर अथवा निविदादाता द्वारा किसी विवाद पर लॉट के लिए नीलामी को तुरंत दोबारा प्रारंभ करवाया जाएगा।
19. किसी भी लॉट के सर्वोच्च/उच्चतम बोलीदाता को क्रेता घोषित किया जाऐगा बशर्ते की वह बोली लगाने के लिए कानूनन योग्य है एवं उसके द्वारा लगाई गयी बोली आरक्षित मूल्य से कम नही है। उच्चतम बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के विवेकाधीन होगा, यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्टतः इतना अपर्याप्त हो जिसे प्राप्त करना अनुचित हो।
20. सफलतम/उच्चतम बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली, खाता T.R.C. No. 121/2023 के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/पे-ऑर्डर के द्वारा ऑन लाईन निलामी के 24 घण्टे के अंदर तैयार करना होगा और धरोहर राशि को समायोजित करने के पश्चात् यह ऑनलाइन निलामी के बंद होने से तीन दिनों के भीतर रिकवरी अधिकारी के कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए, ऐसा ना करने पर धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी।
21. सफलतम / उच्चतम बोलीदाता सम्पत्ति बिक्री मूल्य की बकाया 75 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी, डी आर टी-I, दिल्ली, खाता T.R.C. No. 121/2023 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे-ऑर्डर के द्वारा सम्पत्ति की बिक्री की तिथि (उस दिन को छोड़कर) से 15वें दिन या उससे पहले वसूली अधिकारी, डी आर टी-I, दिल्ली के समक्ष जमा करेगा और यदि 15वें दिन रविवार या अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस पर (15 दिन के पश्चात्) ऐसा किया जाऐगा। एवं 2 प्रतिशत रु. 1000/- तक और उसके बाद शेष राशि पर 1 प्रतिशत की दर से पाउण्डेज फीस का भुगतान रजिस्ट्रार, ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली के पक्ष में जमा करवाना होगा (75 प्रतिशत शेष जमा राशि के मामले में यदि पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है तो उपरोक्तानुसार में वसूली अधिकारी के ऑफिस में पहुँच जाना चाहिए)।
22. यदि निर्धारित अवधि के अन्दर भुगतान नही किया जाता है, तो सम्पत्ति को बिक्री की नई उद्घोषणा के निर्गमन के बाद पुनः बेचा जाऐगा। बिक्री के खर्चो को चुकाने के बाद बची रकम यदि अधोहस्ताक्षरी इसे सही समझता है, तो सरकार के खाते में जब्त कर दी जायेगी तथा दोषी क्रेता सम्पत्ति के या उस राशि के किसी भी भाग जिसके लिए उसे बाद मे बेचा जा सकता है, के दावे जब्त कर लिए जायेंगें।

सम्पत्तियों की अनुसूची

लॉट नं.	अन्य सह मालिकों के नाम के सहित, बेची जाने वाली सम्पत्ति का विवरण, जहाँ सम्बन्धित सम्पत्ति डिफाल्टर या जो किसी अन्य व्यक्ति के सह-स्वामित्व में है।	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर राजस्व जिसका मूल्यांकन किया गया है	किसी भी प्रकार के भार का विवरण जिसके लिए सम्पत्ति उत्तरदायी है	विवाद अगर कोई है जो कि सम्पत्ति के सम्बंध में आगे आया है एवं अन्य कोई ज्ञात विशिष्टियां जोकि इसके मूल्य एवं प्रकृति प्रभाव रखता है।
1.	सम्पत्ति जिसका फ्लैट नं. 306, तृतीय तल, ब्लॉक नं. 23, पाम अपार्टमेंट, कॉस्मोस ग्रीन, भिवाड़ी, राजस्थान 1301019	कोई सूचना प्राप्त नहीं		

मेरे समक्ष दिनांक 03.06.2025 को मोहर किया गया

निरंजन शर्मा
वसूली अधिकारी-II
वसूली अधिकारी, डीआरटी-I, दिल्ली

page 03:page 03.qxd 6/17/2025 8:04 PM Page 1

मोहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार के अड्डे : मुख्यमंत्री

व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं देना योजना का लक्ष्य : रेखा गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहती है। उन्होंने यहां तीस हजारी में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं देना है। इस मौके पर गुप्ता ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया, ₹परीक्षणों की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौंपने के नाम पर भ्रष्टाचार किया गया। क्लीनिकों के लिए किराए पर जगह लेने में भी भ्रष्टाचार हुआ।₹ मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्व सरकार को

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीस हजारी में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया।

1,100 से अधिक आयुष्मान मंदिर खोलने के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन उन पैसों का इस्तेमाल नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, ₹यह राशि मार्च तक निष्क्रिय हो जाएगी। पिछले पांच साल में जो काम नहीं हुआ, वह अब हमें बहुत कम समय में करना है ताकि राशि निष्क्रिय न हो जाए।₹ गुप्ता ने कहा कि सरकार दिल्ली को स्वास्थ्य सुविधाओं में अव्वल बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा, ₹हम चाहते हैं कि किसी की जान सिर्फ इस वजह से न जाए कि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्युएचओ) के मानकों के अनुसार, प्रति 1,000 लोगों पर दो बिस्तर होने चाहिए। उन्होंने कहा, ₹दिल्ली में यह संख्या केवल 0.42 बिस्तर प्रति 1,000 लोग है, यानी एक बिस्तर भी नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि इसे बढ़ाकर तीन बिस्तर प्रति 1,000 लोग किया जाए।₹ मंगलवार को दिल्ली में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर, केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा हैं। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद, इस महीने की शुरूआत में दिल्ली में प्रधानमंत्री जन आरोग्य

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार

नयी दिल्ली। पेट संबंधी समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को उपचार का लाभ हो रहा है, लेकिन उन्हें छुट्टी मिलने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। अस्पताल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी (78) को रविवार शाम को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के चेयरमैन अजय स्वरूप ने एक बयान में कहा, उनकी हालत स्थिर है और उन पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है। वह पेट के संक्रमण से उबर रही हैं। उनके खान-पान पर कड़ी नजर रखी जा रही है और वह निगरानी में हैं। एहतियात के तौर पर, उनकी छुट्टी की तारीख अभी तय नहीं की गई है।

उन्होंने बताया, हमारे डॉक्टर एस नंदी और डॉ अमिताभ यादव की टीम उनकी सेहत और खानपान पर बारीकी से नजर रख रही है। सोनिया ने नौ जून को इसी अस्पताल में चिकित्सा जांच कराई थी।

डीएमआरसी ने मोनाश विवि के साथ मिलाया हाथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास पर सहयोग के लिए मेलबर्न के मोनाश विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए। डीएमआरसी ने एक बयान में बताया कि दोनों संगठनों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने यहां मेट्रो भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व रेलवे प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआरटी) के द्वारा किया गया, जो रेलवे इंजीनियरिंग और नवाचार में अपने काम को लेकर जाना जाता है। बयान में कहा गया है कि समझौते के तहत, दोनों संस्थान रोलिंग स्टॉक और पटरी रखरखाव के उन्नत स्वचालन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रूप से अध्ययन करेंगे। डीएमआरसी अकादमी मोनाश विश्वविद्यालय के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रमों समेत सहयोगी गतिविधियों के लिए ज्ञान और प्रशिक्षण भागीदार के रूप में कार्य करेगी।

मामले-दर-मामले पर अलग समझौतों के तहत आईआरटी, मोनाश विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट शोध अध्ययनों की पहचान की जाएगी और उन पर काम किया जाएगा। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष मेट्रो इंजीनियर के कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से तकनीकी और अनुसंधान सहयोग के अन्य क्षेत्रों का पता भी लगाएंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

सत्र 2025-26 के लिए स्नातक प्रवेश पोर्टल शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने मंगलवार को स्नातक पाठ्यक्रमों में 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू करते हुए अपना कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल शुरू किया। विश्वविद्यालय की डीन (अकादमिक) हनीत गांधी ने प्रेसवार्ता में बताया कि अब विद्यार्थी सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने बताया, विश्वविद्यालय के 69 कॉलेजों में कुल 71,624 सीट पर 79 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश दिया जाएगा। गांधी ने कहा कि करियर उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने इनोवेटिव स्किल-बेस्ड कोर्सेज सेंटर (सीआईएसबीसी) के तहत कौशल आधारित कई पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश शुरू किये हैं। इन पाठ्यक्रमों में एसी-रेफ्रिजरेटर मरम्मत, एनीमेशन और मोशन ग्राफिक्स, बेकरी तथा हलवाई का काम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि

सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंकों के आधार पर होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने बताया कि इस वर्ष दो नये स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं जिनमें एमए (स्नातोकोत्तर) टूरिज्म मैनेजमेंट (50 सीट) और एमए (स्नातोकोत्तर) हिंदी पत्रकारिता शामिल है। स्नातक दाखिला प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की जाएगी। मंगलवार को शुरू हो रहे पहले चरण में विद्यार्थियों को अपने व्यक्तिगत विवरण, कक्षा 12वीं के अंक और सीयूईटी आवेदन संख्या दर्ज करनी होगी। दूसरा चरण सीयूईटी परिणाम घोषित होने के बाद शुरू होगा, जिसमें विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम और कॉलेज की प्राथमिकता भर सकेंगे।

तीन लोगों ने बंदूक दिखा एसयूवी लूटी

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र के पास तीन बदमाशों ने कथित तौर पर वाहन चालक को बंदूक दिखा कर धमकाया और एसयूवी कार लूट ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रविवार को सुबह करीब पांच बजे शहीद जीत सिंह मार्ग पर कार लूटने के दौरान बदमाशों ने कथित तौर पर वाहन चालक को पीछे की सीट पर बैठा दिया और एक घंटे बाद कार से बाहर निकाल दिया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित चालक सागर अपने मालिक की टाटा हैरियर एसयूवी में एक रेस्तरां के बाहर खड़ा था। उसका मालिक और उनकी पत्नी पार्टी के लिए अंदर गए थे। चालक ने पुलिस को बताया कि जब कार लूटी गई, तब कार खड़ी थी। आरोपियों में से एक के पास पिस्तौल थी। वह कार लूटकर ले गया। अधिकारी ने बताया कि चालक के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई और उसे करीब एक घंटे तक चलती कार में रखा गया। बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन और नकदी भी लूट ली। अधिकारी ने बताया, ₹बाद में पीड़ित को असोला रोड पर उतार दिया गया और आरोपी वाहन लेकर फरार हो गए। सागर ने पुलिस को घटना की सूचना दी और किशनगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम

नोएडा-गुरुग्राम में बरसे बदरा, गर्मी से मिली लोगों को राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में दोपहर करीब दो बजे मौसम पूरी तरह से बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में तेज हवाएं चल रही हैं। वहीं नोएडा और गुरुग्राम में बारिश के साथ ठंडी हवाओं ने मौसम को और सुहावना बना दिया है। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को मौसम ने बड़ी राहत दी। सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी रही और दोपहर बाद हल्की बारिश के साथ ठंडी हवाओं ने शहर को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में 4 से 5 डिग्री

सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। जिले के विभिन्न हिस्सों में हल्की बारिश सुबह से ही देखी जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 2-3 दिनों तक बादल छाए रहेंगे और रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। ऐसे में गर्मी से परेशान लोगों को आने वाले दिनों में भी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम का यह बदला मिजाज लोगों के चेहरे पर मुस्कान ले आया है और फिजा को खुशनुमा बना दिया है।

गाजियाबाद और फरीदाबाद में बारिश

वहीं में दोपहर दो बजे के करीब मौसम अचानक से बदल गया। तेज हवाएं और बिजली कड़की और इसके बाद बारिश शुरू हो गई। फरीदाबाद में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने शहर का माहौल खुशनुमा बना दिया। वहीं तापमान में गिरावट से भीषण गर्मी से कुछ राहत महसूस की गई। गाजियाबाद में भी बारिश हो रही है। इसके अलावा बुलंदशहर में तेज बारिश हुई।

दिल्ली का ड्रग लॉर्ड धरमवीर गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नरेला में सिंघू बॉर्डर से 50 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसे ड्रग लॉर्ड के रूप में जाना जाता है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि धरमवीर उर्फ पल्ला नामक इस ड्रग लॉर्ड की दिल्ली और राजस्थान दोनों जगहों पर पुलिस को तलाश थी। अधिकारी ने कहा, ₹सोमवार को अपराध शाखा की एक टीम को गुप्त सूचना मिली कि धर्मवीर नरेला में सिंघू बॉर्डर पर आएगा। जाल बिछाया गया और उसे पकड़ लिया गया।₹ पुलिस ने बताया कि धर्मवीर की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम था और वह 567 किलोग्राम गांजा बरामदगी के मामले में वांछित था। उन्होंने बताया कि वह पहले भी कई अन्य आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार, धर्मवीर का जन्म 1975 में दिल्ली के इंद्रपुरी में हुआ था। उसके पिता अवैध शराब के धंधे में संलिप्त थे और धर्मवीर भी पारिवार के कारोबार में हिस्सा लेता था। पुलिस ने बताया कि 1994 में शादी के बाद धर्मवीर विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल हो गया और दिल्ली में गांजा की आपूर्ति करने लगा। पुलिस ने बताया कि अपने व्यापक नेटवर्क के कारण वह अन्य तस्करों के बीच ₹ड्रग लॉर्ड₹ के रूप में जाना जाने लगा।

ट्रक की चपेट में आने से कांस्टेबल घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल को काम पर जाते समय दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में द्वारका एक्सप्रेसवे के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी और कुछ मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एक घटना 13 जून को उस समय हुई जब मालवीय नगर में सातवीं बटालियन में तैनात कांस्टेबल करमवीर मोटरसाइकिल से थाने जा रहे थे। पुलिस उपायुक्त ने बताया, ₹द्वारका एक्सप्रेसवे पर बिजवासन अंडरपास के पास विपिन नामक व्यक्ति द्वारा चलाए जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने करमवीर से आगे निकलने की कोशिश की और उसकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी।

डकैती के मामले में दो लोगों को सात साल जेल की सजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने 2015 के डकैती के एक मामले में दो लोगों को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई और कहा कि उनके साथ सख्ती बरती जाए ताकि एक नजीर पेश की जा सके। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमराज भारतीय दंड संहिता की धारा 394 (डकैती करते समय स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और धारा 398 (जानलेवा हथियार के साथ लूटपाट या डकैती की कोशिश) के तहत दोषी ठहराए गए आकाश और पीटर जोसेफ की सजा को लेकर दलीलें सुन रहे थे। मामले में एक अन्य सह-आरोपी

मोहम्मद याकूब को भारतीय दंड संहिता की धारा 394 के तहत दोषी ठहराया गया। तीनों ने 2015 में तिलक नगर इलाके में एक कार्यालय में लूटपाट की थी। अदालत ने 16 जून को दिए फैसले में कहा, अभियोजन पक्ष द्वारा दिए गए सबूतों से पता चलता है कि दोषी आकाश और पीटर जोसेफ क्रमशः चाकू और पिस्तौल लेकर कार्यालय में घुसे और उन्होंने अपने चेहरों को ढका हुआ था जबकि दोषी मोहम्मद याकूब कार्यालय के बाहर खड़ा होकर नजर रख रहा था और उन सभी ने डकैती की कोशिश की। अदालत ने कहा कि हालांकि, दोषी कुछ भी कीमती सामान नहीं लूट पाए लेकिन यह साबित हो गया कि आकाश और जोसेफ ने अपराध को अंजाम देने के लिए एक चाकू तथा पिस्तौल का इस्तेमाल किया। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि दोषियों को कानून का कोई डर नहीं था क्योंकि उन्होंने एक व्यस्त इलाके में डकैती की कोशिश की। आदेश में कहा गया है, इतना ही नहीं, उन्होंने पिस्तौल और घातक हथियार यानी चाकू का भी इस्तेमाल किया।

मरीज की पेट से निकाली चम्मच

नई दिल्ली। शालीमार बाग स्थित निजी अस्पताल में एक 30-वर्षीय पुरुष की दुर्लभ और असामान्य मेडिकल इमरजेंसी की गई। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के डॉक्टरों की टीम ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी प्रक्रिया को 30 मिनट में किया गया और मरीज को अगले ही दिन स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दी गई। मरीज की जांच के बाद इमरजेंसी विभाग को रेफर किया गया था। जब मरीज यहां आए थे तो उनकी हालत स्थिर दिखायी दे रही थी। यहां उनके पेट के एक्स-रे समेत तत्काल डायग्नॉस्टिक इमेजिंग की गई, जिससे पता चला कि उनकी आंत के ऊपरी हिस्से में एक धातु का चम्मच फंसा हुआ था।

काला जठेड़ी की तिहाड़ में आईवीएफ प्रक्रिया

नयी दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी ने दिल्ली की एक अदालत से अनुमति मिलने के बाद संतान प्राप्ति के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) से संबंधित चिकित्सा प्रक्रिया कराई है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की एक अदालत ने इससे पहले आईवीएफ उपचार से संबंधित चिकित्सा प्रक्रिया के लिए अंतरिम हिरासत पैरोल के अनुरोध वाली जठेड़ी की याचिका को मंजूरी दे दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीपक वाल्सन ने जठेड़ी की छह घंटे की अंतरिम हिरासत पैरोल देने संबंधी अर्जी पर सुनवाई की थी ताकि वह तत्काल चिकित्सा प्रक्रिया से गुजर सके। सूत्रों ने बताया, अदालत ने 14 जून को सुबह 6 से 7

बजे के बीच प्रक्रिया करने का आदेश दिया था। अस्पताल से संबंधित चिकित्सकों ने वीर्य के नमूने एकत्र करने के लिए तिहाड़ जेल परिसर का दौरा किया था। पूरी गोपनीयता बरती गई थी। जठेड़ी ने पिछले साल मार्च में अनुराधा चौधरी नाम की महिला से शादी की थी, जब वह तिहाड़ जेल में बंद था। अदालत ने 9 जून के आदेश में कहा था कि जठेड़ी की याचिका के अनुसार, वह और उसकी पत्नी बच्चा पैदा करके अपने वंश की रक्षा करना चाहते हैं। अदालत ने कहा कि नमूना एकत्रित करने के बाद उसे जठेड़ी की निगरानी में अस्पताल के प्रतिनिधि को सौंप दिया जाना चाहिए ताकि उसे एक घंटे के भीतर अस्पताल भेज दिया जाए। जेल अधीक्षक और जांच अधिकारी को चिकित्सा प्रक्रिया में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि एम्स के एक जवाब के अनुसार, गुरुग्राम की आईवीएफ टीम की देखरेख में तिहाड़ जेल में वीर्य के नमूने एकत्र किए जा सकते हैं और आईवीएफ लैब में स्थानांतरित किए जा सकते हैं, जहां आरोपी की पत्नी का इलाज किया जा रहा है और वीर्य के नमूने को (स्खलन के बाद) 60 मिनट के भीतर संरक्षित किया जाना चाहिए।

दिल्ली में 2025 के पहले पांच महीनों में सड़क दुर्घटनाओं में 577 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में 2025 के पहले पांच महीनों के दौरान घातक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कमी आई है, लेकिन शहर की सड़कों पर जान गंवाने वालों की संख्या चिंताजनक रूप से अधिक बनी हुई है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि सड़क हादसों में हर दिन लगभग चार लोगों की मौत हो रही है। दिल्ली पुलिस द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से मई के बीच 2,235 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 577 लोगों की मौत हुई और 2,187 लोग घायल हुए। हालांकि, 2024 में इसी अवधि के दौरान कुल दुर्घटनाओं के 2,322 मामले और 652 मौतों की तुलना में इसमें मामूली गिरावट आई है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाना अभी भी बड़ी चुनौती

समस्या

सड़क हादसों में हर दिन लगभग चार लोगों की मौत

राजधानी में सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाना अभी भी बड़ी चुनौती

है। इसके अलावा, सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों की कुल संख्या में भी क्रमिक वृद्धि देखी गई है, जो 2024 के पहले पांच महीनों में 2,106 से बढ़कर इस वर्ष 2,187 हो गई है। मार्च इस साल का सबसे घातक महीना रहा, जिसमें 137 घातक दुर्घटनाएं और 139 मौतें दर्ज की गईं। हैरानी की बात यह है कि अप्रैल में कम घातक दुर्घटनाएं हुईं, ऐसी 91 दुर्घटनाएं हुईं, लेकिन इस साल सबसे अधिक 476 लोग घायल हुए। मई 2025 में कुल 458 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 100 घातक दुर्घटनाएं शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप 107 मौतें हुईं और 458 घायल हुए।

पिछले साल मई में यह आंकड़ा थोड़ा अधिक था, जब कुल 447 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 125 घातक दुर्घटनाएं शामिल थीं, जिसके परिणामस्वरूप 127 मौतें हुईं। इस वर्ष घातक दुर्घटनाओं की संख्या में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये दुर्घटनाएं 2024 में 643 से घटकर 2025 में 556 हो गई है तथापि घायल लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।

बटला हाउस में तोड़फोड़ पर 10 जुलाई तक रोक

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के बटला हाउस क्षेत्र में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा प्रस्तावित तोड़फोड़ पर 10 जुलाई तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने 16 जून को जारी आदेश में डीडीए और अन्य हितधारकों से चार हफ्ते के भीतर जवाब भी मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को तय करते हुए अदालत ने कहा, ₹इस बीच, पक्षों द्वारा यथास्थिति बनाए रखी जाएगी।₹ अदालत डीडीए के ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं में से एक ने दावा किया कि उसकी संपत्ति, खसरा संख्या 279 में होने के बावजूद, पीएम-उदय योजना के तहत पात्र है। उच्च न्यायालय ने 11 जून को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान द्वारा ध्वस्तीकरण के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर कोई राहत देने से इनकार कर दिया था।

नीतीश कटारा हत्याकांडः बीमार मां की देखभाल के लिए अदालत ने दी मोहलत

विकास यादव की अंतरिम जमानत दो सप्ताह बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में 25 साल की जेल की सजा काट रहे दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत अवधि दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी, ताकि वह अपनी बीमार मां की देखभाल कर सके।

विकास यादव को 24 अप्रैल को अंतरिम जमानत दी गई थी, जिसे 8 मई को बढ़ा दिया गया था। मंगलवार को न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन ने राहत अवधि दो सप्ताह के लिए और बढ़ा दी, ताकि यादव अपनी मां की देखभाल कर सके, जिनकी नई दिल्ली के एम्स में सर्जरी हुई थी। हालांकि, शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यादव की अंतरिम जमानत को अब और नहीं बढ़ाया जाएगा। उसने मामले की सुनवाई जुलाई के लिए स्थगित कर दी। विकास यादव के वकील ने कहा

कि चूंकि सर्जरी 25 मई को की गई थी, इसलिए उनकी मां को ऑपरेशन के बाद देखभाल की आवश्यकता है और घर पर भाई-बहन या किसी और के नहीं होने के कारण यादव को ही उनकी देखभाल करनी होगी। गत 8 मई को शीर्ष न्यायालय ने एम्स मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार किया, जिसमें कहा गया था कि यादव की मां की हालत स्थिर है और उन्हें छुट्टी दी जा सकती है। शीर्ष अदालत ने 24 अप्रैल को यादव को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए अंतरिम जमानत दी थी और निर्देश दिया कि एम्स के चिकित्सकों के एक मेडिकल बोर्ड द्वारा उनकी जांच की जाए। शीर्ष अदालत ने शर्तें लागू करते हुए दोषी को गाजियाबाद में अपने घर में ही सीमित रहने और कटारा की मां नीलम कटारा सहित मामले के गवाहों से संपर्क नहीं करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने उसे 1 लाख रुपये के मुचलके और इतनी ही जमानत राशि जमा करने की शर्त पर राहत दी।

विकास उत्तर प्रदेश के राजनेता डी पी यादव का बेटा है। उसके चचेरे भाई विशाल यादव को भी कटारा के अपहरण और हत्या के लिए सजा सुनाई गई थी। दोनों विकास की बहन भारती यादव के कटारा के साथ कथित प्रेम संबंध के खिलाफ थे, क्योंकि वे अलग-अलग जातियों से थे। एक अन्य दोषी सुखदेव पहलवान को बिना किसी छूट के 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई।

इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने विकास और विशाल यादव को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए दोनों को बिना किसी छूट के 30 साल की सजा सुनाई थी। उसने तीसरे दोषी पहलवान को 25 साल की जेल की सजा सुनाई थी। दिल्ली जेल प्रशासन ने पिछले साल यादव के आचरण को असंतोषजनक पाए जाने के बाद उसकी छूट की मांग को खारिज कर दिया था।

महिला मित्र के साथ जापानी पार्क घूमने गए युवक पर हमला

नई दिल्ली। प्रशांत विहार इलाके में महिला मित्र के साथ जापानी पार्क घूमने गए युवक पर बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बदमाश उसका बैग और मोबाइल फोन लेकर भाग गए। घायल युवक को उसकी महिला मित्र ने अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। महिला के बयान पर पुलिस लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है और बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 14 जून की रात पुलिस को वारदात की सूचना मिली। अंबेडकर अस्पताल में मिली महिला मित्र ने बताया, जौहरीपुर एक्सटेंशन निवासी रोहित साथ पार्क में घूमने आई थी। रात करीब आठ बजे मास्क लगाए दो युवक वहां पहुंचे। एक के हाथ में डंडा था जबकि दूसरे के हाथ में चाकू था। युवक ने पूछा कि यहां क्या चल रहा है। उसके बाद दोनों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। एक युवक ने रोहित पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू लगने से रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया और नीचे गिर गया। उसके बाद बदमाश उससे बैग और मोबाइल लूटकर भाग गए। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में कर लिया है।

यमुना पार्क के पास दिखा तेंदुआ, इलाके में दहशत

ग्रामीणों ने वन्य प्राणी विभाग के अधिकारियों से साझा किया फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

क्षेत्र में तेंदुए की उपस्थिति को लेकर पिछले पांच-छह महीनों से चल रहीं अटकलें अब सच होती दिख रही हैं। स्थानीय किसान और वन्य जीव प्रेमी की ओर से लगाए गए कैमरे में कल रात 10:27 मिनट पर तेंदुआ यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क के पास टहलते हुए कैद हुआ है। सोमवार को ग्रामीणों ने यह फोटो यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क प्रबंधन और वन्य प्राणी विभाग के अधिकारियों से साझा किया।

देर शाम वन्य प्राणी विभाग की टीम ने क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। लेकिन, तेंदुए की उपस्थिति के बारे में संशय बना हुआ है। फिलहाल तेंदुए को लेकर क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को फिर सर्च अभियान चलाया जाएगा। यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क प्रबंधन की ओर से तेंदुए की उपस्थिति के बारे में अभी आधिकारिक तौर पर पुष्ट नहीं की गई है। पिछले दिनों पल्ला गांव के पास भेडिये की फोटो कैद करने वाले वन्य जीव प्रेमी हेमंत गर्ग और जगतपुर गांव के किसान महफूज अली ने कुछ दिन पहले एक कैमरा यमुना बायोडावर्सिटी पार्क के पास लगाया था। यह कैमरा विशेष तौर पर तेंदुए की क्षेत्र में उपस्थिति का पता लगाने के उद्देश्य से लगाया गया था। कल रात 10 बजकर 27 मिनट पर कैमरे में तेंदुए का फोटो कैद हुआ है। आज इस फोटो को यमुना बायोडावर्सिटी पार्क प्रबंधन के साथ-साथ वन्य प्राणी विभाग को भी भेजा गया। किसान महफूज अली ने बताया कि जनवरी महीने से क्षेत्र में कई बार तेंदुए के पदचिन्ह दिखाई दिए। इस बात को कई बार संबंधित अधिकारियों का बताया गया, लेकिन पुख्ता जानकारी के अभाव में ग्रामीण की इस बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसी के मद्देनजर वन्य जीव प्रेमी हेमंत गर्ग ने कैमरे लगाए। तेंदुए की उपस्थिति की चर्चा के बाद क्षेत्र में दिनभर चचाएं गर्म रहीं।

महफूज अली ने बताया कि शाम के समय वन्य प्राणी विभाग की टीम ने क्षेत्र का दौरा किया और लोगों से बात की। कुछ समय सर्च अभियान भी चलाया। अंधेरा बढ़ने के बाद टीम चली गई।

नोएडा के कैलाश अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा। थाना फेस- 3 क्षेत्र के सेक्टर 71 स्थित कैलाश अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि यह धमकी 14 जून को ई-मेल के जरिये दी गई और आज अस्पताल प्रबंधन से सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस- 3 के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि कैलाश अस्पताल प्रबंधन की तरफ से पुलिस को आज सूचना दी गई कि 14 जून को उन्हें एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें सेक्टर 71 स्थित अस्पताल को उड़ाने की धमकी दी गई है। दुबे ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस के आला अधिकारी जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ईमेल कहां से आया है। कैलाश अस्पताल की नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शाखाएं हैं। इस ईमेल के बाद अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस के आला अधिकारी अस्पताल प्रबंधन से बातचीत कर रहे हैं। यह अस्पताल पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा का है। सेक्टर 71 स्थित अस्पताल को उनकी बेटी संचालित करती है।

डीआरडीओ-आईआईटी-दिल्ली

क्वांटम संचार में बड़ी सफलता, सुरक्षा होगी और मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नयी दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली ने क्वांटम संचार के क्षेत्र में एक बड़ी प्रायोगिक सफलता हासिल की है। इससे भारत भविष्य में साइबर सुरक्षा के लिए क्वांटम तकनीक का उपयोग करने की दिशा में अग्रसर हो जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक ₹फ्री-स्पेस ऑप्टिकल लिंक₹ के माध्यम से क्वांटम एंटैंगलमेंट पर आधारित सुरक्षित संचार स्थापित कर प्राप्त की गई, जो आईआईटी-दिल्ली परिसर में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए डीआरडीओ और आईआईटी-दिल्ली को बधाई देते हुए कहा कि यह भविष्य के युद्ध और संचार सुरक्षा के लिए महत्वपूर्व साबित होगा। यह तकनीक भविष्य में क्वांटम इंटरनेट और क्वांटम नेटवर्क जैसी प्रणालियों के लिए रास्ता तैयार करेगी। इसे प्रो. भास्कर कंसेरी के अनुसंधान समूह ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया। क्वांटम संचार की यह तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा, बैंकिंग और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में डेटा सुरक्षा के लिए क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है।

सेक्सटार्शन गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के साइबर सेल थाना पुलिस ने सेक्सटार्शन गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह वीडियो कॉल के दौरान अश्लील वीडियो बनाकर लोगों से वसूली करते थे। इनके पास से चार मोबाइल व तीन सिम बरामद हुई हैं। इनकी पहचान राजस्थान निवासी श्याम सिंह व अलीपुर निवासी मंगल सिंह के रूप में हुई है। आरोपितों से पूछताछ कर पुलिस गिरोह के सरगना आमिर व अन्य तलाश कर रही है। 12 जून को साइबर थाने में एक शख्स ने सेक्सटार्शन की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि क्वाकक्वाक डेटिंग एप पर उसकी दोस्ती नंदिनी' नाम की युवती से हुई थी। दोनों एक दूसरे को फोन नंबर साझा किए। दोनों की वॉट्सऐप पर बात होने लगी। युवती ने एक दिन पीड़ित को वीडियो कॉल की और काल उठाते ही वह अश्लील हरकतें करने लगी। पीड़ित ने युवती से अश्लीलता के बारे में पूछा तो उसने कहा कि उसने उसका वीडियो बना लिया है। वह उनसे रकम मांगने लगी। पीड़ित ने उसे 35 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद भी वह रुपये मांगती रही। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस में केस दर्ज करवाया।

कुख्यात गांजा तस्कर को सिंघु बॉर्डर से पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच-2 ने लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात नशा तस्कर धर्मवीर उर्फ पल्ला को नरेला के सिंघु बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। आरोपित एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में राजस्थान पुलिस की ओर से वॉन्टेड था और उस पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। दिल्ली के इंदरपुरी स्थित जेजे कॉलोनी का रहने वाला धर्मवीर उर्फ पल्ला वर्ष 2024 में राजस्थान के सवई माधोपुर से फरार चल रहा था। धर्मवीर पर 567 किलो गांजे की तस्करी का आरोप है। गांजे की कीमत लगभग 56 लाख आकी गई थी। राजस्थान के रावंजना दुंगर थाने में इस मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि धर्मवीर 16 जून को सिंघु बॉर्डर, नरेला आने वाला है। इंस्पेक्टर गौतम मलिक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

दक्षिणी दिल्ली में बारापुला नाले के पास चलाया गया अतिक्रमण रोधी अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में मंगलवार को प्रशासन ने भारी पुलिस तैनाती के बीच बारापुला नाले के पास अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, आईएनए के पास बारापुल्ला नाले में अतिक्रमण रोधी अभियान चल रहा है और हमने क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की एक टीम सुबह कथित अवैध निमार्णों को ध्वस्त करने के लिए खुदाई करने वाली मशीनों के साथ आईएनए क्षेत्र में नाले के पास पहुंची। इस महीने इलाके में चलाया गया यह दूसरा ऐसा अभियान है। इस महीने की शुरूआत में मद्रासी कैंप में प्रशासन ने नाले के पास अतिक्रमण कर बनाए गए 300 से अधिक ढांचों को ध्वस्त कर दिया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि नाले पर अतिक्रमण के कारण इसकी चौड़ाई कम हो गई है, जिससे आस-पास के इलाकों में जलभराव हो रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि गाद निकालने के लिए यह कार्रवाई जरूरी थी। पिछले कुछ हफ्तों में दिल्ली के कालकाजी भूमिहीन कैंप, अशोक विहार और वजीरपुर में भी इसी तरह के अभियान चलाए गए हैं।

लूट का विरोध करने पर राहगीर की हत्या

नई दिल्ली। राजधानी में एक रौंगटे खड़े कर देने वाली सामने आई है। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने सीने में खंजर घोंप कर राहगीर को मार डाला। मोबाइल और पर्स छीनकर बदमाश फरार हो गए। इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने तीन नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित से मृतक का पर्स और वारदात में प्रयुक्त खंजर बरामद कर लिया है।

उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि गत 10 जून को अशोक विहार थाना पुलिस को अमित कुमार के घायल अवस्था में स्थानीय दीप चंद बंधु अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में सूचना मिली। यह जानकारी मिली कि अज्ञात लोगों के चाकू से हमले के कारण अमित कुमार जख्मी हो गए। पीड़ित के सीने के दाहिने हिस्से पर चाकू के दो गहरे घाव पाए गए।

महिला से तीन लाख ठगने वाला ज्योतिषी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने आध्यात्मिक उपचार के जरिए नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा दिलाने का वादा करके पीड़ितों को ठगने वाले एक स्वयंभू ज्योतिषी को जयपुर से हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह मामला तब प्रकाश में आया जब एक आईटी कंपनी में काम करने वाली 28 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि सुमित भार्गव (35) नामक आरोपी ने उससे करीब तीन लाख रुपये ठग लिए। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि आरोपी ने दावा किया कि उसके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन की समस्याओं को ठीक करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर सकता है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया ने बताया, ₹भार्गव ऑनलाइन आध्यात्मिक धोखाधड़ी का एक नेटवर्क संचालित करता था और उसकी कार्यप्रणाली बहुत व्यवस्थित थी, जिसके तहत वह सोशल मीडिया पर ज्योतिष से संबंधित आकर्षक सामग्री पोस्ट करता था, भावनात्मक रूप से कमजोर व्यक्तियों को अपने जाल में फंसाता था और उन्हें विस्तृत आध्यात्मिक उपचार के वास्ते पैसे देने के लिए राजी करता था, जबकि उन्हें लाभ पहुंचाने का (भार्गव का) कोई वास्तविक इरादा नहीं था।₹ अधिकारी ने बताया कि समय के साथ उसने पीड़िता को विभिन्न अनुष्ठानों के लिए लगभग तीन लाख रुपये का भुगतान करने के लिए राजी कर लिया। पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। डीसीपी ने कहा, ₹जांच के दौरान हमारी टीम ने जयपुर के मानसरोवर और विद्याधर नगर इलाकों में छापेमारी की। अंततः आरोपी के घर का पता लगा लिया गया, जहां वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था।₹ उन्होंने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है तथा उसके बैंक खाते (जिसमें धोखाधड़ी से भुगतान कराया गया था) से लेनदेन पर रोक लगा दी गयी है।

लड़के को पीटने और अपमानित करने के मामले में हिरासत में तीन आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सरोजिनी नगर मार्केट में नौ वर्षीय एक लड़के को कथित तौर पर थप्पड़ मारा गया, अपमानित किया गया और उसके साथ गाली-गलौज की गई। नेपाली लड़के के साथ किए गए अपमानजनक व्यवहार का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति लड़के को बेल्ट से पकड़े हुए है और दूसरा उसकी पैंट में पानी डाल रहा है। लड़का रो और गिड़गिड़ा रहा है, लेकिन उसे गालियां दी जा रही हैं और थप्पड़ मारे जा रहे हैं, यहां तक कि उसके बालों पर लिक्विड साबुन छिड़का जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने कहा, ₹उनमें से एक व्यक्ति लड़के को अपने हाथ और बेल्ट से पकड़े हुए दिखाई दे रहा है,

वक्फ बोर्ड के अवैध कब्जों पर विहिप का हल्ला बोल

नई दिल्ली। नए वक्फ संशोधन कानून के बनने के बाद भी वक्फ बोर्ड द्वारा निजी व सरकारी संपत्तियों के साथ मंदिर व गुरुद्वारों को अपना बताकर कब्जे की कोशिश जारी है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में शाहदरा में एक गुरुद्वारे पर वक्फ बोर्ड के दावे को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। ऐसे कई मामले है, जो कोर्ट तक नहीं पहुंच पाते, ऐसे में विहिप ने एक बार फिर से ऐसे मामलों को लेकर अभियान शुरू किया

मंदिर श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर ही बनेगा : साध्वी ऋतम्भरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण भगवान का मन्दिर श्रीराम जन्मभूमि की तरह पुनः मथुरा में बनेगा उसके लिए आवश्यकता है निरन्तर प्रयास की, यह उद्गार साध्वी ऋतम्भरा ने दीपक कुमार द्वारा लिखित पुस्तक हमारे प्रेरणा स्रोत द्वापर के श्रीकृष्ण के लोकार्पण समारोह में बोलते हुए दिल्ली में कहा। इस कार्यक्रम में लेखक दीपक कुमार ने अपनी पुस्तक के बारे में विशेषता बताते हुए कहा कि उन्होंने द्वारका का जो वर्णन हिन्दू धार्मिक पुस्तकों में आता है उसको आधार मानकर एक नक्शा इस पुस्तक में दिया है। लेखक के अनुसार श्रीकृष्ण की अग्रपूजा से पहले उन्होंने अखंड भारत को राजसूय व अश्वमेघ यज्ञ के माध्यम से दो बार जीता था। उसकी एक मानचित्र लेखक ने भी दिया है। लेखक ने विस्तार से बताया कि 1998 से 2003 तक किस प्रकार उसने तात्कालीन भाजपा के कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल जी के साथ मिलकर द्वारका जो समुद्र में डूबी हुई है उसको निकालने के लिए प्रयास किया था। लेखक ने पुस्तक में कई पत्र गुजरात मैरीटाइम बोर्ड, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के साथ जो पत्राचार हुआ था वह भी पुस्तक में दी हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सम्बन्धित इतिहास भी पुस्तक में एक अध्याय के रूप में दिया गया है। इस लोकार्पण के कार्यक्रम में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने पुस्तक को प्रेरणादायक बताया। जबकि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के संगठन मन्त्री डा. बाल मुकन्द पांडे ने कहा पुस्तक में हजारों संदर्भ दिये गये है जो अपने आप में पुस्तक है। उन्होंने कहा जो वंषावली लेखक ने दी है वह अद्वितीय है। कर्यक्रम में दिल्ली के वरिश्ठ भाजपा नेता सुधांषु मित्तल ने लेखक के बहुआयामी प्रयासो की चर्चा की। विष्णु शंकर जैन ने विस्तार से श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर चल रहे मुकदमों की चर्चा की। ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस के अध्यक्ष अतुल जैन ने लेखक के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

राजस्थान से शातिर जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी पश्चिमी जिले के साइबर थाना पुलिस ने राजस्थान से एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने कोरोना में बंद हुए अपने स्कूल को दोबारा शुरू करने के लिए देशभर के लोगों को ठगना शुरू कर दिया। वह जयपुर के होटल में बैठकर ऑनलाइन निवेश के नाम पर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि ठग की पहचान राजस्थान के सीकर निवासी चौथमल सैनी के रूप में हुई है। पुलिस ने उससे ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल को भी बरामद कर लिया है। वह धोखाधड़ी के दो मामलों में वांछित था। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह ऑनलाइन निवेश के नाम पर लोगों से संपर्क करता था। फिर उन्हें मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ऑनलाइन टास्क देकर अपने फर्जी बैंक खातों में लाखों रुपये का निवेश करा लेता था। पुलिस जांच में सामने आया कि चौथमल सैनी एक स्कूल चलाता था। कोराना काल में उसका स्कूल बंद हो गया।

इस स्कूल को दोबारा चलाने के लिए आरोपित ने ठगी करना शुरू कर दिया। पहले तो आरोपित ने ठग गिरोह को कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए। इसके कुछ समय बाद वह खुद भी गिरोह में शामिल होकर ठगी करने लगा।

एस श्रीवास्तव से ठगे थे 29 लाख रुपये

चौथामल ने कुछ समय पहले ही एस श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति से 29 लाख रुपये ठगे थे। पहले तो आरोपित ने पीड़ित से व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया। फिर एक वेबसाइट पर पीड़ित को ऑनलाइन पार्ट-टाइम टास्क जाब देकर लाखों रुपये का निवेश करा लिया था।

पत्नी के अदला-बदली के आरोपी व्यक्ति को नहीं मिली जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

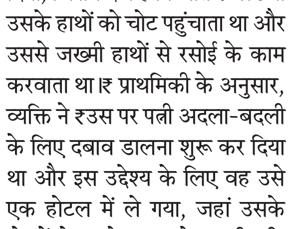

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया है जिस पर अपनी पत्नी को कथित तौर पर साथी बदलने (पार्टनर स्वैप) के लिए मजबूर करने और लोगों को उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए सोशल मीडिया पर पेशकश करने का आरोप है। अदालत ने कहा कि व्यक्ति पर महज पारंपरिक वैवाहिक विवाद के आरोपों के लिए मामला दर्ज नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवायी कर रहे थे, जिस पर बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, यौन उत्पीड़न, क्रूरता और आपराधिक विश्वासघात सहित अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने नौ जून को दिए आदेश में कहा, प्राथमिकी में लगाए गए आरोप पारंपरिक वैवाहिक विवाद के आरोप नहीं हैं। न्यायाधीश ने महिला के इस आरोप पर विचार किया कि उसका एक रिश्तेदार उसे अनुचित तरीके से छूकर उसका यौन उत्पीड़न करता था तथा उसकी लज्जा भंग करता था, लेकिन जब उसने इसकी अपने पति से शिकायत की, तो उसने उसे इन सबको नजरअंदाज करने को कहा। अदालत ने प्राथमिकी का हवाला दिया, जिसमें दर्ज है कि पति ₹ब्लेड से उसके हाथों को चोट पहुंचाता था और उससे जख्मी हाथों से रसोई के काम करवाता था।₹ प्राथमिकी के अनुसार, व्यक्ति ने ₹उस पर पत्नी अदला-बदली के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया था और इस उद्देश्य के लिए वह उसे एक होटल में ले गया, जहां उसके दोस्तों ने उसके साथ छेड़खानी की, इसलिए वह भाग गई। व्यक्ति पर महिला की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाने और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने के अलावा लोगों को पैसे के बदले उसके साथ यौन संबंध बनाने की पेशकश करने का भी आरोप है। अदालत ने कहा कि गंभीर आरोपों के अलावा, महिला ने एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया है, जिसमें उसने बलात्कार और सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया है। अदालत ने कहा, इसके अलावा, ऐसा प्रतीत होता है कि इससे पहले, जब अग्रिम जमानत दी गई थी, तो आरोपी ने पीड़िता से संपर्क किया था और उनके साथ चैट किया था, जिसकी प्रतियां रिकॉर्ड में हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण होगा कि वह चैट आरोपी ने एक नये सिम कार्ड के माध्यम से एक काल्पनिक नाम से किया था, लेकिन जांच में, वह सिम उसके नाम पर पंजीकृत पाया गया।

कार लूट व अपहरण का मामला सुलझा, तीन लुटेरे गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र में बंधक बनाकर लूटने के मामले में पुलिस ने तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान योगेश उर्फ कमांडो उर्फ सागर (34), अशोक कुमार (40) और बंटी (25) के रूप में हुई है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने मंगलवार को बताया कि 15 जून को शिकायतकर्ता सागर ने पुलिस को बताया कि वह अपने मालिक जुबिन व उनकी पत्नी के साथ कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया स्थित एक रेस्तरां में पार्टी में आया था। पार्टी में मालिक और उनकी पत्नी चले गए और वह कार में (टाटा हैरियर) बाहर इंतजार कर रहा था। सुबह करीब 5 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति कार के पास पहुंचे। उनमें से दो पीछे की सीट पर बैठ गए और शिकायतकर्ता को जबरन पीछे धकेल लिया। जबकि तीसरे आरोपित ने जो हथियार से लैस था, ड्राइविंग सीट संभाल ली।

खुलासा : सीईपीटी विश्वविद्यालय और जलवायु-प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा अध्ययन

दिल्ली में साल के केवल तीन प्रतिशत दिन साफ आबोहवा में सांस लेने वाले : रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में वर्ष में केवल तीन प्रतिशत दिन ही सेहत के लिए सुरक्षित स्वच्छ वायु और सुहाने मौसम वाले होते हैं। एक नए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। सीईपीटी विश्वविद्यालय और एक जलवायु-प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में लगभग 2,210 तापीय रूप से आरामदायक घंटे दर्ज किए गए हैं, जिनमें बाहरी तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच था। अध्ययन के मुताबिक 1,951 घंटे खराब वायु गुणवत्ता (वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 से ऊपर) के भी होते हैं। इस प्रकार वर्ष में केवल 259 घंटे ही बचते हैं, जो लगभग तीन प्रतिशत है, जब दिल्लीवासी स्वच्छ वायु और सुखद तापमान दोनों का आनंद ले सकते हैं। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ इंडोर एयर क्वालिटी के आठ जून को आयोजित हेल्दी बिल्डिंग 2025 सम्मेलन में प्रस्तुत अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया कि गर्मी और वायु प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक आबोहवा के अवसरों को गंभीर रूप से सीमित कर देता है। अध्ययन के मुताबिक दिल्ली की तुलना में, बेंगलुरु में 8,100 घंटे से ज्यादा समय स्वीकार्य वायु गुणवत्ता और सुखद तापमान की स्थिति रही। अहमदाबाद में गर्मी होने के बावजूद बाहरी परिस्थितियां ज्यादा अनुकूल रहीं। हालांकि, दिल्ली की तरह चेन्नई में भी 88 प्रतिशत आरामदायक घंटे खराब वायु गुणवत्ता के कारण प्रभावित हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन से खुलासा होता है कि गर्मी और प्रदूषण का अभिसरण भारतीय महानगरों में व्यापक होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भवन निर्माण कार्य, चाहे पूरी तरह से सीलबंद वातानुकूलित स्थानों पर आधारित हो या बिना फिल्टर वाले प्राकृतिक वेंटिलेशन पर आधारित हो, अब शहरी भारत की जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते। इस चुनौती से निपटने के लिए अध्ययन में भारतीय भवनों में वैयक्तिक पर्यावरण नियंत्रण प्रणालियों (पीईसीएस) को मुख्यधारा में लाने की सिफारिश की गई है। ये प्रणालियां हवा के संचरण को नियंत्रित करती हैं और स्थानीय स्तर पर आदर्श तापमान बनाए रखती हैं तथा विशेष रूप से मिश्रित-मोड वाली इमारतों में उपयोगी होती हैं, जो दिन के समय, मौसम या प्रदूषण के स्तर के आधार पर प्राकृतिक और यांत्रिक हवा निकासी के बीच बदलाव करती हैं।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में आया क्रांतिकारी बदलाव

मानेसर में गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में बोले अश्विनी वैष्णव

- कहा, अश्विनी वैष्णव पूरे संयुक्त अरब अमीरात से ज्यादा पटरियां अकेले हरियाणा में बिछाई हैं
- हरियाणा में रेल की शत-प्रतिशत लाइनों का हुआ विद्युतीकरण

आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड संयंत्र परिसर से गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन के बाद कार्गो रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सीएम नायब सिंह सैनी व अन्य अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा क्रांतिकारी बदलाव आया है। आज रेलवे का वार्षिक बजट 2.50 लाख करोड़ रुपए है, जबकि पहले यह 24 से 25 हजार करोड़ रुपए वार्षिक था। पिछले ढाई वर्ष के दौरान ही 1200 से ज्यादा जनरल कोच रेलवे को मिले हैं। वहीं पैसेंजर ट्रेनों के अपग्रेडेशन की बात करें तो देश को जल्द ही 100 नई मेन लाइन ईएमयू (मेमू) गाड़ियां मिलेंगी। कम दूरी की यात्राओं के लिए नई मेमू में 16 और 20 कोच होंगे, जोकि पुरानी मेमू में 8 और 12 होंगे। इसी तरह 50 नई नमो भारत पैसेंजर गाड़ियां भी रेल नेटवर्क में शामिल होंगी।

मंगलवार को यहां आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड संयंत्र परिसर में गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनलगति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के उपरांत हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हुआ। साथ ही 823 किमी लंबाई वाले ट्रैक बिछाए गए, जोकि संयुक्त अरब अमीरात के रेल नेटवर्क से भी बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है। यानी संयुक्त अरब अमीरात जितनी पटरियां अकेले हरियाणा में बिछाई गई हैं। हरियाणा में 34 अमृत भारत स्टेशन बनाने का काम जारी है। इस दौरान 540 रेलवे ओवर ब्रिज व अंडर पास बनाए गए हैं।

उन्होंने हरियाणा के सोनीपत में स्थित रेल कारखाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस कारखाने के आधुनिकीकरण की परियोजना भी तैयार की जा रही है। जल्द ही इस परियोजना का काम भी शुरू होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आज प्रदेश में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। बीते 11 वर्षों में हरियाणा में रेल नेटवर्क के विस्तार पर बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा 315 करोड़ रुपए का बजट मिला था जबकि 2014 से अब तक 3416 करोड़ रुपए प्रदेश को आबंटित हुए हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल से पहली कार्गो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस समारोह में मारूति सुजूकी इंडिया लिमिटेड के सीईओ हिसाशी ताकेउची ने केंद्रीय रेल मंत्री और मुख्यमंत्री का लोकार्पण समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया।

इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं मार्ग) के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंदर कुमार, उत्तर रेलवे के जीएम अशोक कुमार वर्मा, एचआरआइडीसी के एमडी नरेंद्र डी चंबुर, मारुति सुजुकी से सुनील कक्कड़, राहुल भारती, एसडी छाबड़ा, चीफ कोऑर्डिनेटर इंडस्ट्री सुनील शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वहीं जिला प्रशासन की ओर से गुरुग्राम मंडल के आयुक्त आरसी बिढ़ान, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, नगर निगम मानेसर के आयुक्त आयुष सिन्हा, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑटोमोबाइल हब बना हरियाणाः सीएम

- भारत में बनने वाली कारों का 50 प्रतिशत उत्पादन राज्य में हो रहा
- हरियाणा की विकास गाथा में आज एक नए स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ हुआ
- मानेसर मारुति सुजूकी इंडिया लि. परिसर में भारत के बड़े गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वर्ष 1981 में गुरुग्राम में मारुति का संयंत्र लगने के बाद हरियाणा में औद्योगिक क्षेत्र में तेजी आई। मारुति कंपनी को हरियाणा में साढ़े चार दशक पूरे हो गए हैं। आज हरियाणा की ऑटो मोबाइल क्षेत्र में जो विशेष पहचान है, उस पहचान को बनाने में मारुति कंपनी का उल्लेखनीय योगदान है। मारुति और हरियाणा की औद्योगिक प्रगति का गहरा संबंध है। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड परिसर में भारत के बड़े गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मारुति सुजुकी के सीईओ हिसाशी ताक्योची मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का एक प्रमुख ऑटोमोबाइल हब बन चुका है। इस समय भारत में बनने वाली कारों का लगभग 50 प्रतिशत उत्पादन हरियाणा में किया जा रहा है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि हम भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन प्लांट रेलवे साइडिंग का लोकार्पण का साक्षी बन रहे हैं।

इस परियोजना में लगभग 1 लाख 17 हजार 91 मिलियन रुपये की लागत आई है। सीएम सैनी ने कहा कि मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में भारत की पहली ऑटोमोबाइल इन प्लांट रेलवे साइडिंग का उद्घाटन किया था। अब इस कदम को आगे बढ़ाते हुए यह दूसरी उससे भी बड़ी परियोजना

मानेसर मारुति प्लांट में गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल का शुभारंभ करते केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सीएम नायब सिंह सैनी।

मारुति प्लांट से शुरू हुआ बड़ा गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल

गुरुग्राम। अब मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड के मानेसर प्लांट के भीतर तैयार किया गया गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल भारत का बड़ा टर्मिनल बनाया गया है। अब तक मारुति की कारों को कंपनी से लॉडिंग करके फर्रुखनगर रेलवे स्टेशन के पास ट्रालों में ले जाया जाता था। वहां से कारें ट्रेन में लॉडिंग की जाती थी। इससे पहले कारें गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से लॉडिंग होती थी। इससे यातायात जाम की काफी समस्या होती थी।

अब मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड के मानेसर प्लांट के भीतर से ही रेल में कारें लॉडिंग कर के दूसरे राज्यों में भेजेगी। वेस्टर्न फ्रट कॉरिडोर के शुरू होने से मारुति के अलावा अन्य माल ढुलाई को भी तेजी मिलेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ आम जनता के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र को मिलने वाला है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को मारुति प्लांट मानेसर से वेस्टर्न फ्रट कॉरिडोर के मारुति-पातली ट्रैक का हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। यह गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल भारत का बड़ा टर्मिनल है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल मॉडल उद्योगों के लिए काफी अच्छा साबित होने वाला है। अभी तक 108 मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार हो चुके है। प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोडऩा ही रेल कॉरिडोर परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। मानेसर से वेस्टर्न फ्रंट कॉरिडोर से हरियाणा औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति कंपनी के सभी प्लांट भी आपस में जुड़ जाएंगे। तेजी माल एक स्थान से दूसरे पर पहुंचेगा तथा लागत भी कम आएगी। सड़क मार्ग से सामान भेजने से समय के साथ-साथ लागत भी अधिक लगती है।

युवा आत्मनिर्भर व चरित्रवान बनें: धर्म चौधरी

- आर्यवीर दल प्रशिक्षण और चरित्र निर्माण शिविर का समापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव फतेहपुर बिल्लौच के पंव एल आर कालेज आफ एजुकेशन के प्रांगण में आर्यवीर दल फरीदाबाद के तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय आवासीय आर्यवीर दल के शिविर का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीजेपी नेता उप चैयरमैन जिला परिषद धर्म चौधरी व विशिष्ट अतिथि डां अनुपम दास, डां जय रेलन सर्वोदय अस्पताल का आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा व आर्यवीर दल के संरक्षक देशबंधु आर्य व संरक्षक होतीलाल आर्य एवं मंत्री संजय खट्टर, मंडल पति ब्रह्मचारी राजसिंह आर्य, सरपंच सरोज सैनी, खेमचंद सैनी, चैयरमैन डां सविता वशिष्ठ, डां प्रताप वशिष्ठ, जनहित सेवा संस्था के प्रधान संतसिहं हुड्डा, महासचिव सुभाष गहलोत, सचिव देविचरण वैष्णव, सुंदर तेवतिया व कालेज के चैयरमैन डां रामप्रकाश वशिष्ठ ने ओउम् पट्टी पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीजेपी नेता धर्म चौधरी ने कहा कि इस तरह के शिविर की आज के युवा को विशेष जरुरत है।

शिविर के माध्यम से युवाओं में शारीरिक विकास, देशभक्ति, चरित्र निर्माण में अहम योगदान मिलता है। युवाओं को चरित्र श्रेष्ठ बनाना चाहिए। तभी जीवन में कुछ बन सकते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिवकुमार टुटेजा ने कहा कि आर्यवीर दल के शिविर की आज बहुत जरूरी है। इस अवसर पर देशबंधु आर्य ने कहा कि आर्यवीर दल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संस्कारवान व देशभक्त एवं चरित्रवान, आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में आर्यवीरों ने सर्वांग सुंदर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, तलवारबाजी, लाठी, जूडो -कराटे, रस्सा मलखम, स्तूप, डबंल, लेजियम, योगासन का शक्ति प्रदर्शन किया।

गुरुकुल इंद्रप्रस्थ के आचार्य ऋषिपाल ने बताया कि शिविर में विशेष रूप वैदिक हवन - संध्या-उपासना, नैतिक शिक्षा, समाजसेवा, संस्कृति का भी प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर सर्वोदय अस्पताल के डां अनुपम दास व डां जय रेलन ने कहा कि इस तरह के शिविर से युवा बुरी लतो नशे आदि से बचते हैं व शारीरिक व मानसिक विकास भी होता है।

आईटीआई में दाखिलों के आवेदन के लिए अंतिम तिथि 20 जून

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सत्र 2025-26 व 2025-2027 के तहत जिला की सभी राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में विभिन्न व्यावसायों में छह जून से दाखिले शुरू हो चुके हैं। जिसके तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम में विभिन्न व्यवसायों में सामान्य तथा दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली में दाखिले किए जा रहे हैं।

राजकीय आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने बताया कि दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली में पाठ्यक्रम अनुसार केवल थ्योरी भाग का अध्ययन संस्थान स्तर पर तथा प्रेक्टिकल ट्रेनिंग उद्योगों में प्रशिक्षण अवधि के दौरान आधुनिक मशीनों पर करवाई जाती है। इसके साथ विभिन्न उद्योगों द्वारा संस्थान में विभिन्न व्यवसायों में पाठ्यक्रम अनुसार नवीनतम टूल्स व उपकरण उपलब्ध करवाए हैं। दसवीं व बारहवीं पास युवाओं को ज्यादा संख्या में विभिन्न व्यवसायों में दाखिला लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिससे प्रार्थी आईटीआई कोर्स करने उपरांत अपने कौशल अनुसार रोजगार प्राप्त करें। रविंद्र कुमार ने कहा कि उद्योगों की मांग के अनुसार विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं व्यक्तित्व विकास के उत्थान के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

पूरे साल रोजगार मेले लगाए जाते हैं, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून हैं।

गुरुग्राम में मामूली कहासुनी के बाद युवक की पीट-पीट कर हत्या

गुरुग्राम। मारुति कुंज में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। दो दोस्तों में मामूली कहासुनी के बाद एक दोस्त मृत हालत में पाया गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान आदेश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार की रात आदेश और उसके दोस्त गिरधर के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद आदेश मृत पाया गया। घटना की सूचना मिलने पर मारुति कुंज पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हत्याकांड में गिरधर से भी पूछताछ की जा रही है।

प्रो. संजय कौशिक बने गुरुग्राम विवि के कुलपति

गुरुग्राम विवि में कुलपति का पदभार ग्रहण करने के दौरान डा. संजय कौशिक के साथ स्टाफ सदस्य।

- डॉ. संजय कौशिक को 35 वर्ष का शैक्षणिक व प्रशासनिक अनुभव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पांच महीने से अधिक समय से खाली पड़े गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर अब नियुक्ति हो गई है। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के प्रोफेसर डा. संजय कौशिक को कुलपति नियुक्त किया गया है। मंगलवार को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। नवनियुक्त कुलपति डॉ. संजय कौशिक यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में प्रोफेसर थे।

हरियाणा राजभवन चंडीगढ़ द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने डॉ. संजय कौशिक को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति का कार्यभार सौंपा है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जीनियस ब्रेन और एचआरडी मिशन, दिल्ली द्वारा भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने वाले वरिष्ठ शिक्षाविद प्रोफेसर संजय कौशिक गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के तीसरे वाईस चांसलर बने हैं। उन्होंने प्रो. सुशील कुमार तोमर का स्थान लिया है।

बिजली निगम के प्रबंध निदेशक ने कर्मचारी यूनियन को बातचीत के लिए बुलाया

फरीदाबाद/ हिसार। भेदभावपूर्ण स्थानांतरण नीति के विरोध में एचएसईबी. वर्कर्स यूनियन हेड ऑफिस भिवानी द्वारा विद्युत सदन मुख्यालय हिसार में किए जा रहे प्रदर्शन के आठवें दिन बिजली कर्मचारियों ने जोर शोर से भाग लिया। उधर, दूसरी ओर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक की ओर से 19 जून को यूनियन को बातचीत के लिए बुलाया है। आंदोलन की अध्यक्षता व अगुवाई कर रहे यूनियन के राज्य महासचिव यशपाल देशवाल ने प्रबंधन को कड़े शब्दों में चेताया कि यदि निगम प्रबंधन ने उनकी मांगों को नहीं माना और भेदभावपूर्ण स्थानांतरण नीति को वापिस नहीं लिया तो 20 जून से इसी स्थान पर दोबारा से यूनियन अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि अब यूनियन कर्मचारियों की जायज मांगों के लिए किसी भी संघर्ष से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि एच.एस.ई.बी. वर्कर्स यूनियन हेड ऑफिस भिवानी हिसार का इतिहास रहा कि कर्मचारियों की मांगों के आगे उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

जमीन विवाद में मारपीट, पांच गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला के खंड पटौदी के गांव खानपुर में जमीनी विवाद में झगड़ा व मारपीट करने के मामले में पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस थाना पटौदी ने काबू किया है।

17 मई 2025 को पुलिस थाना पटौदी की पुलिस टीम को कंट्रोल रूम से फोन के माध्यम से एक सूचना गांव खानपुर में गोली चलने के बारे में मिली। सूचना पाकर पुलिस थाना पटौदी की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची, जहां पर पता चला कि घायल व्यक्ति राजेश, राहुल व चिंटू को सीएचसी पटौदी भेजा पाया गया है। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल को सुरक्षित रखा गया व आगामी कार्यवाही के लिए सीएचसी पटौदी पहुंची। वहां पर चला कि घायल व्यक्तियों को सरकारी अस्पताल सेक्टर-10 गुरुग्राम में रेफर किया गया। इसी दौरान पुलिस टीम को आदित्य अस्पताल रेवाड़ी से सूचना मिली कि राहुल, राजेश व चिंटू नामक व्यक्ति झगड़े में लगी घायल होकर इलाज के लिए दाखिल हुए है। पुलिस टीम आदित्य अस्पताल रेवाड़ी पहुंची, जहां पर घायल चिंटू ने बताया कि यह अपनी शिकायत कल देगा। 16 जून को पुलिस टीम आदित्य अस्पताल रेवाड़ी में घायल व्यक्ति चिंटू के ब्यान अंकित करने के लिए पहुंची तो डॉक्टर साहब ने घायल चिंटू को बाद उपचार डिस्चार्ज की बोला व घायल राहुल व राजेश को स्टेटमेंट के लिए फिट बनाने की सूचना दी।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी।

घायल व्यक्ति राजेश ने पुलिस टीम को शिकायत देकर कहा कि वह राजेश निवासी गांव खानपुर पटौदी का निवासी हूं। मेरे गांव का अनुज एक अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति है। उनका पहले भी कई बार झगड़ा हो चुका है व मारने की धमकी देने पर थाना पटौदी में केस दर्ज है। राजेश के मुताबिक 14 जून को जब हम घर के बाहर बैठे थे तब अनुज, रोहित, पवन, अजीत सिंह, उधम सिंह व सुरेंद्र व अन्य 5-6 लोग आए और लाठियों से हमला कर दिया। उन्होंने जान से मारने की कोशिश की। शिकायत पर पुलिस थाना पटौदी में केस दर्ज किया गया। थाना प्रबंधक ब्रह्मप्रकाश की पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए पांच आरोपियों को काबू किया। आरोपियों की पहचान रोहित निवासी गांव खानपुर जिला गुरुग्राम, सागर निवासी पटौदी, प्रियांशु उर्फ सोनू निवासी सिधरावली जिला गुरुग्राम, आशीष उर्फ आशु निवासी पटौदी व जगदीप उर्फ बिल्लू निवासी गांव हेड़ाहेड़ी पटौदी, गुरुग्राम के रूप में हुई।

राज्य सरकार के प्रधान सलाहकार ने ली पहली जिला समन्वय बैठक

- शहर के आधारभूत ढांचे तथा विकास परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सरकार के प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी की अध्यक्षता में मंगलवार को लघु सचिवालय में पहली जिला स्तरीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में जीएमडीए, एमसीजी, एमसीएम, एचएसवीपी और एचएसआइआइडीसी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक का उद्देश्य शहर में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा एवं विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना था। प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी ने कहा कि शहर में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और आधारभूत ढांचे के विकास के लिए सभी प्राधिकरणों को समन्वय के साथ तेजी से कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि नई सड़कों की पहचान कर समय पर एस्टीमेट तैयार किए जाएं ताकि कार्य समयबद्ध तरीके से हो सकें।

दादी सती चौक पर फ्लाईओवर निर्माण की योजना: बैठक में सम्बंधित अधिकारियों ने बताया कि यातायात जाम को कम करने के लिए जीएमडीए द्वारा सेक्टर 85-86-89-90 को जोडऩे वाले दादी सती चौक पर फ्लाईओवर निर्माण की योजना प्रस्तुत की गई। बताया गया कि इस परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है। शीघ्र ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

शहर में जलभराव से निपटने के लिए जीएमडीए, नगर निगम गुरुग्राम और मानेसर द्वारा संयुक्त प्रयास किए जा रहे हैं। जीएमडीए द्वारा एक बाढ़ नियंत्रण केंद्र की स्थापना की जा रही है जो आपात स्थिति में मशीनरी, मजदूर और पंप सेट की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

सभी अंडरपास पर मॉक ड्रिल भी की गई है। सभी निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में नालियों की सफाई करवा रहे हैं।

कन्या भ्रूण हत्या की सूचना देने पर मिलेगा 1 लाख का इनाम

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

- उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ बोले, सूचना देने वाले का नाम रखा जाएगा गुप्त
- भ्रूण हत्या व लिंग जांच में संलिप्त पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड सेंटर का रजिस्ट्रेशन होगा रद्द

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों की सही सूचना देने पर सरकार द्वारा एक लाख रुपए का इनाम दिया जाता है। कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार व प्रशासन की ओर से कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

उपायुक्त ने बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत पंजीकृत सेंटर संचालक व डॉक्टर द्वारा पहली बार गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर 3 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना तथा इसके उपरांत पुन: जुर्म करने पर 5 साल कैद और 50 हजार रुपए जुर्माना का प्रावधान है। पति/परिवार के सदस्य या लिंग चयन के लिए उकसाने वाले व्यक्ति के लिए एक्ट में पहले अपराध पर 50 हजार रुपए तक के जुर्माने के साथ 3 साल तक की कैद तथा इसके उपरांत पुन: अपराध करने पर एक लाख रुपये तक जुर्माने के साथ 5 साल तक की कैद का प्रावधान एक्ट में किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोप तय होने पर डॉक्टर का मेडिकल रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अपराध के मामले में राज्य मेडिकल काउंसिल द्वारा डॉक्टर के मेडिकल पंजीकरण को 5 साल के लिए तथा इसके उपरांत अपराध के मामले में स्थायी रूप से मेडिकल पंजीकरण को रद्द कर दिया जाएगा।

लिंगानुपात बढ़ाने के लिए एकजुट होकर करने होंगे प्रयास: उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिले वासियों से पलवल जिले के घटते लिंगानुपात को फिर से बढ़ाकर जिला को लिंगानुपात के मामले में पुन: पहले पायदान पर लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लिंगानुपात को बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि बेटियां अनमोल हैं और इन्हें भी दुनिया में आने का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि केवल बालिका दिवस व महिला दिवस मनाने से कन्या भ्रूण हत्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए हम सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। जिस दिन हम अपनी बेटियों को बेटों के बराबर समझने लगेंगे।

कन्या भ्रूण हत्या है महापापः उपायुक्त

उपायुक्त ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या महापाप है, जिसका कोई प्रायश्चित नहीं है। पुत्र की चाह में कई दंपत्ति भ्रूण लिंग परीक्षण कराकर कन्या भ्रूण होने पर गर्भपात जैसा जघन्य पाप कर देते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को जन्म लेने दें और उनका पालन पोषण अच्छे से करें। बेटियां किसी भी सूरत में बेटों से कम नहीं हैं यह मानें। इसके लिए सभी को संकल्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि बेटियों को बचाना है और पढ़ाना है। लड़कियों का जन्म दर का अनुपात लगातार कम होता जा रहा है, यह चिंता का विषय है। लड़कियां देश का भविष्य है इसलिए कन्या भ्रूण हत्या करना व करवाना पाप तथा कानून अपराध है। आज बेटियों ने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता अर्जित कर अपने परिवार, समाज व देश का नाम रोशन किया है। हमें भारत सरकार की बेटी-पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी मुहिम को आगे बढ़ाना होगा तभी लिंगानुपात में सुधार होगा।

सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाएं उपभोक्ता: एसडीओ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बकाया बिलों के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा सरचार्ज माफी योजना-2025 लागू की गई है। इस योजना का उपभोक्ता अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह योजना छह महीने के लिए लागू की गई है, जो कि 11 नवंबर 2025 तक रहेगी।

सोहना स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय में एसडीओ मुकेश गौड़ केमुताबिक यह योजना 31 अगस्त 2024 तक के बकायादार उपभोक्ताओं के लिए है। इसमें कनेक्टेड और डिस्कनेक्ट दोनों तरह के उपभोक्ताओं को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत घरेलू बिजली कनेक्शन का पूरा सरचार्ज फ्रीज कर दिया जाएगा। उपभोक्ताओं को केवल मूल राशि का भुगतान करना होगा। मूल राशि का भुगतान दो तरीकों से किया जा सकता है। एकमुश्त भुगतान करने पर मूल राशि में 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किस्तों में भुगतान का विकल्प भी है। आठ मासिक या चार द्विमासिक किस्तों में राशि जमा करवाई जा सकती है। फ्रीज किया सरचार्ज निर्धारित किस्तों और आगामी बिलों की लगातार अदायगी के बाद माफ होगा। एसडीओ मुकेश गौड़ ने कहा कि अगर कोई उपभोक्ता किस्तें नियमित रूप से जमा नहीं करवाता है तो फ्रीज किया सरचार्ज वापस बिल में जुड़ जाएगा। कोर्ट में विचाराधीन मामलों वाले उपभोक्ता भी योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्हें अपना केस वापस लेना होगा। कटे हुए कनेक्शन के मामले में एकमुश्त या पहली किस्त के भुगतान पर कनेक्शन जोड़ा जाएगा। यह सुविधा छह महीने से कम समय के कटे कनेक्शन पर ही लागू होगी। इससे अधिक समय के कटे कनेक्शन के लिए नया आवेदन करना होगा। कोर्ट में विचाराधीन केस वाले उपभोक्ता भी योजना को अपना सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उपभोक्ताओं के गलत बने हुए बिल विभाग के नियमों के अनुसार ठीक किए जाएंगे।

एसडीओ मुकेश गौड़।

जनगणना की अधिघोषणा

महत्वपूर्ण कदम

जनगणना 2027 की अधिघोषणा समावेशी भारत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 16 जून, 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से भारत की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना की अधिघोषणा जारी कर दी। स्वतंत्रता के बाद से यह आठवीं जनगणना होगी जो देश के इतिहास में एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण जनसंख्यात्मक कार्य है। लेकिन यह केवल परिवारों और लोगों की एक और गणना ही नहीं है। पहली बार भारतीय जनगणना में जातियों का आंकलन भी होगा। इस कदम के नीति निर्माण, प्रशासन तथा राजनीतिक विमर्श पर संभावित परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेंगे। मूलत: 2021 में निर्धारित, जनगणना 2027 छ: साल के विलंब के बाद हो रही है जिसका कारण मुख्यत: कोविड-19 वैश्विक महामारी तथा उसके कारण लंबे समय तक जमीनी कार्रवाइयों में आई बाधा है। इसके साथ ही जाति गणना के मुद्दे पर राजनीतिक संवेदनशीलता तथा प्रशासनिक हिचक ने भी इस राष्ट्रीय परिवर्तन में योगदान दिया। बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण 2023 ने इस राष्ट्रीय परिवर्तन में जमीनी भूमिका अदा की। इसके परिणामों को लंबे समय से व्याप्त अनुमानों के आधार पर चुनौती दी गई तथा इससे व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का जन्म हुआ। महाराष्ट्र, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्यों द्वारा अपने सर्वेक्षण कराने के साथ ही केन्द्र सरकार पर राजनीतिक हिचक तोड़ने के लिए दबाव बना। पिछले कुछ वर्षों से जाति-आधारित डेटा का समावेशन गरमागरम चर्चा का विषय रहा है। विपक्ष लगातार जाति-आधारित जनगणना की मांग करता रहा है ताकि सामाजिक-आर्थिक भिन्नताओं की बेहतर समझदारी हो सके और ज्यादा लक्षित कल्याणकारी नीतियां बनाई जा सकें। लेकिन मोदी सरकार लंबे समय से यह कह कर इन मांगों से असहमति व्यक्त कर रही थी कि जाति गणना विभाजनकारी और लाजिस्टिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती है। लेकिन क्षेत्रीय पार्टियों व कुछ एनडीए पार्टियों के बढ़ते दबाव व खासकर 2023 में बिहार में जातीय सर्वेक्षण को देखते हुए केन्द्र सरकार ने अंतत: इसे स्वीकार कर लिया।

पहली बार जनगणना का पूरा कार्यक्रम डिजिटल होगा। इसमें लगभग 34 लाख आंकलनकर्ता व 1.3 लाख कार्यकर्ताओं को तैनात किया जाएगा जो क्षमता, सटीकता तथा तत्काल डेटा प्रबंधन के लिए मोबाइल अप्लीकेशनों का प्रयोग करेंगे। जनगणना, 2027 का महत्वपूर्ण तत्व डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से आत्म-आंकलन का विकल्प होगा जिससे नागरिक सीधे डेटा संग्रह प्रक्रिया में भागीदार बन सकेंगे। इससे जनगणना में आम लोगों की उत्साही सहभागिता सुनिश्चित होगी। जाति संबंधी आंकड़ों का जनगणना में शामिल करना एक आमूलचूल परिवर्तन का प्रारंभ है।

दशकों से भारतीय नीति निर्माता अधूरे जातीय आंकड़ों का प्रयोग कर रहे थे जो 1931 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित थे। आधिकारिक रूप से इसी साल अंतिम जातीय जनगणना हुई थी। इस प्रकार पुरानी पड़ चुकी तस्वीर के आधार पर विरोधाभासी नीतियां बनाई गईं, कल्याणकारी कार्यक्रमों को आधे-अधूरे ढंग से लक्षित किया गया तथा असंगत आरक्षण ढांचों का प्रयोग हुआ। सभी प्रकार की राजनीतिक पार्टियां, खासकर विपक्षी पार्टियों ने तर्क दिया था कि बिना सटीक जाति-आधारित आंकड़ों के सकारात्मक कार्रवाई तथा सामाजिक-आर्थिक योजनाओं से समतापूर्ण वितरण सुनिश्चित नहीं हो सकता है। विडंबना है कि भारत में जाति के कारण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्यरक्षा और भूमि स्वामित्व तक पहुंच प्रभावित होती है। ऐसे में विस्तृत जनगणना से डेटा-संचालित सामाजिक न्याय नीतियां बनाने में सहायता मिलेगी तथा आवश्यक होने पर आरक्षण सीमाओं को पुन: निर्धारित किया जा सकेगा। इससे संसाधनों का समाज कल्याण में ज्यादा प्रभावी प्रयोग सुनिश्चित होगा। इन सभी तथ्यों को देखते हुए जनगणना 2027 भारतीय समाज का एक आईना हो सकती है। इससे पहली बार नीति निर्माताओं और नागरिकों को विश्वसनीय व बहुआयामी जाति संबंधी आंकड़ों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। इससे लक्षित कल्याण, सामाजिक सुधार और सहभागी प्रशासन की नई संभावनायें बनेंगी। हालांकि, इसमें डेटा की निजता, राजनीतिक दुरुपयोग, प्रशासनिक गलतियां जैसी चुनौतियां हो सकती हैं, पर इससे अनेक लाभ मिलने की संभावना बहुत अधिक है।

भारत में सांस्कृतिक पुनरुत्थान

पवित्र मंदिरों की बहाली, तीर्थयात्रा मार्गों में सुधार, प्राचीन विलुप्त कलाकृतियों की खोज तथा भारत की आध्यात्मिक राजनय को पुनर्जीवित कर सरकार ने भारत की पहचान में गहरे गौरव की भावना पुनर्जीवित की है।

कौशल कांत मिश्रा
(लेखक, मंदिरों के पुनरुत्थान से संबद्ध हैं)

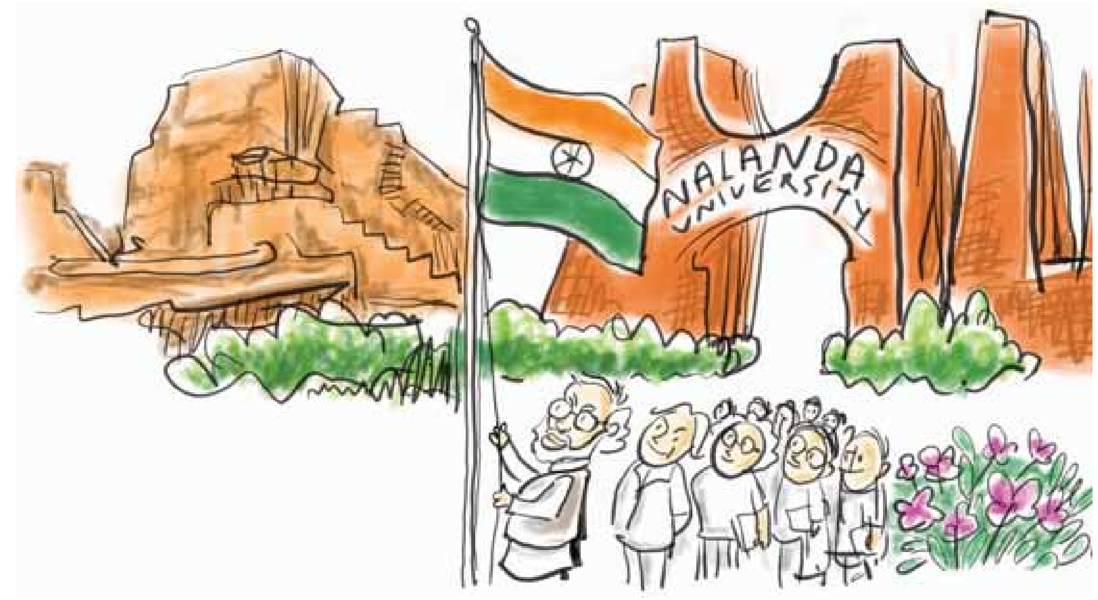

पवित्र मंदिरों की बहाली, तीर्थयात्रा मार्गों में सुधार, प्राचीन विलुप्त कलाकृतियों की खोज तथा भारत की आध्यात्मिक राजनय को पुनर्जीवित कर सरकार ने भारत की पहचान में गहरे गौरव की भावना पुनर्जीवित की है। मोदी सरकार के पिछले 11 सालों में भारत में उल्लेखनीय सांस्कृतिक पुनरुत्थान देखने को मिला है जिसमें उसकी प्राचीन समृद्ध विरासत के साथ ही आधुनिक राष्ट्र की महत्वाकांक्षायें भी समाहित हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस पुनरुत्थान ने भारत की सभ्यतामूलक पहचान को राष्ट्रीय चेतना में अग्रणी स्थान प्रदान किया है तथा सांस्कृतिक बहाली को प्रशासन का एक मुख्य बिंदु बना दिया है। पवित्र मंदिरों तथा तीर्थयात्रा मार्गों को पुनर्जीवित करने और लंबे समय से अनदेखी का शिकार ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को याद करने के सरकारी प्रयासों ने गौरव और एकता की भावना गहराई तक पुनर्जीवित की है।

इस पहल से न केवल भारत की अनादि परंपराओं को संरक्षित करने में सहायता मिली है, बल्कि इसे प्रगति और वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की यात्रा से भी जोड़ा गया है। मोदी सरकार में सांस्कृतिक पुनरुत्थान केवल परंपराओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक विविधता एवं सांस्कृतिक एकता का उत्सव भी है। नवंबर, 2019 में करतारपुर कॉरीडोर का उद्घाटन इस समावेशी दृष्टिकोण का प्रतीक है जो सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान में पवित्र गुरुद्वारा दरबार साहब की यात्रा की अनुमति देता है। इस पहल ने भाजपा सरकार को सभी विश्वासों और उनकी पवित्र भौगोलिक पहचानों से जुड़ने और गहरे सम्मान का अवसर दिया है।

जनवरी 2024 में अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। केवल मंदिर का उद्घाटन न होकर यह भारत की दीर्घकालीन सांस्कृतिक प्रतिबद्धता, विश्वास बहाली, पहचान तथा न्यायिक भावना का प्रकटीकरण है। भव्य श्रीराम मंदिर की शानदार उपस्थिति भारत की पुनर्जीवित आध्यात्मिक गरिमा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। काशी विश्वनाथ कॉरीडोर भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रतीक है जो पवित्र विरासत से पुनर्जीवित संबंध की पुष्टि करता है। पहले यह स्थान संकरी गलियों, भीड़ भरी सड़कों से भरा था जो अब शानदार कॉरीडोर में बदल गया है तथा गंगा के घाटों से पवित्र मंदिर को जोड़ता है। यह परिवर्तन भौतिकता से आगे बढ़ते हुए एक आध्यात्मिक पुनर्जीवन है जिसने वाराणसी को भक्ति के जीवन्त केन्द्र के रूप में विकसित किया है।

उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना ने महाकालेश्वर मंदिर परिसर को परंपरागत वास्तु तथा आधुनिक ढांचागत संरचना में समन्वय के रूप में स्थापित किया है जो गहन आध्यात्मिक अनुभव कराता है। इसी प्रकार पार्वती मंदिर तथा सोमनाथ कालगातार विस्तार भक्तों की आध्यात्मिक यात्राओं को समृद्ध बनाता है। असम में पवित्र कामाख्या मंदिर की ढांचागत संरचना में व्यापक सुधार सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके माध्यम से सांस्कृतिक विरासत क्षेत्रीय सीमाओं को पार कर एकजुट भारत की भावना मजबूत करती है। भारत राष्ट्र की संस्कृति न केवल मंदिरो और वास्तुकला में प्रतिध्वनित होती है, बल्कि यह संगीत, नृत्य, भाषा और मौखिक कथावाचन में भी अभिव्यक्त होती है। डिजिटल संरक्षण और संस्थागत समर्थन के माध्यम से सरकार ने न केवल अपनी प्रशासनिक नीति निर्धारित की है, बल्कि उसने 'राजधर्म' का उच्च दायित्व भी परिभाषित किया है जिससे देश की आत्मा सुरक्षित होती है।

'प्रसाद' योजना के माध्यम से सरकार ने पूरे भारत में धार्मिक स्थलों का गरिमापूर्ण पुनर्जीवन सुनिश्चित किया है। इस योजना में 1,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है जिससे मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों, गुरुद्वारों और दरगाहों को पुनर्जीवित किया गया है। इससे न केवल भारत की प्राचीन विरासत का संरक्षण सुनिश्चित हुआ है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्थायें भी मजबूत हुई हैं। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही सामाजिक सामंजस्य को भी बढ़ावा मिला है। भारत की आध्यात्मिक व सभ्यतामूलक राजनय ने विश्व स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ी है। जहां 2013 तक केवल 13 चोरी की गई प्राचीन वस्तुयें प्राप्त की गई थीं, वहीं 2014 के बाद से चोरी की गई 642 मूर्तियां तथा प्राचीन कलाकृतियां भारत वापस लाई गई हैं। इससे विश्व स्तर पर राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान मजबूत हुई है। सांस्कृतिक पुनरुत्थान की यह भावना न केवल स्मारकों में दिखती है, बल्कि आम जनता भी इसका बहुत गहराई से अनुभव करती है। नालन्दा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया जा रहा है जो विश्व स्तर पर प्रख्यात प्राचीन ज्ञान का भंडार रही है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की विश्व स्तर पर पहचान तथा गुरु नानक देव जी व गुरु गोविन्द सिंह जी की जन्म जयंतियों पर विश्व स्तर पर अनेक आयोजनों के माध्यम से विश्व स्तर पर भारत की बौद्धिक व आध्यात्मिक विरासत की भारतीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'काशी तमिल संगमम' जैसे कार्यक्रमों से भारत की क्षेत्रीय विविधता पूरी मजबूती के साथ उजागर हुई है।

जब दक्षिण भारत के कलाकार, विद्वान तथा धार्मिक गुरु उत्तर भारत में अपनी संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए एकत्र होते हैं तो इसे भारत की आत्मा प्रसन्न होती है तथा पूरे राष्ट्र की एकजुटता सुनिश्चित होती है। 2025 में काशी तमिल संगमम में दो लाख से अधिक यात्री आए तथा सैकड़ों आयोजन किए गए। यह भारत में सभ्यतामूलक व आध्यात्मिक भावना की जागृति का स्पष्ट प्रमाण है। इसका संबंध केवल उत्सव के आयोजन से नहीं था, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मका का महान उत्सव था जिसने हर जाति, समुदाय, क्षेत्र और विश्वास में सामंजस्यपूर्ण एकजुटता का प्रदर्शन किया है। लंबे समय से भारत की न्याय प्रणाली औपनिवेशिक कानूनों पर आधारित थी जिनका उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के बजाय उन पर नियंत्रण करना था।

मोदी सरकार द्वारा 'भारतीय न्याय संहिता' लागू करना केवल कानूनी सुधार न होकर भारत की संप्रभु भावना की शक्तिशाली पुष्टि है। स्वतंत्रता के बाद से अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव तथा वोटबैंक खोने के भय से अनिर्णीत पड़े थे। विवादास्पद और संवेदनशील मुद्दे, जैसे अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक की समाप्ति, अनुच्छेद 370 की समाप्ति तथा नागरिकता संशोधन कानून इतने जटिल समझे जाते थे कि राजनेता उनको छूने की हिम्मत नहीं करते थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इन चुनौतियों से अल्पकालीन राजनीतिक लाभ के बजाय स्पष्टता, प्रतिबद्धता तथा दीर्घकालीन राष्ट्रीय हित को देखते हुए निपटा गया। इस प्रकार पूरे देश के करोड़ों लोगों का विश्वास और आत्मविश्वास बहाल हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल स्मारक बनवा रहे हैं, बल्कि वे भारत की आत्मा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। गुजरात में सरदार पटेल के स्मारक समेत अनेक राष्ट्रनायकों व जननायकों के स्मारकों का निर्माण पिछले सालों में हुआ है जिससे पूरे देश में विरासत के प्रति गर्व के साथ एकजुटता की भावना मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल निर्णायक एवं प्रभावी नेतृत्व के साल रहे हैं जो परंपरागत प्रशान से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय चेतना का नया युग शुरू करते हैं। विकास को विरासत तथा प्रगति को परंपरा से अभिन्न रूप से जोड़ कर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत की आत्मा पुनर्जीवित की है तथा एक आत्मनिर्भर व विश्वास से भरे राष्ट्र की नीव डाली है।

इस आश्वासन और विश्वास के साथ आगे बढ़ता हुआ भारत अपनी शक्ति अतीत के आंतरिक और आध्यात्मिक विवेक से प्राप्त कर रहा है। यह भारत के सच्चे पुनरुत्सान का मूल आधार है जिसकी जड़ें गहराई से विरासत में समाहित होने के साथ ही यह दूरगामी व भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण का भी प्रतिनिधित्व करता है। जब कोई सभ्यता अपनी प्रमुख पहचान से जुड़ती है तो वह न केवल स्वयं को जागरूक करती है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक प्रकाश स्तंभ की तरह काम करती है। भारत आज इसी मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की 140 करोड़ जनता इससे ऊर्जान्वित अनुभव कर रही है।

रक्तदान कर जीवन बचाएं

> “रक्तदाता गुमनाम नायक हैं जिनकी शांत उदारता दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की धड़कन को बनाए रखती है।”

मनोहर अगनानी
(लेखक, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं)

इस वर्ष के विश्व रक्तदाता दिवस की थीम - रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं - रक्तदान करने के अर्थ को खूबसूरती से व्यक्त करती है। यह एक चिकित्सा कार्य से कहीं अधिक है; यह जीवन का उपहार है, एकजुटता का प्रतीक है, और करुणा की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है। रक्तदाता गुमनाम नायक हैं जिनकी शांत उदारता दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की धड़कन को बनाए रखती है। रक्तदान के साथ मेरी अपनी यात्रा बहुत पहले शुरू हुई, जो मेरे पिता की रक्तस्राव विकार से लंबी लड़ाई से गहराई से प्रभावित हुई। उन्हें अपने पूरे जीवन में अनगिनत रक्त आधान की आवश्यकता पड़ी, लेकिन अचानक, जीवन-धमकाने वाले मस्तिष्क रक्तस्राव के दौरान कोई भी उतना ज़रूरी नहीं था। आपातकालीन सर्जरी ने उन्हें बचाया - लेकिन केवल इसलिए क्योंकि रक्त पहले ही दान किया जा चुका था, संग्रहीत किया जा चुका था, और उपलब्ध कराया जा चुका था।

मैं उन अजनबियों के प्रति कृतज्ञता की लहर को कभी नहीं भूलूंगा जिन्होंने उन्हें जाने बिना रक्त दिया था। रक्त की प्रत्येक इकाई जीवन के जाल में एक धागा थी जिसने उन्हें संकट के दौरान एक साथ रखा। प्रत्येक रक्तदाता - चाहे वह मित्र हो, परिवार का सदस्य हो, या बिल्कुल अजनबी हो - जीवन-रक्षक श्रृंखला का हिस्सा बन जाता है। उनकी निस्वार्थता अथाह है। आधुनिक चिकित्सा के लिए रक्त आधान महत्वपूर्ण है। सर्जरी से गुजरने वाले, आघात या दुर्घटनाओं से जूझ रहे, गंभीर एनीमिया या कैंसर से पीड़ित और थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और हीमोफीलिया जैसे वंशानुगत रक्त विकारों के प्रबंधन के लिए यह आवश्यक है। अक्सर, एक ही दान जीवन और मृत्यु के बीच एक पुल बन जाता है। वैश्विक स्तर पर, दो मुख्य दाता श्रेणियां मौजूद हैं- स्वैच्छिक दाता और

परिवार/प्रतिस्थापन दाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1997 से स्वैच्छिक, अवैतनिक रक्तदान में बदलाव की जोरदार वकालत की है। इन दानों को सबसे सुरक्षित, सबसे नैतिक और सबसे टिकाऊ माना जाता है। इसके विपरीत, पारिवारिक या प्रतिस्थापन दान - जब कोई व्यक्ति किसी रिश्तेदार या मित्र के लिए विशेष रूप से रक्त दान करता है - अक्सर भावनात्मक दबाव शामिल होता है और कम सुरक्षित होता है। वे ग्राफ्ट बनाम होस्ट रोग जैसे स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा कर सकते हैं, जब आनुवंशिक रूप से समान दाता रक्त प्राप्तकर्ता के शरीर पर हमला करता है। सुरक्षित और स्थिर रक्त आपूर्ति के महत्व को पहचानते हुए, भारत ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से रक्त बैंकों को धन, उपकरण, जनशक्ति और संग्रह तथा परिवहन के लिए वाहनों के साथ सहायता प्रदान करता है। सरकार मरीजों को संसाधित रक्त की नि:शुल्क उपलब्धता को बढ़ावा देती है, जिसका उद्देश्य जेब से होने वाले खर्च को कम करना और स्वैच्छिक दान को प्रोत्साहित करना है। एक उल्लेखनीय पहल ई-रक्तकोष है, जो सी-डैक द्वारा विकसित एक केंद्रीकृत रक्त बैंक प्रबंधन प्रणाली है। यह 4,300 से अधिक रक्त केंद्रों को जोड़ता है, जिससे रक्त की उपलब्धता, ऑनलाइन दाता पंजीकरण और राष्ट्रव्यापी समन्वय के लिए वास्तविक समय की पहुँच मिलती है। उमंग ई-हॉस्पिटल और आरोग्य सेतु जैसे प्लेटफ़ॉर्म के साथ एकीकृत होने से यह दक्षता, पारदर्शिता और पहुंच में सुधार करता है। नागरिक समाज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, ब्लड कनेक्ट और संकल्प इंडिया फ़ाउंडेशन जैसे संगठनों ने स्वैच्छिक दान का समर्थन करने के लिए मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाए हैं। 24/7 हेल्पलाइन से लेकर सुव्यवस्थित रक्त शिविरों और आपातकालीन सेवाओं तक, उनके प्रयासों से हर साल हज़ारों लोगों की जान बचती है। इस प्रगति के बावजूद, भारत अभी भी डब्लूएचओ द्वारा अनुशंसित जनसंख्या के 1 प्रतिशत की दान दर से पीछे है। 2022 में, केवल 0.8 प्रतिशत ने रक्तदान किया, जिसके परिणामस्वरूप सालाना लगभग दस लाख यूनिट की कमी आई। यह अंतर भारत की बढ़ती उम्र की आबादी को देखते हुए विशेष रूप से चिंताजनक है। 2050 तक, 347 मिलियन से अधिक भारतीय 60 वर्ष से अधिक आयु के होंगे - एक ऐसा जनसांख्यिकीय समूह जिसे रक्ताधान की आवश्यकता होने की अधिक संभावना है, फिर भी अक्सर दान करने के लिए अयोग्य होता है। भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए, हमें बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक जागरूकता दोनों को मजबूत करना होगा। एआई जैसी उन्नत तकनीकें डोनर स्क्रीनिंग और इन्वेंट्री प्रबंधन को अनुकूलित करने में मदद करेंगी, लेकिन स्वैच्छिक मानवीय भागीदारी अपूरणीय बनी हुई है। हमें नागरिकों - विशेष रूप से युवाओं को - आजीवन दाता बनने के लिए शिक्षित, प्रेरित और प्रेरित करना जारी रखना चाहिए। हम लीला मूलगांवकर और सर उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी जैसे पिछले अग्रदूतों और किरण शर्मा और सुरेश कुमार सैनी जैसे वर्तमान नायकों से भी शक्ति प्राप्त करते हैं, जिनके स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति समर्पण ने जीवन बदल दिया है। उनकी विरासत एक अनुस्मारक है- जब हम रक्त देते हैं, तो हम केवल एक तरल पदार्थ दान नहीं करते हैं - हम आशा, उपचार और मानवता प्रदान करते हैं। आइए हम उनकी भावना का सम्मान करें। आइए हम रक्त दें। आइए हम आशा दें। हम सब मिलकर जीवन बचाते हैं।

आप की बात

पाकिस्तान पर शिकंजा

पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान पर शिकंजा कस सकता है। आंतकी फंडिंग की निगरानी करने वाली संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्था फाइनेंशल एक्शन टास्क फोर्स-एफएटीएफ ने कहा है कि पहलगाम कश्मीर में हुआ आतंकी हमला टेरर फंडिंग के बगैर सम्भव नहीं है। इससे पाकिस्तान को फिर से आतंक-समर्थकों की ग्रे लिस्ट में डाले जाने का आधार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। इस संस्था ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कहा है कि उसने अब टेरर फाइनेंसिंग से लड़ने के लिए कई देशों की ओर से उठाए गये कदमों पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा स्वयं को आतंकवाद का पीड़ित बताना हास्यास्पद लगता है। आपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों की नमाजे जनाजा में पाकिस्तान के वरिष्ठ सैनिक अधिकारियों के साथ बड़े प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति तथा उनके ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडा लगाने व सैनिकों द्वारा सैल्यूट देने से स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान में स्टेट और नान-स्टेट एक्टर्स में कोई अंतर नहीं है। इसे देखते हुए पाकिस्तान सरकार द्वारा आतंकवाद की फंडिंग स्वत: स्पष्ट हो जाती है। भारत को दुनिया के सभी देशों के साथ मिल कर एफएटीएफ को प्रेरित करना चाहिए कि पाकिस्तान पर फिर इस मामले में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

- **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

उत्तराखंड में पर्यटन

उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है, विशेषकर चारधाम यात्रा के दौरान। इस भीड़ को संभालने के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं एक सुविधाजनक विकल्प बनकर उभरी हैं, लेकिन इसके साथ ही सुरक्षा मानकों की अनदेखी और पर्यावरण पर असर जैसे गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। यात्रा सीजन सीमित होने के कारण अधिक लाभ कमाने की होड़ में कई विमान कंपनियाँ निर्धारित मानकों से समझौता कर रही हैं। अधिक यात्रियों को भरना, पुराने उपकरणों का प्रयोग, उड़ान से पहले समुचित जांच में ढिलाई और पायलटों की थकान को नजरअंदाज करना आम होता जा रहा है। हाल ही में उत्तरकाशी हादसे और सड़क पर हेलिकॉप्टर की हार्ड लैंडिंग जैसी घटनाएं इस लापरवाही की गवाही देती हैं। इसका एक और गंभीर पहलू पर्यावरणीय प्रभाव है। लगातार उड़ानों से पर्वतीय इलाकों में ध्वनि और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे न केवल जैव विविधता पर असर पड़ रहा हैए बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी भी बिगड़ रही है। ऐसे में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और राज्य सरकार को मिलकर ठोस कदम उठाने चाहिए। उत्तराखंड को पड़ोसी देश भूटान की तरह पर्यटकों की संख्या सीमित करने पर भी विचार करना चाहिए।

- **मधु सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

खबरों की दुनिया

रेडियो अब कल की बात हो गई है और खबरों के मामले में टेलीविज़न का भी यही हाल हो सकता है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब कई लोगों के लिए खबरों का प्राथमिक स्रोत बन गए हैं और वे पारंपरिक टेलीविजन समाचारों और समाचार वेबसाइटों से आगे निकल गए हैं। रॉयटर्स इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ जर्नलिज्म के एक वैश्विक अध्ययन में पाया गया कि 54 प्रतिशत अमेरिकी अपनी खबरें सोशल मीडिया से प्राप्त करते हैं, जबकि 50 प्रतिशत टीवी और 48 प्रतिशत वेबसाइट से। यह बदलाव लोगों के समाचारों के उपभोग के तरीके में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है जिसमें फेसबुक, वाट्सएप, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म की ओर झुकाव शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार समाचारों का उपभोग विखंडित होता जा रहा है जिसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आबादी के महत्वपूर्ण हिस्से तक पहुँच रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया से गलत सूचनायें व फर्जी खबरें फैलने की संभावना है। खबरों की बदलती दुनिया प्रिंट मीडिया के लिए खासतौर से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सर्वाधिक आधिकारिक, तटस्थ व विश्वसनीय खबरें प्रिंट माध्यम से ही मिलती हैं।

-**जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

ट्रंप के दावे

ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाक युद्ध रुकवाने का दावा करते हुए कहा कि मैं इजराइल-ईरान युद्ध रुकवा दूंगा। वे रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए भी दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत करते रहे हैं, लेकिन कहीं भी उनका कोई प्रभाव या दबाव काम नहीं आया। भारत-पाक युद्ध तो पाकिस्तान द्वारा भारत के सामने गिड़गिड़ाने से रुका। भारत ने अपनी शर्तों पर ऑप्रेशन सिंदूर स्थगित करने के साथ यह भी कह दिया कि अगर फिर कोई आतंकी घटना हुई तो उसे भारत के खिलाफ युद्ध माना जाएगा और सेना जवाबी कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। ट्रंप के बड़बोले दावे वर्तमान स्थितियों में उनको अविश्वसनीय और हास्यास्पद बना रहे हैं। वे इस्राइली हमले का परोक्ष समर्थन कर ईरान को नाभिकीय संधि के लिए धमका रहे हैं और ज्यादा गंभीर इस्राइली हमले का डर दिखा रहे हैं। लेकिन विडंबना है कि ट्रंप की दुनिया में दादागीरी के प्रयासों की हवा अमेरिकन जनता और अदालतें ही निकालने में लगी हैं। कहा जाता है कि ट्रंप अमेरिकन बुद्धिजीवियों के बजाय उन लोगों के पक्ष में हैं जिनके पास कोई डिग्री नहीं है।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

काशी में 24 जून को होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक, सीएम ने तैयारियों का जायजा लिया

● बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री के साथ ही यूपी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान मंगलवार सुबह होटल ताज पहुंचे। यहां 24 जून को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक होगी, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों का जायजा लिया और आयोजन की तैयारियों से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम द्वारा बैठक के संबंध में की गयी तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। सोमवार को समीक्षा बैठक के दौरान भी मुख्यमंत्री का मध्य क्षेत्रीय परिषद के बैठक की तैयारियों पर जोर था। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मेजबान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी रहेंगे।

मंगलवार को निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, सुशील सिंह, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर सड़क-यात्री सुरक्षा का भी होगा मुकम्मल इंतजाम

● 20 जून को आजमगढ़ और गोरखपुर, दोनों छोर से लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में प्रमुखता से शुमार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सिर्फ रफ्तार के साथ आवागमन सुगमता का ही माध्यम नहीं बनेगा बल्कि इस एक्सप्रेसवे पर सड़क व यात्री सुरक्षा का भी मुकम्मल इंतजाम रहेगा। यात्री सुरक्षा के लिहाज से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के दिन 20 जून को मुख्यमंत्री सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जबकि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा के लिए यहां लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर एटीएमएस (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) भी लागू किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनवाए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर यात्री सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री जिस सुरक्षा फ्लीट का शुभारंभ करेंगे उसमें 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहन शामिल हैं। यूपीडा के नोडल सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश पांडेय बताते हैं कि यूपीडा के इनोवा वाहन की पैट्रोलिंग 8-8 घंटे के शिफ्ट में लगातार होती रहेगी। हर वाहन में चार सेवानिवृत्त सैनिकों की ड्यूटी रहेगी। कैम्पर वाहन पीछे से खुले रहते हैं और इसमें ट्रैफिक कोन, रस्सी, रेडियम स्ट्रिप आदि की उपलब्धता रहती है। किसी स्थान पर किसी वाहन के खराब होने पर या दुर्घटना होने पर ये वाहन तुरंत जाकर ट्रैफिक कोन, रस्सी और रेडियम स्ट्रिप से कवर कर देंगे ताकि अन्य वाहनों को कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा 91 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे पर हर 45 किमी पर मार्ग के दोनों तरफ एक-एक एम्बुलेंस की तैनाती रहेगी ताकि आकस्मिक चिकित्सकीय जरूरत यात्रियों को तत्परता से अस्पताल भेजा जा सके। किसी वाहन में अचानक खराबी आने पर उसे सड़क से हटाने के लिए हर 45 किमी पर क्रेन और पूरे एक्सप्रेसवे के लिए 1 हाइड्रा वाहन को तैनात किया जाएगा। यात्री और मध्यम मालवाहक वाहनों को क्रेन से और बड़े मालवाहक वाहनों को सड़क से नजदीक के चैनेज से उतार दिया जाएगा क्योंकि नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के दिशानिर्देश के मुताबिक एक्सप्रेसवे पर खराब वाहनों को खड़ा नहीं किया जा सकता।

एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी से दक्षिणांचल का होगा कायाकल्प

गोरखपुर जनपद के जिस दक्षिणांचल को सबसे पिछड़ा क्षेत्र मान लिया गया था, अब वह आगामी सालों में विकास और नई औद्योगिक पहचान की आभा से चहक उठेगा। दक्षिणांचल के कायाकल्प का आधार बनेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों 20 जून को लोकार्पित होने जा रहा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे। लिंक एक्सप्रेसवे की शानदार रोड कनेक्टिविटी के चलते योगी सरकार दक्षिणांचल के धुरियापार में नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप की परिकल्पना को साकार कर रही है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और देश की नामी कंपनियों को यहां उद्योग के लिए जमीन भी पसंद आने लगी है। अडानी सहित कई औद्योगिक घराने यहां निवेश के लिए तैयार हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर को केंद्रित कर पूर्वी यूपी की औद्योगिक प्रगति की इबारत लिखने के लिए सुनहरा पन्ना बन रहा है। खासकर गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से के लिए। गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित है धुरियापार क्षेत्र। इस इलाके की जो जमीन ऊसर थी, जिसपर कोई फसल मुश्किल से उगती थी, वहां योगी सरकार उद्योगों की फसल लगवाने को तत्पर है। इसके लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) द्वारा 5500 एकड़ में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बीजेपी के दिवंगत नेता देवेश श्रीवास्वत के घर पहुंचकर प्रकट की संवेदनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के दिवंगत महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव के जनपद गोरखपुर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए मुख्यमंत्री ने स्व. देवेश श्रीवास्तव के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह हमेशा स्व. देवेश श्रीवास्तव के परिवार के साथ खड़े हैं। ज्ञातव्य है कि स्व. देवेश श्रीवास्तव का 11 जून को हृदयाघात से निधन हो गया था। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री ने होटल व्यवसायी स्व. जितेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के जेल रोड स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि व सांत्वना दी।

मुख्यमंत्री ने रेलवे कर्मी अजय कुमार सिंह के आवास पर जाकर उनका कुशलक्षेम जाना व उनके परिजनों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सिंह के शीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की कामना की। अजय सिंह ने इलाज के दौरान आत्मीय सम्बल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

योग सप्ताह के तहत प्रदेश भर में दिखेंगे योग के युवा रंग और हरियाली की नई लहर

● कॉलेज-यूनिवर्सिटी स्तर पर सोशल मीडिया प्रतियोगिताओं से युवाओं को जोड़ने की योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) को, सिर्फ एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे सप्ताह चलने वाले सामाजिक और प्राकृतिक चेतना के पर्व के रूप में मना रही है। इस अभियान में युवाओं की भागीदारी और पर्यावरण की सुरक्षा को दो प्रमुख स्तंभ बनाया गया है। सरकार की दो नवाचारी पहलें 'योग अनप्लग्ड' और 'हरित योग' इस दिशा में विशेष भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई 'योग अनप्लग्ड' पहल खास तौर पर युवा वर्ग को योग के प्रति आकर्षित और सक्रिय करने के लिए तैयार की गई है। इसे पूरी तरह सोशल मीडिया और प्रतिस्पर्धा आधारित मॉडल में ढाला गया है, जिससे छात्रों में उत्साह बना रहे और वे डिजिटल माध्यमों पर भी योग को प्रेरणा स्वरूप अपनाएं। राजकीय आयुष महाविद्यालयों, व्यवसायिक शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में यह गतिविधियां चल रही हैं, जिससे प्रदेश के लाखों छात्र इस मुहिम से जुड़ सकें।

इस पहल के अंतर्गत प्रमुख आयोजनों में हैं भाषण प्रतियोगिता- योग के लाभ और मानसिक संतुलन पर आधारित स्पर्धाएं। योग क्रिया प्रदर्शन-छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न योगासनों और ध्यान क्रियाओं का लाइव प्रदर्शन। रंगोली, वाद-विवाद और पोस्टर प्रतियोगिताएं- जहां युवा अपनी सृजनात्मकता के जरिए योग की महत्ता को रेखांकित करेंगे। विजेताओं को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा, जिससे उनकी भागीदारी को मान्यता मिल सके। 'हरित योग' अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पर्यावरणीय दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जिसमें योगाभ्यास को प्रकृति प्रेम से जोड़ा गया है।

यह अभियान जन-जन को यह संदेश देता है कि 'प्रकृति के संरक्षण और आत्मसंयम का संगम ही सच्चा योग है।'

योग अभ्यास के लिए हर जिले में बनेंगे 'योग पार्क'

लखनऊ। योग को आमजन की दिनचर्या का हिस्सा बनाने और सामूहिक योगाभ्यास को स्थायी स्वरूप देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश में 'योग पार्क' स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस योजना के तहत स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों की भागीदारी से प्रदेशभर में योगाभ्यास हेतु योगा पार्क विकसित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत मण्डलीय मुख्यालय वाले जनपदों में तीन-तीन और अन्य जनपदों में दो-दो योग पार्कों को चिन्हित कर उन्हें विशेष रूप से योग-अनुकूल स्थानों में परिवर्तित किया जाएगा। जिलाधिकारियों को इस आशय के निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में उपयुक्त स्थलों की पहचान कर आवश्यक प्रस्ताव नगर विकास विभाग के समन्वय से आगे बढ़ाएं। इन पार्कों को स्वच्छ, हरे-भरे और शांत वातावरण में विकसित किया जाएगा, जहां लोग नित्य योगाभ्यास कर सकें। ऐसे स्थानों का चयन किया जाएगा, जो सार्वजनिक पहुंच में हों और जहां आसपास के नागरिक, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा आसानी से एकत्र होकर सामूहिक रूप से योग कर सकें।

जातीय गणना व जनगणना समय पर ईमानदारी से हो : मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को कहा कि जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जातीय गणना के साथ जनगणना का कार्य देशहित में अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे जमीनी स्तर पर हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात् जनहित व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद जवाब दे देगी, इसकी पूरी उम्मीद है। देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका पड़ा था, जिसपर काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केन्द्र इस पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने व उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से सम्बन्धित दिये गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के ज़रिए विचार-विमर्श लगातार जारी व पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान ज़रूरी। पार्टी का यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी। ताज़ा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी व जनाधार को बढ़ाने के सम्बंध में हुई व सख़्ती भी की गयी। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आमचुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी ताकि बेहतर रिज़ल्ट आ सके।

2027 विधानसभा चुनाव में जिला संगठन को आधार बनाएगी कांग्रेसः अविनाश पांडे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● टिकटों में जिला संगठन की राय को मिलेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 2027 की विधानसभा की चुनाव तैयारी शुरू कर दी हैं, संगठन सृजन की समीक्षा बैठक में तय किया गया कि जिला कांग्रेस कमेटियों को बूथ स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा, टिकट वितरण जिला कमेटी की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी यही रणनीति बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का काम करेगी और 2027 के चुनाव में जीत का आधार मजबूत करेगा। प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि आज चौथे दिन संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पूर्वांचल जोन के अंतर्गत आने वाले जनपद (सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज,गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, बलिया, संत कबीर नगर, अयोध्या और अंबेडकर नगर) की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव/ प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और नेता विधानमंडल आराधना मिश्रा मोना, राष्ट्रीय सचिव / सह प्रभारी सत्यनाराय पटेल ने उपरोक्त जनपदों के संगठन सृजन हेतु नियुक्त कॉर्डिनेटर व जिला अध्यक्ष शहर अध्यक्ष के साथ संगठन सृजन की स्थिति का मूल्यांकन किया और जरूरी निर्देश दिए।

पसमांदा समाज में तभी खुशहाली आएगी जब सपा सरकार बनेगीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा-आरएसएस का स्वदेशी राग धोखा है। भाजपा की सरकार में चीनी माल से भारत के बाजार पट गए है। छोटा-बड़ा हर सामान चीन से आ रहा है। स्वदेशी की उपेक्षा हो रही है। बाजार पर गुजरात और बड़े पूंजीपतियों का कब्जा हो गया है। उत्तर प्रदेश में बुनकर समाज तमाम समस्याओं से घिरा है। भाजपा सरकार को उनके रोजगार से सम्बन्धित आर्थिक और स्वास्थ्य परेशानियों की चिंता नहीं है।

यादव मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में अनीस मंसूरी की अध्यक्षता में आयोजित पसमांदा मुस्लिम समाज की बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में बुनकरों की रोटी-रोजगार से सम्बन्धित तमाम निर्णय लिए गए थे। भाजपा सरकार आते ही उनके हित की तमाम योजनाओं को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार बनने पर बुनकरों की तमाम समस्याओं का निदान करने के साथ उनके प्रशिक्षण, नई तकनीक एवं फैशन बाजार के ट्रेंड से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर भी ध्यान दिया जाएगा। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में बुनकर, कारीगरों के लिए अवध शिल्पग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में सिटी सेंटर, कारीगरों के लिए किसान, बुनकर बाजार का निर्माण किया गया था। कच्चामाल की बुनकरों को जरूरत रहती है वह नहीं मिल रहा है। बिजली में राहत समाजवादी पार्टी की सरकार में दी गई थी। भाजपा सरकार में बिजली महंगी होने से पावर लूम उद्योग चौपट हो गया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में सबका सम्मान है। पसमांदा समाज में तभी खुशहाली आएगी जब भाजपा को हराकर समाजवादी सरकार बनेगी। इस अवसर पर पसमांदा मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों तथा अन्य वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी सरकार में सबके साथ न्याय हुआ था।

अमेठी के सामूहिक हत्याकांड में न्याय दिलाने की अखिलेश से मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राम शंकर लोधी और समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कर्मजीत लोधी के के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने अखिलेश यादव को ज्ञापन देकर अमेठी जनपद में लोधी समाज के 6 लोगों की हत्या की घटना पर न्याय दिलाने की मांग की। अमेठी जनपद मे जागेश्वर लोधी पूर्व मंडल अध्यक्ष ग्राम सभा रमई मोहनगंज, विधानसभा तिलोई, संत कुमार लोधी बेनीपुर ग्रामसभा विराज मोहनगंज, छोटे लाल लोधी ग्राम पूरे राजा ग्राम सभा बारकोड धर्मे मोहनगंज, संतोष लोधी ग्राम पूरे राजा ग्राम सभा बारकोड धर्मे मोहनगंज, रवि लोधी और आशीष लोधी ग्राम पूरे लोध का पुरवा नगर पालिका विधानसभा गौरीगंज की हत्याएं हुई है। अभी तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला है।

अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया और कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ है। हमारी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हम प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव ने किया जेवर एयरपोर्ट का स्थलीय निरीक्षण

● परियोजना की प्रगति का जायजा लिया, शेष निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने मंगलवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न एजेंसियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर निर्माण कार्यों की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि एयरपोर्ट के शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जेवर एयरपोर्ट न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार एवं व्यापार के नए अवसर भी सृजित करेगा। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित कराने के लिए कहा कि एयरपोर्ट परियोजना की नियमित समीक्षा की जाए तथा निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। बैठक के उपरांत मुख्य सचिव ने एटीसी बिल्डिंग, टर्मिनल भवन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, पथवाया नाला एवं अन्य निर्माणाधीन स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड एवं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारियों ने मुख्य सचिव को रनवे, टर्मिनल भवन, एसटीपी, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, कार्गो सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे की प्रगति के बारे में अवगत कराया।

निरीक्षण एवं बैठक के दौरान यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर श्री मनीष कुमार वर्मा, यमुना प्राधिकरण के ओएसडी/ नोडल अधिकारी जेवर एयरपोर्ट शैलेंद्र कुमार भाटिया, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुश्री किरन जैन, टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के विनायक पाई, डीजीसीए, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया सहित अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वोटर लिस्ट में जुड़ेगा हर एक पात्र नागरिक का नामः नवदीप रिणवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● यूपी की 403 विधानसभाओं में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की तैयारी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश की 403 विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) का 17, 19, व 25 जून, 2025 को प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम), अलीगंज लखनऊ में तीन चरणवार एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण के सत्र का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। प्रथम चरण में प्रतिभाग करने वाले 124 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को संबोधित किया।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाता सूची से जुड़े हुए मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम दर्ज हो ये हम सब की जिम्मेदारी है। हमारे प्रदेश की मतदाता सूची में त्रुटियां न रहें, इसके लिए आज निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने मतदाता सूची के विधिक पहलुओं तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बीएलओ के दायित्व एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज आप यहां से अच्छे ढंग से प्रशिक्षण लेकर जायेंगे तो आप अपने नीचे स्तर पर बीएलओं और सुपरवाइजरों को छोटे-छोटे समूहों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर पायेंगे। जिन बूथों में जेण्डर रेशियों कम है उनका चिन्हांकरन करते हुए एक कार्ययोजना के अन्तर्गत छोटे-छोटे समूहों में संबंधित बीएलओ को उस पर कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया जाए तथा उसका निरन्तर अनुश्रवण किया जाए। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं के नाम शामिल किए जाने के बारे में संभावित मतदाताओं का चिन्हांकन बीएलओ के माध्यम से करा लिया जाए तथा उनके नाम शामिल किए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जाए। समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को आलेख्य एवं अन्तिम प्रकाशन के दिन मतदाता सूची की निःशुल्क प्रतियां उपलब्ध करायी जाएं।

प्रसिद्ध स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं को आस्था के साथ बुनियादी सुविधाएं होंगी सुलभः जयवीर सिंह

लखनऊ। पर्यटन विभाग प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थलों के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर और सुल्तानपुर जनपदों के प्रमुख तीर्थ स्थलों के समग्र पर्यटन विकास के लिए 5.82 करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 'मुजफ्फरनगर के शुकतीर्थ और सुल्तानपुर जिले के इसौली तहसील के बल्दीराय ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखबहेड़ी स्थित सुखदेव मुनि आश्रम सहित अन्य स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन परियोजनाओं के अंतर्गत मंदिर परिसरों का सौंदर्यीकरण, आगंतुकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं मार्ग सुधार, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसे कार्य कराये जाएंगे।'

सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित विकास कार्यों की जिलाधिकारी ने की गहन समीक्षा, दिए निर्देश

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिले में संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की रफ्तार को और तेज करने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित सूचनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभागवार आंकड़ों की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की जानकारी समय से और शुद्ध रूप में पोर्टल पर अपडेट की जाए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर सीधे सीएमआईएस पोर्टल और सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की जा रही है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विभागों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, वे तुरंत सुधारात्मक कदम उठाएं और पोर्टल पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं।

डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक दशा में सीएम डैशबोर्ड पर आंकड़ों को अद्यतन रखा जायए ताकि जिले की रैंक प्रभावित न होने पाये। समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यो, योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। सभी विभाग छोटी से छोटी कमी पर ध्यान देते हुए अपनी रैंकिंग में सुधार लाएं।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड और सीएमआईएस पर डाले गए आंकड़े महज नंबर नहीं, प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही का आईना हैं। अधिकारी सुनिश्चित करें कि डाटा अद्यतन और जमीनी हकीकत से मेल खाते हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही से न सिर्फ विभाग की रैंकिंग गिरेगी, बल्कि जिले की छवि भी प्रभावित होगी। बैठक मे सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, पीडी एसएन चौरसिया, डीएसटीओ एकता श्रीवास्तव सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसान दिवस आज विकास भवन सभागार में होगा आयोजित होगा

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में उप कृषि निदेशक ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनपद स्तर पर प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार माती में पूर्वाहन 12:00 बजे से किया जाता है। कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों यथा उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी समिति, लघु सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी बैंक मैनेजर, नेडा एवं फसल बीमा कंपनी के जनपदस्तरीय अधिकारियों द्वारा डीएम एवं सीडीओ की अध्यक्षता में कृषकों की समस्याओं को निस्तारित करने के साथ साथ उपस्थित कृषकों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों एवं नवीनतम/ उन्नत कृषि तकनीकी के संबंध में जानकारी प्रदान करने का कार्य भी किया जाता है।

एमएलसी ने सौंपे प्रतीकात्मक चेक, विधिक वारिसों को मिली आर्थिक संबल की सौगात

- 401 आश्रितो को मिली राहत, 15.82 करोड़ की सहायता वितरित
- कलेक्ट्रेट में हुई लाइव स्ट्रीमिंग, सीएम का सुना गया उद्बोधन
- हर आश्रित परिवार को मिले संबल, सरकार की पूरी कोशिशः अनूप गुप्ता

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत जिले के 401 विधिक आश्रितों को 15 करोड़ 82 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई। अटल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएम के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग हुई, जिसके बाद लाभार्थियों को सहायता राशि का वितरण किया गया। तहसील स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद अनूप गुप्ता ने सीडीओ अभिषेक कुमार एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वनाथ सिंह के साथ योजना के अंतर्गत तहसील सदर, मितौली और गोला के आश्रित परिवारों को सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। सदस्य, विधान परिषद अनूप गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत ऑनलाइन व लेखपाल के माध्यम से आवेदन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे पात्र लाभार्थी आसानी से योजना का लाभ ले सकें। सरकार चाहती है कि देश, समाज और जिले का कोई भी परिवार खुद को बेसहारा न समझे। इस योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता आश्रित परिवारों को न केवल सहारा देगीए बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की दिशा भी दिखाएगी।

सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करें: विनोद कुमार

- एसपी ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर दिये दिशा-निर्देश

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती 2023 में चयनित अभ्यर्थियों के जनपद कन्नौज में आरंभ होने वाले जेटीसी/आरटीसी (जूनियर ट्रेंनिंग सेंटर/रीजनल ट्रेंनिंग सेंटर) प्रशिक्षण के दृष्टिगत थाना गुरसहायगंज क्षेत्रांतर्गत प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण किया गया। बीती सांयकाल क्षेत्र के ग्राम जसोदा स्थित राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने स्थल की सुरक्षा, साफ सफाई, प्रशिक्षु आरक्षियों के आगमन, आवासीय ठहराव, खानपान व शारीरिक प्रशिक्षण से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि प्रशिक्षण में भाग लेने बाले जवानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। जिससे प्रशिक्षु आरक्षियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुलभ हो सके। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे, निरीक्षक चन्द्र प्रकाश तिवारी, जसोदा चौकी प्रभारी मोहन लाल सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण करते एसपी।

राज्यमंत्री ने अकबरपुर के दुर्गापुरवा में चौपाल लगा ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

कानपुर देहात। मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री एवं सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने अकबरपुर ब्लॉक के ग्राम दुर्गापुरवा में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने ग्रामवासियों को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरकार की जन कल्याणकारी एवं गरीब कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। तहसील एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के साथ ग्राम चौपाल में पहुची मंत्री ने ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर उन्होंने अधिकारियों को एक माह के भीतर समस्याओं के निराकरण कर रिपोर्ट भेजकर उन्हें भी अवगत कराने की बात कही। इस दौरान ग्रामवासियों ने नाली, सड़क, जल, आवास, घरौनी एवं विधुत से सम्बंधित समस्याओं के बारे में बताया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के करीब 07 आयुष्मान कार्ड चौपाल के दौरान बनाये गए। मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि आज सरकार खुद अपनो के पास आकर उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु उनके ग्राम आई हैं। केंद्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार आप सभी के लिए आवास, शिक्षा, रोजगार एवं स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम कल्याणकारी योजनाओं को चलाकर बिना भेदभाव हर योजना का लाभ प्रत्येक लाभार्थी तक पहुचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम चौपाल में आई समस्याओं का निस्तारण समयनुसार एवं शासन की मंशा के अनुरूप अधिकारियों करना है एवं निस्तारण के बाद अधिकारी उसकी रिपोर्ट से उन्हें अवगत कराये। इस दौरान शिवविलास मिश्रा, श्याम बिहारी पांडेय, ग्राम प्रधान कुलदीप पांडेय, महेश राजावत, अनुज शुक्ला, विपुल अग्निहोत्री, विनय नायकए संध्या अग्निहोत्री, नायब तहसीलदार रवींद्रनाथ मिश्रा, बीडीओ डॉ. आर0 बी0 सिंह, डॉ आईएच खान, ग्राम पंचायत सचिव रूबी गौतम आदि मौजूद रहे।

नहर के समीप संदिग्ध हालत में मिला अधेड़ का शव

बिंदकी, (फतेहपुर)। नगर के निकट खजुहा रोड नहर पुल के किनारे सैयद बाबा के मजार के समीप एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। पास में एक मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली। शव को देखते ही हड़कंप मच गया। मौके पर भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। परिजनों के आने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर के निकट नहर के बगल में सैयद बाबा मजार के दीवार के समीप मंगलवार की सुबह लगभग आठ बजे दिनेश कुमार पटेल 50 वर्ष निवासी ग्राम सेलावन कोतवाली बिंदकी का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। लोगों ने शव देखा तो खबर आग की तरह फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिंदकी लान सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जांच की जा रही है।

क्विक न्यूज

प्रधान और सचिव ने सरकार को लगाया लाखों का चूना

संडीला (हरदोई)। ब्लाक बेंहदर के अंतर्गत ग्रामसभा चांदा बैजा के मजरा मौलवीखेड़ा में ग्राम प्रधान और सेक्रेट्री ने मिलकर लाखों रुपए के सरकारी धन को चूना लगा दिया। क्षेत्रीस विधायक की शिकायत पर हुई जांच में ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी की संलिप्ता पाए जाने पर दोनों के निलंबन की तैयारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी कि ग्रामसभा चांदा बैजा के ग्राम मौलवीखेड़ा के अंतर्गत के भवन को गिराया गया और उसमें निकली ईंटों का प्रयोग खड़ंजा निर्माण में करके लाखों रुपए का भुगतान निकाल लिया गया। शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया था कि कार्य स्वीकृति के बाद न तो टेंडर प्रक्रिया का पालन किया गया और न ही कोटेशन का। इसकी जानकारी मिलने पर विधायक रामपाल वर्मा ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर जिलाधिकारी ने सहायक निबंधक सहाकारिता से मामले की जांच कराई। जांच में सारे आरोप सत्य पाए गए क्योंकि न तो किए गए कार्यों की फोटो है और न ही कोई अन्य अभिलेख। इस रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान और सचिव को कारण बताओं नोटिस जारी कर दी है। ऐसी संभावना है कि शीघ्र ही दोनों को निलंबित कर दिया जाएगा।

उमस भरी गर्मी में अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर व क्षेत्र में पड़ रही उमस भरी गर्मी के चलते अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या में अचानक इजाफा देखने को मिला है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। डॉक्टरों की देखरेख में मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक सलाह दी गई और निशुल्क दवाएं वितरित की गईं। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डा. नीरज कुमार एवं डा. परीक्षित ने करीब एक सौ पचहत्तर मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण सहित अन्य जरूरी जॉचें करनी पडी। अधिकांस मरीजों को लू, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी-दस्त और थकावट जैसी समस्याओं की निशुल्क दबायें वितरित करनें के उपरान्त डा. नीरज कुमार नें बीमारियों से बचनें के उपाये बताते हुये कहा कि गर्मी के मौसम में लू और पानी की कमी के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को दिन में धूप में बाहर निकलने से बचने, भरपूर मात्रा में पानी पीने और हल्का भोजन करने की सलाह दी।

सीएचसी में मरीज देखते डा. नीरज कमार।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे स्थित आरापुर मोड़ के पास बाइक में एक तेज रफ़्तार ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। बकेवर थाना क्षेत्र के माहीपुर गांव निवासी बलबीर 52 वर्ष पुत्र मेवालाल बाइक से सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के सेमोरी सत्संग सुनाने गया था, जहां से वापस घर लौटते समय जैसे ही बाइक सवार अधेड़ थरियांव थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे स्थित आरापुर मोड़ के पास पहुंचा। एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। बाइक सवार बलबीर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार ट्रक व चालक की सुरागरशी में जुट गई है।

किशोरी ने फांसी लगा दी जान

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र ग्राम रावतपुर में अज्ञात कारणों के चलते 16 वर्षीय किशोरी ने घर के अंदर फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। रावतपुर गांव निवासी महेन्द्र विश्वकर्मा की पुत्री सेजल ने सोमवार की रात अज्ञात कारण द्वारा घर के अन्दर फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली।

सौंरा मोड़ के निकट शव बरामद

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के सौंरा के समीप के पेड के नीचे बैठे 30 वर्षीय युवक की अचानक मौत हो गयी। कानपुर नगर के 12/48 ग्वालटोली निवासी बिन्दा चरन का पुत्र जनार्दन सौंरा स्थित सोयाबीन फैक्ट्री में नौकरी करता था। शराब पीने का आदी था। रात में जमकर शराब पी थी। दूसरे दिन शराब पीकर पेड के नीचे जाकर बैठ गया। दोपहर बाद वहीं उसकी मौत हो गयी।

नेत्रहीन वृद्ध का मिला शव

फतेहपुर। चांदपुर व जाफरगंज थाना बार्डर के पास से ग्रामीणो की सूचना पर पुलिस ने 65 वर्षीय नेत्रहीन वृद्ध का शव बरामद कर विच्छेदन गृह भेजा है। चित्रकूट के थाना मानिकपुर गांव सुअरगढ निवासी स्व0 असरफी लाल का पुत्र कमल नेत्रहीन था। बताते है कि सोमवार की शाम चांदपुर व जाफरगंज बार्डर पर अचानक गिर कर उसकी मौत हो गयी।

पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ लेखपाल गिरफ्तार

बिंदकी, (फतेहपुर)। बटवारा व नक्शा नजरी बनाने के लिए लेखपाल ने 05 हजार रिश्वत की मांग किया था। पीड़ित ने मामले की शिकायत एंटी करप्शन टीम से की। एंटी करप्शन टीम ने तहसील के अंदर से आरोपी लेखपाल को 05 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज किया गया। नगर के तहसील परिसर से दोपहर करीब बारह बजे एंटी करप्शन टीम प्रयागराज ने लेखपाल सीताराम पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार निवासी अहमदगंज थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर राजस्व लेखपाल क्षेत्र करनपुर पधारा तहसील बिंदकी को पांच हजार रूपए की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। कल्याणपुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधि. के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया। बटवारा तथा नक्शा नजरी बनाने के लिए चक्रदत्त तिवारी पुत्र स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी निवासी ग्राम घोरहा कोतवाली बिंदकी से आरोपी लेखपाल सीताराम ने रिश्वत की मांग की थी।

सीएचसी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का किया राज्य महिला आयोग सदस्या ने निरीक्षण

निरीक्षण करतीं एकता सिंह।

संडीला (हरदोई)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह ने सीएचसी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखाए मरीज़ों से बात की तथा सीएचसी की कार्यप्रणाली को बेहद अच्छा बताया। राज्य महिला आयोग सदस्या एकता सिंह सीएचसी पहुंचीं, जहां सीएचसी अधीक्षक डॉ0 मनोज सिंह ने उनका बुके देकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंनें वहां भर्ती मरीज़ों से बात की और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। मरीज़ों ने उन्हें बताया कि सीएचसी में उन्हें सारी सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके बाद उन्होंनें सीएचसी अधीक्षक तथा अन्य डॉक्टरों के साथ बैठक की और सरकार द्वारा चलाई जा रही आयुषमान भारतए मातृ वंदन योजना, जननी सुरक्षा योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक तथा अन्य स्टाफ़ से कहा कि शासन का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। किसी भी मरीज़ को सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से वंक्षित न होना पड़े। उन्होंनें सीएचसी अधीक्षक तथा डॉक्टरों के व्यवहार की भी प्रशंसा की।

डीएम ने पांच करोड़ से अधिक लागत की लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़कों का किया निरीक्षण

- जिलाधिकारी ने सड़क की मोटाई, गुणवत्ता तथा जल निकासी की व्यवस्था की जांच कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के द्वारा आज पांच करोड़ से अधिक लागत की लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चांदपुर मलासा देवीपुर कैलई बरौर बलिहारामऊ मार्ग तथा बढ़ौली.मुंगीसापुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृणीकरण, कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने सड़क की मोटाई, गुणवत्ता तथा जल निकासी की व्यवस्था की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश अधिशाषी अभियंन्ता लोक निर्माण विभाग को दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनता को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाए और इसके लिए विभागीय जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा निर्माण कार्यो को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जायेए जिससे आमजन को बेहतर आधारभूत सुविधायें उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता राम गंगा नगर कानपुर राजेन्द्र जैन, अधिशाषी अभियन्ता हेमन्त कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी भोगनीपुर जितेन्द्र कटियार, सहायक अभियंता सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूजल रिचार्ज हेतु चेक डैम का निर्माण प्रभावशाली योजनाः डीएम

- जिलास्तरीय तकनीकी समन्वय समिति व नदी के पुनरोद्धार को लेकर डीएम ने ली बैठक

फतेहपुर। वर्षा जल संचयन एवं राज्य भूजल संवर्धन योजना से संबंधित जिला स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति एवं विलुप्त प्राय नदी के पुनरोद्धार से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि जनपद में गिरते भूजल स्तर से सिंचाई, पेयजल, औद्योगिक एवं शहरी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भूजल संसाधनों पर उत्तरोत्तर बढ़ती निर्भरता के दृष्टिगत इन संसाधनों के विवेकयुक्त उपयोग विनिमित दोहन एवं प्रभावी संरक्षण के उद्देश्य से जनपद में भूजल प्रबंधन वर्षा जल संचयन एवं भूजल रिचार्ज हेतु चेक डैम का निर्माण एक प्रभावशाली योजना के रूप में अभी तक कारगर हुआ है। कृषि प्रधान जनपद है। जहां भूगर्भ जल सम्पदा प्रमुख सिंचाई साधन के रूप में एक विशिष्ट स्थान बना लिया है। इसका आकलन इस तथ्य से होता है कि जनपद में 70 प्रतिशत सिंचित कृषि भूमि भूगर्भ जल पर निर्भर है।

भूगर्भ जल संरक्षण एवं रिचार्ज हेतु 13 चेकडैम/चेकडैम कम रपटा, 154 तालाब/झील, 55 एनीकट एवं 81 शासकीय एवं अर्धशासकीय भवनों पर रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग की स्थापना के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा किया और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता लघु सिंचाई को निर्देशित किया कि जो प्रस्ताव की सूची है, उपजिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में क्रिटिकल एवं सेमी क्रिटिकल विकास खण्डों को प्राथमिकता के आधार पर उक्त कार्यों को लिया जाय। उन्होंने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जो कार्य प्रस्ताव में लिए गए है उनका सर्वे करा लिया जाय और कितना क्षेत्रफल लाभान्वित होगा। उन्होंने उप जिलाधिकारियों व खंड विकास अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने तहसील व विकास खंड क्षेत्रों की प्रमुख नदियों का सर्वे करा ले, जिनका पुनरोद्धार की आवश्यकता है और इनसे कितने ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी, कितना क्षेत्र है और वर्तमान में नदी का स्वरूप क्या है, कि स्थिति से अवगत कराएं।

साथ ही ग्राम पंचायतों के नागरिकों से भी इसका फीडबैक लेते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी वर्षाकाल में पौधारोपण की कार्य योजना बना लें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, जिला विकास अधिकारी प्रमोद सिंह चंद्रौल, परियोजना निदेशक डीआरडी, शेषमणि सिंह, डीसी मनरेगा अशोक कुमार, अधिशाषी अभियंता सिंचाई, नहर, उप कृषि निदेशक, सहायक अभियंता लघु सिंचाई समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी व समस्त उप जिलाधिकारी जूम के माध्यम से जुड़े रहे।

वाहन की टक्कर से गिरे युवक को दूसरे वाहन ने रौंदा, मौत

फतेहपुर। खागा नगर के जीटी रोड स्थित मंडी से सब्जी लेकर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गया और पीछे से आ रहा दूसरा वाहन स्कार्पियो रौंदते हुए निकल गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के इमातपुर गांव निवासी शत्रुघ्न 35 वर्ष नवीन मंडी से सब्जी लेकर वापस आ रहा था। तभी नगर के पश्चिमी बाईपास पर आज्ञात वाहन ने उसके टक्कर मार दिया। जिससे वह गिर कर घायल हो गया ठीक पीछे से आ रही स्कार्पियो ने युवक को रौंदते हुये निकल गयी। डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में खागा कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंच कर एम्बुलेंस की मदद से घायल को सीएचसी हरदो में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई।

प्रधान सहित तीन के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज

संवाददाता। फतेहपुर

सुल्तानपुर घोष थाने में बहेरा सादात प्रधान सहित गांव के तीन लोगों के विरुद्ध एक महिला ने 156 (3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया है। आईपीसी की धारा 363 का केस दर्ज किया गया है। मुकदमा गांव की ही अफसरी ने कायम कराया है। अफसरी ने मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट को अवगत कराया कि उसका पुत्र जुल्फिकार 14 वर्ष गांव से ही 15 अक्टूबर 2023 से लापता है। उसने अपने सभी रिश्तेदारों व जान-पहचान की जगह काफी खोजबीन किया लेकिन उसका कोई पता सुराग नहीं लगा। उसने थाना सुल्तानपुर घोष में भी लिखित लापता होने की सूचना दी लेकिन थाना पुलिस आश्वासन देती रही कि गुप्त ढंग से पुत्र को खोज लिया जायेगा।

वह किसी से पुत्र के लापता होने की बात न करे वरना पुत्र के जान का खतरा बन जायेगा। उसने डरवश उच्चाधिकारियों को प्रार्थना-पत्र नहीं दिया। उसके पुत्र के लापता होने के पूर्व से गांव के हसीन अन्सारी उर्फ अल्ताफ आलम पुत्र जमील ठेकेदार, मो. जिबरील पुत्र फखरुद्दीन उस पर बुरी नीयत रखते थे। अश्लील हरकतें करते रहे हैं। बराबर उसको धमकाते रहे हैं कि उनकी बात नहीं मानेगी तो उसके पुत्र को गायब कर देंगे। 21 नवंबर 2023 को उक्त दोनों लोग उसको घर में अकेला पाकर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। धमकी दिया कि पुत्र उनके कब्जे में है। बलात्कार की रिपोर्ट लिखवाने के लिए कई बार थाने गई लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। न्यायालय के आदेश 14 मार्च 2024 को अपराध संख्या 35/2024, धारा 376वी/452/504/506 एलपीसी के अन्तर्गत थाना-सुल्तानपुर घोष में रिपोर्ट दर्ज की गई लेकिन आज तक आरोपियों को थाना पुलिस ने न तो गिरफ्तार किया और न ही कोई उचित कार्यवाही की जिससे आरोपियों के हौसले और बुलन्द हैं। 18 अप्रैल 2024 को शाम करीब पांच बजे गांव के रास्ते में हसीन, जिबरील तथा इनका घनिष्ठ मित्र मुन्ना नट पुत्र रईस ने उसको रोककर कहा कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया या थाने में सुलह नहीं किया तो अभी तो लड़का गायब किया है, लड़की के साथ भी वही हाल होगा। इसलिए शांत होकर घर में बैठो। उसको पूरी आशंका है कि कि उसके पुत्र को कहीं दूर ले जाकर बेच दिया गया है या फिर उसकी हत्या करके लाश को गायब कर दिया गया है। घोष पुलिस ने अन्तिम बार 10 सितंबर 2024 को कहा कि पुराना मामला हो गया है। जब तक बड़े अधिकारी आदेश नहीं करेंगे तब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकती। तब पुलिस अधीक्षक को जरिए डाक 13 नवंबर 2024 को रजिस्ट्री की लेकिन इसके बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। अदालत के आदेश पर सुल्तानपुर घोष पुलिस ने 12 जून 2025 को पुलिस ने प्रधान सहित उक्त तीनों लोगों के विरुद्ध 363 की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 जून, 2025

भारत भाषाओं के आधार पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता: धनखड़

पुडुचेरी। (भाषा) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया का एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और वह भाषा के मुद्दे पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने लोगों से देश के भविष्य की भलाई पर विचार करने और इस तूफान से उबारने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को अक्षरश: लागू करने की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि यह शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी, जिससे देश के विकास को गति मिलेगी। धनखड़ पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उन्होंने यह बात उन राजनीतिक दलों की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कही जो पुडुचेरी में एनईपी के कार्यान्वयन का विरोध कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि नीति का उद्देश्य हिंदी थोपना है। उन्होंने कहा कि तीन दशकों के अंतराल के बाद प्रस्तुत की

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। विश्वविद्यालय में धनखड़ ने कहा, पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत जितना समृद्ध नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत का वैश्विक महत्व है और तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बांग्ला और असमिया के साथ 11 शास्त्रीय भाषाएं हैं। धनखड़ ने कहा, संसद में सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की अनुमति है। हमारी भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। सनातन एक ही महान उद्देश्य के लिए एकजुट होना सिखाता है। उन्होंने कहा, हमारा गंतव्य को देखें, भविष्य को ध्यान में रखें और हमें तूफान से उबरना चाहिए। एनईपी पर, उपराष्ट्रपति ने इसे नहीं लागू करने वाले राज्यों से कहा कि वे नीति को लागू करें क्योंकि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा, मैं उन राज्यों से अपील करता हूं जिन्होंने इसे नहीं अपनाया है और जो इसे लागू कर रहे हैं, वे नीति में दी गई बातों को समझें। कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को नीति के लाभ के बारे में पूरी तरह से अवगत कराएं। धनखड़ ने कहा कि एनईपी दुनिया की सबसे अच्छी नीति है क्योंकि यह छात्रों को अपनी प्रतिभा और क्षमता का पूरा दोहन करने के अलावा कई पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने और समय का अधिकतम उपयोग करने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व को यह ध्यान में रखना चाहिए कि टकराव के लिए कोई जगह नहीं है और व्यवधान और अशांति वह तंत्र नहीं हैं जो संविधान निर्माताओं ने हमें सिखाया है। उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों की पढ़ाई, आलोचनात्मक सोच, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से ए प्लस ग्रेड मान्यता प्राप्त करने के लिए पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता के लिए एक महत्वपूर्ण मान्यता है। उपराज्यपाल के कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन रंगासामी और विश्वविद्यालय के कुलपति पी प्रकाश बाबू ने भी इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

मथुरा में रेलवे प्लेटफार्म पर मृत भिखारी के पास 91 हजार की नकदी मिली

मथुरा। (भाषा) उत्तर प्रदेश में मथुरा जंक्शन पर सोमवार को मृत पाए गए एक वृद्ध भिखारी के सामान से 91 हजार रुपए से अधिक की नकदी मिली है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार भिखारी की शिनाख्त का प्रयास जारी है और शव की शिनाख्त की आशा मे कानून के मुताबिक 72 घंटे के लिए दावेदार के इंतजार में शवगृह में रखवा दिया गया है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाना प्रभारी यादराम सिंह ने बताया कि मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या आठ पर एक भिखारी लावारिस अवस्था में मृत पड़ा मिला। कैंटीन पर काम करने वालो का कहना था कि वह लंबे समय से प्लेटफॉर्म पर आने-जाने वाले यात्रियो से भीख मांग कर गुजारा करता था। वह संभवतः कुछ दिन से बीमार चल रहा था, जिसके चलते सोमवार को उसकी मौत हो गई। उन्होने बताया कि जब पंचनामा भरने से पूर्व उसके सामान की तलाशी ली गई, तो एक पालीथिन की थैली से 91070 रुपए की नकदी व रेजगारी मिली। उन्होने बताया कि उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उसकी फोटो आसपास के जनपदों के थानों व लावारिस लोगो के संबंध मे सूचना देने वाली वेबसाइटों पर भेजी गई है और शव को शवगृह में रखवा दिया गया है। मामले के जांच अधिकारी उप निरीक्षक शिवपाल सिंह ने बताया कि थैली में नोटों के साथ पंजाब नेशनल बैंक की एक पर्ची मिली है, जिससे उसके खाते की पहचान कर उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे है। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी मिला है, जिसमे सिम कार्ड नही था।

लॉन्च रणनीतिक योजना का हिस्सा

लखनऊ। ज्यूसी कुट्योर ने भारत में अपने पहले एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर की शुरुआत लखनऊ से की है। फीनिक्स पलासियो मॉल में खुले इस स्टोर में फैशनप्रेमियों को ब्रांड की पहचान माने जाने वाले ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल का पूरा अनुभव मिलेगा।ब्रांड का यह स्टोर खासतौर पर फैशन फॉरवर्ड उपभोक्ता के लिए तैयार किया गया है। ब्रांड कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नबेंदु चक्रवर्ती ने कहा ज्यूसी कुट्योर को भारत की रॉयल तहज़ीब वाले लखनऊ में लाना हमारे लिए गर्व का विषय है।

दवा कंपनी इकाई में विस्फोट मे एक व्यक्ति की मौत, छह घायल

नागपु। नागपुर जिले में मंगलवार को एक दवा कंपनी की इकाई मे हुए विस्फोट मे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि जिले के भीलगांव में अंकित पल्प्स एंड बोर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई के ग्लास-लाइन्ड रिएक्टर मे विस्फोट हुआ। हालांकि इसका कारण अभी पता नही चल पाया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि विस्फोट सुबह करीब 11 बजे हुआ जिसमे एक व्यक्ति की मौत हो गई।

कुमाऊं में डंपर की चपेट में आई कार एक की मौत, तीन लोग गंभीर घायल

हल्द्वानी। उत्तराखंड में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या दिन.ब.दिन बढ़ती जा रही हैए जो चिंता का विषय बनती जा रही है। राज्य के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में आए दिन हो रहे सड़क हादसों में कई निर्दोष लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। ताजा मामला नैनीताल जिले के रामनगर क्षेत्र का हैए जहां मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गईए जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली निवासी एक परिवार अपने परिजन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अल्मोड़ा जनपद के चौखुटिया क्षेत्र की ओर जा रहा था। घटना सुबह करीब 5रू30 बजे नेशनल हाईवे.309 पर चिल्किया चौराहा के पास की है। बताया गया कि दिल्ली से आ रही स्विफ्ट डिज़ायर कार को एक तेज रफ्तार डंपर ने जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गयाए जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसारए दिल्ली निवासी विक्रम सिंह अपने पिता के निधन के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अपने परिवार के साथ चौखुटिया जा रहे थे। उनके साथ कार में बहन सुनीताए रिश्तेदार जगत सिंह और चालक नरेंद्र सिंह ;निवासी गैरसैंणद्ध मौजूद थे। विक्रम सिंह ने यह कार दिल्ली से ही बुक की थी। रास्ते में रामनगर पहुंचने से पहले ही यह भीषण हादसा हो गया। हादसे में चालक नरेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गईए जबकि विक्रम सिंहए सुनीता और जगत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा को दी। कुछ ही समय में पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और घायलों को तत्काल रामनगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की वजह से हाईवे पर कुछ देर तक जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गईए जिसे पुलिस ने बाद में नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

सरे राह पीटकर वायरल कर दिया नेता जी का वीडियो

काशीपुर। महापौर की कार्यशैली को निशाने पर लेने के साथ ही कुछ सोशल मीडिया कर्मियों की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेता को घेरकर कुछ नकाबपोश ने तबियत से पीटा और उनकी पिटाई की वीडियो भी वायरल कर दी। रवि का कहना है कि उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं हैए सिर्फउनकी आवाज दबाने के लिए ऐसा किया गया है। इस मामले में आईटीआई थाने में शिकायत की गई है।पूर्व में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए वार्ड नंबर दो निवासी रवि पपनै पार्षद पद का चुनाव लड़ चुके हैं। फिलहाल वह कांग्रेस में आईटी सेल के प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पपनै पिछले कुछ दिनों से महापौर दीपक बाली की कार्यशैली को लेकर सोशल मीडिया पर मुखर हैं। महापौर को कवरेज करने वाले कुछ मीडिया कर्मी भी उनके निशाने पर है। पपनै मीडिया कर्मियों का नाम लेकर उन्हें चाटुकार बताने से भी गुरेज नहीं करते। सोमवार रात करीब दस बजे चार पांच नकाबपोश युवकों ने दुर्गा कालोनी में रवि को घेर लिया और बेल्टों से उनकी ताबड़तोड़ पिटाई की। रवि का कहना है कि हमलावरों ने उसकी पिटाई की वीडियो बनाकर खुद ही वायरल भी कर दी। हमलावर कौन थेघ् और किसके इशारे पर उसे पीटने आए थेघ् यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन उसे सबक सिखाने के इरादे से ही हमला किया गया है। कहा कि लोकतंत्र में आवाज को दबाने के लिए इस तरह के हमले कायरता है। रवि ने साफकिया कि वह महापौर के बारे में पर्सनली जानते हैंए महापौर किसी भी दशा में ऐसा नहीं करा सकते। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ जाकर आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर दे दी है।

वीवो इग्नाइट 2025 के नेशनल विनर्स घोषित

नई दिल्ली । वीवो इंडिया ने अपने देशभर के स्कॉलरशिप कार्यक्रम वीवो इग्नाइट टेक्नोलॉजी और इनोवेशन इनिशिएटिव के विजेताओं की घोषणा की। यह पहल सीआईईटी.एनसीईआरटी आईआईटीएम प्रवर्तक टेक्नोलॉजी फाउंडेशन और यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के साथ मिलकर चलाई गई है। यह कार्यक्रम 15 जून को नई दिल्ली के अशोक होटल में आयोजित हुआ जिसमें कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों द्वारा पेश की गई बेहतरीन और इनोवेटिव सोच को सराहा गया। इस कार्यक्रम में 250 से ज़्यादा मेहमान शामिल हुए जिनमें प्रतिभागी छात्र अलग.अलग स्कूलों से आए बच्चे और उनके परिवारजन मौजूद थे। वीवो इंडिया के कॉरपोरेट स्ट्रैटेजी प्रमुख गीताज चन्नाना ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा वीवो इग्नाइटइस विश्वास का प्रतीक है कि जब टेक्नोलॉजी को यंग माइंड्स के हाथों में दिया जाता हैए तो वह असली और स्थायी बदलाव ला सकती है।

चोरों ने एक ही रात को चार दुकानों के ताले तोड़े, सीसीटीवी में वारदात कैद

सीतापुर । कमलापुर कस्बे के मास्टरबाग रोड स्थित नहर चौराहे के समीप चोरों ने सोमवार की एक ही रात में चार दुकानों के ताले तोड़कर हजारों की नकदी व सामान चुरा लिया। पुलिस ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया।कमलापुर पुलिस ने बताया कि मास्टरबाग रोड के महोली पुल के समीप मिश्रा खाद एवम बीज भण्डार नामक दुकान में चोरों ने प्रवेश कर उसमें रखे गले में करीब 25 हजार रुपए की नकदी चुरा ली। दुकानदार योगेन्द्र मिश्रा ने बताया कि चोरों ने उनकी दुकान के शटर का ताला तोडकर गल्ले में रखे करीब 25 हजार रुपए की नकदीए चुरा लिए।इसी प्रकार सरकारी बीयर व अंग्रेजी शराब की दूकान से चोर ताला तोड़कर करीब आठ हजार रुपए व अन्य सामान चुरा ले गए। पीड़ित ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे मे मुह बांधे अज्ञात चोर नजर आये है । इसके बाद चोरों ने मुख्य रोड की सोनू गुप्ता की गुमटी का भी ताला तोड़ाए कर ढाई हजार की नगदी समेत अन्य समान चुरा ले गये । व्यापारियों ने बताया कि कमलापुर पुलिस पीकेट ड्यूटी करती रही और चोर करीब 2 घंटे तक इस वारदात को अंजाम देते रहेए लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। चोरी की वारदात के बाद व्यापारियों में आक्रोश है।

कार ने मारी टक्कर पांच घायल दो की हालत गंभीर

सीतापुर। कमलापुर थाना क्षेत्र के देवीपुर गांव के पास हाइवे पर सीतापुर की तरफजा रही कार जोरदार टक्कर मार दी जिसमें पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें एम्बुलेंस से सीएचसी सिधौली ले जाया गया ज्ञात हो कि गुड्डू के यहां भांजी ईशु मिश्रापुर से आ रही थी उन्हें लेने के बच्चे सड़क पार करके गये थे। वापसी करते सीतापुर की तरफजा रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें अमित 16पुत्र गुड्डूएशैलेश12 पुत्र गुड्डूए लक्ष्मी 12पुत्री सुरेशए सचिन 18पुत्र राजू निवासी देवीपुर व मिश्रापुर निवासी ईशू 13पुत्री अजय गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें गांव वालों ने एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी सिधौली भेजा गया। जहां डाक्टरों ने ईशू और सचिन की गंभीर हालत देखते हुए लखनऊ अस्पताल रिफर कर दिया है शेष का उपचार सीएचसी सिधौली में चल रहा है थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि कार और चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

भ्रामक सूचनाओं के खंडन में सहयोग करें पत्रकार: एसपी

सीतापुर । जिले के पुलिस मुखिया अंकुर अग्रवाल ने मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइंसएस्थित दधीचि सभागार में पत्रकार बंधुओ के साथ बैठक कर संवाद स्थापित किया ।पुलिस अधिक्षक द्वारा सीतापुर जिले की बागडोर सम्भालने के ढेड माह बाद पत्रकार के साथ अहम बैठक का आयोजन किया गया । जिसमे जिले मे कानून व्यवस्था को मुकम्मल करने को लेकर चर्चा की गई । साथ ही पत्रकारों के सवालो के जवाब भी दिये । पुलिस अधिक्षक ने जनपद में अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत विशेषकर महिला सुरक्षा एवम् संबंधित अपराधों में शीघ्र कार्यवाहीए यातायात व्यवस्थाए लूटध्चोरी आदि जैसी घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उनमें संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही आदि के विषय मे विस्तृत चर्चा करते हुए अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया साथ ही पत्रकार बंधुओ से भी किसी घटना के विषय में संबंधित पुलिस अधिकारी से समन्वय स्थापित कर समुचित तथ्यो के साथ आमजनमानस तक खबर पहुंचाने एवम् अफ्वाहध्भ्रामक सूचनाओं के खंडन में सहयोग करने का आग्रह किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री आलोक सिंह एवम् क्षेत्राधिकारी नगर श्री अमन सिंह मौजूद रहे।

सांसद ने बिजली चोरी मामले में उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार छह लाख रुपए जमा किए

संभल। (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के लोकसभा सदस्य जियाउर रहमान बर्क ने अपने खिलाफ दर्ज बिजली चोरी के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बिजली विभाग में छह लाख रुपए जमा किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि उनके आवास की बिजली आपूर्ति दिन में बाद में बहाल कर दी जाएगी। यह मामला दिसंबर 2023 का है, जब बिजली विभाग ने उस साल 17 दिसंबर को सांसद के आवास पर स्मार्ट मीटर लगाया था। जब 19 दिसंबर को लोड निरीक्षण किया गया था, तब विभाग ने सांसद पर बिजली चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद उन पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। विभाग द्वारा अपना पक्ष रखने के लिए कई अवसर दिए जाने के बावजूद, सांसद ने अदालत में जुर्माने को चुनौती दी। तीन जून को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि सांसद द्वारा विभाग में छह लाख रुपए जमा करने पर बिजली आपूर्ति बहाल की जाएगी।

यशवंत वर्मा के मामले के बहाने न्यायाधीशों की नियुक्ति पर नियंत्रण चाहती है सरकार

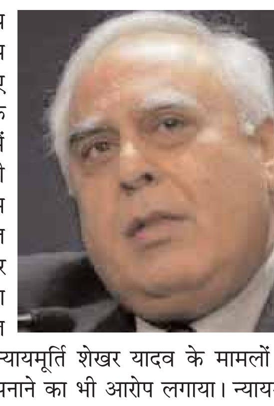

नई दिल्ली। (भाषा) राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कथित भ्रष्टाचार के लिए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की दिशा में बढ़ने के पीछे सरकार का असली मकसद कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करके और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) लाकर न्यायाधीशों की नियुक्ति पर नियंत्रण करना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने सरकार पर न्यायमूर्ति वर्मा और न्यायमूर्ति शेखर यादव के मामलों को संभालने में चयनात्मक दृष्टिकोण अपनाने का भी आरोप लगाया। न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने पिछले साल कथित रूप से सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए राज्यसभा में नोटिस दिया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने में सभी राजनीतिक दलों को साथ लेने के सरकार के संकल्प पर जोर दिया है। इसी साल मार्च में राष्ट्रीय राजधानी में न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना हुई थी और उस समय वहां कथित तौर पर भारी पैमाने पर जली हुई नकदी बरामद की गई थी। सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार का इरादा कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करना और न्यायाधीशों की नियुक्ति पर नियंत्रण रखना है। न्यायमूर्ति वर्मा के मामले का उल्लेख करते हुए सिब्बल ने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि वह सबसे बेहतरीन न्यायाधीशों में से एक हैं, जिनके समक्ष मैंने बतौर वकील दलीलें दी हैं।

गंगा तट और नौका पर योग से वन अर्थ-वन हेल्थ का सशक्त संदेश

सीसीएसयू ने ब्रजघाट, गढ़मुक्तेश्वर में किया विशेष योग आयोजन तीर्थस्थली पर योग से जोड़ा संस्कृति आस्था और प्रकृति का संगम

मेरठ। (संवाददाता) चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार प्रातः नौ बजे गढ़मुक्तेश्वर स्थित पवित्र ब्रजघाट गंगा तट पर एक विशेष सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग विज्ञान विभाग एवं साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य आयोजन की प्रेरणा प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से प्राप्त हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ गंगा माँ के पावन तट पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला द्वारा परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलन कर तथा गंगा जल में जल अर्पण कर किया गया। उन्होंने माँ गंगा को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए पहले उन्हें जल समर्पित कियाए जो किसी भी गंगा तट आयोजन की भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का प्रथम चरण होता है। इसके पश्चात उन्होंने शिक्षकोंए कर्मचारियोंए विद्यार्थियों व श्रद्धालुओं के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि प्रतिभागियों ने केवल तट पर ही नहींए अपितु गंगा की लहरों पर चलती नौका में बैठकर भी योग किया। ब्रजघाट जैसे तीर्थस्थल पर योग का आयोजन केवल एक क्रियात्मक अभ्यास न होकर भारतीय संस्कृति प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना से जुड़ाव का प्रतीक था। जीवनदायिनी गंगा के प्रवाह के मध्य योग साधना का उद्देश्य यह संदेश देना था कि जीवन रूपी नौका में संतुलनए प्रवाह और संयम के साथ ही जीवन सफल होता है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की विधि नहींए बल्कि यह आत्मा और मन के संतुलन का विज्ञान है जो प्रकृति से जुड़कर और भी प्रभावी हो जाता है। इस अवसर पर कुलपति प्रो० संगीता शुक्ला ने कहा कि ष्गंगा माँ के पावन तट पर और उनकी लहरों पर योग करना न केवल आध्यात्मिक अनुभव हैए बल्कि यह हमें यह सिखाता है कि जीवन में स्थिरता और शांति प्राप्त करने के लिए हमें अपनी संस्कृति और प्रकृति दोनों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ब्रजघाट की यह दिव्यताए गंगा का पवित्र स्पर्श और योग की साधनाकृतीनों मिलकर शरीरए मन और आत्मा को एकाकार कर देते हैं। यह आयोजन केवल योग दिवस की औपचारिकता नहींए बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक संवाद है, जो सनातन मूल्यों को आज के युवाओं से जोड़ने का प्रयास है। कार्यक्रम में योगाचार्य अमरपाल द्वारा सूर्य नमस्कार नमस्कार मुद्रा ध्यान क्रिया भ्रामरी नाड़ी शोधन प्राणायाम आदि का अभ्यास कराया गया। योग विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक योग पिरामिड और विशेष आकृतियों का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर किसान कॉलेज सिंभावली के सचिव राजू प्राचार्य प्रो. विजय गर्गए महेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज गढ़मुक्तेश्वर के प्रबंधक विजयवीर चेयरपर्सन चौधरी रेणुका सिंह डायरेक्टर डॉ. विजयवीर सिंह डॉ. पंकज कुमार, प्रेरणा वर्माए पारुल सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक एनसीसी कैडेट्स और छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. अनिल यादवए वित्त अधिकारी रमेश चंद्र निरंजन, प्रो. बीरपाल सिंह, प्रो. कृष्णकांत शर्मा प्रो. राकेश कुमार शर्मा डॉ. दुष्यंत कुमार डॉ. वैशाली पाटिल डॉ धर्मेंद, सत्यम सिंह, डॉ. नवज्योति सिद्धू, डॉ. कमल शर्मा, राखी साक्षी मावी अंजू मलिक समेत अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान गहन योग सत्रों के अंतर्गत योगनिद्राए ध्यानए प्राणायाम तथा सामूहिक साधना की गईए जिसका उद्देश्य मानसिक एकाग्रता, आंतरिक शांति और ऊर्जा संतुलन स्थापित करना था। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।

पेज 1 का शेष

एअर इंडिया..

को हुई असुविधा के लिए खेद है और हमने उनके गंतव्य तक उड़ान भरने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है। हम होटल में ठहरने की व्यवस्था कर रहे हैं और यात्रा रद्द करने पर पूर्ण धन वापसी या यात्रा कार्यक्रम पुनर्निर्धारण की पेशकश भी की है। विमानन कंपनी ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप 17 जून को लंदन (गैटविक) से अमृतसर आने वाली उड़ान संख्या एआई-170 रद्द कर दी गई है। ईरान ने इजराइल के साथ युद्ध के कारण अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे यूरोप जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। अहमदाबाद से लंदन के लिए एअर इंडिया की सीधी उड़ान को पहले एआई-171 कोड से जाना जाता था। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि कोड एआई-171 वाली उड़ान को भीषण दुर्घटना के बाद स्थगित कर दिया गया था। दुर्घटना में 270 लोगों की जान चली गई, जिनमें 29 लोग जमीन पर थे। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के पांच दिन बाद सोमवार (16 जून) से नए उड़ान कोड एआई-159 के साथ उड़ान फिर से शुरू हुई। इसके अलावा, सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली एअर इंडिया की एक उड़ान में मंगलवार तड़के तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यात्रियों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्धारित ठहराव के दौरान ही विमान से उतरना पड़ा। उड़ान को समाप्त किए जाने के कारण नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और बोइंग777-200 एलआर के 211 यात्री, अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने में लग गए कि उन्हें जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। विमानन कंपनी ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

प्रधानमंत्री...

जी-7 शिखर सम्मेलन भू-राजनीतिक तनावों के बीच हो रहा है, जिसमें ईरान और इजराइल के एक-दूसरे पर हमले करने के मद्देनजर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों के चलते शुरू हुआ व्यापार युद्ध भी शामिल है। ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) दुनिया की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं - फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली और कनाडा तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसके सदस्य वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए हर साल जी-7 शिखर सम्मेलन में मिलते हैं। विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत को पिछले कुछ वर्षों से नियमित रूप से जी-7 शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में आमंत्रित किया जाता रहा है।

ट्रंप की...

को इस संबंध में कोई दिशा-निर्देश नहीं दिया कि उन्हें क्या करना चाहिए। इस बीच, इजराइली सेना ने तेहरान पर हमले में ईरान के शीर्ष जनरल अली शादमानी को मारने का दावा किया है। लेकिन ईरान ने जनरल की हत्या पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। जनरल शादमानी को हाल ही में अर्द्धसैन्य बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड का हिस्सा खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय का प्रमुख नियुक्त किया गया था। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा में जारी जी-7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले रवाना हो गए। शिखर सम्मेलन से रवाना होने से पहले ट्रंप ने अन्य नेताओं के साथ एक संयुक्त बयान में कहा, ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता और उन्होंने गाजा में संघर्ष विराम समेत पश्चिम एशिया में तनाव कम करने का आह्वान किया।

भारतीयों को...

वे शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। वहीं विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में मौजूद भारतीय छात्रों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकाल लिया गया है और उनमें से 110 लोग सीमा पार कर आर्मेनिया में प्रवेश कर गए हैं। इसकी पूरी व्यवस्था दूतावास ने की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ निरंतर संपर्क में है। बयान में कहा गया है, तेहरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकाल लिया गया है। इसकी व्यवस्था दूतावास ने की। इसमें कहा गया कि परिवहन के हिसाब से जो लोग स्वयं इंतजाम कर सकते हैं उन्हें भी हालात को देखते हुए शहर से बाहर चले जाने की सलाह दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। मंत्रालय ने कहा कि अस्थिर स्थिति को देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं। जम्मू कश्मीर छात्र संघ के अनुसार, उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी के 110 भारतीय छात्र जिनमें से 90 कश्मीर घाटी के हैं, सुरक्षित रूप से सीमा पार कर आर्मेनिया पहुंच गए हैं। ईरान में फंसे 100 से ज्यादा लोग कर्नाटक के चिकबलपुर जिले के अलीपुर गांव से हैं। यह गांव मुख्य रूप से शिया मुस्लिमों का गांव है। इनमें छात्र, परिवार और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, जो शिक्षा, व्यवसाय और धार्मिक गतिविधियों के लिए ईरान गए थे।

पूर्व अग्निवीरों..

के साथ भी समन्वय करेगा। सरकार ने सेना के तीनों अंगों के लिए अग्निपथ भर्ती योजना जून 2022 में शुरू की थी। अग्निपथ योजना के तहत, चयनित होने वाले साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु के अभ्यर्थियों को सेना, वायुसेना और नौसेना में अग्निवीर के रूप में चार वर्ष की अवधि के लिए भर्ती किया जाता है तथा 25 प्रतिशत अभ्यर्थियों को अगले 15 वर्षों तक बरकरार रखने का प्रावधान होता है। वहीं 75 प्रतिशत की सेवा समाप्त हो जाती है। सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) आदि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबलों की सभी भावी नियुक्तियों में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत नौकरियां पहले ही आरक्षित कर दी हैं। सीएपीएफ कांस्टेबल रैंक में लगभग 10-12 हजार कर्मियों की भर्ती करता है। एक अधिकारी ने कहा कि अर्धसैनिक बलों में पूर्व अग्निवीरों की भर्ती के लिए किसी शारीरिक परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि सेना द्वारा ऐसी परीक्षा पहले ही ली जा चुकी होगी। एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें केवल शारीरिक फिटनेस प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी। केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियों और विभागों ने भी पूर्व अग्निवीरों की भर्ती की योजना की घोषणा की है।

रॉबर्ट...

के लिए तलब कर रही है जिसके बाद मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धनशोधन मामले में अप्रैल में लगातार तीन दिन तक कारोबारी वाद्रा से पूछताछ की थी। ईडी द्वारा धनशोधन के तीन मामलों में उनसे पूछताछ की जा रही है। भंडारी (63) आयकर विभाग द्वारा दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद 2016 में लंदन भाग गया था। इस महीने की शुरुआत में ब्रिटेन की एक अदालत ने प्रत्यर्पण मामले में भंडारी को बरी किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की अनुमति मांगने वाली भारत सरकार की अर्जी को खारिज कर दिया था, जिससे कानून का सामना करने के लिए उसे देश में लाए जाने की संभावना एक तरह से खत्म हो गई थी। ईडी ने इस मामले में 2023 में आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि भंडारी ने 2009 में लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर पर स्थित घर खरीदा और रॉबर्ट वाद्रा के निर्देशों के अनुसार इसका नवीनीकरण कराया जिन्होंने नवीनीकरण के लिए धन मुहैया कराया था। वाद्रा ने इस बात से इनकार किया है कि उनके पास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लंदन में कोई संपत्ति है। आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए वाद्रा ने कहा कि राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। ईडी राजस्थान के बीकानेर में एक भूमि सौदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में भी वाद्रा के खिलाफ जांच कर रहा है।

हताशा में कांग्रेस जनगणना 2027 के बारे में झूठा प्रचार कर रही : भाजपा

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस 2027 की जनगणना पर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रही है क्योंकि समाज में विभाजन पैदा करके सत्ता हासिल करने की उसकी उम्मीद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की राष्ट्रव्यापी कवायद में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले से ध्वस्त हो रही है।

कांग्रेस ने 16वीं जनगणना पर सरकार की अधिसूचना को खोदा पहाड़ निकली चुहिया करार देते हुए सोमवार को कहा कि सरकार इस प्रक्रिया में जाति को शामिल करने के मुद्दे पर कुछ नहीं कह रही है। साथ ही, कांग्रेस ने पूछा कि क्या यह सरकार अपने रुख से पलट गई है? राजपत्र अधिसूचना में जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं होने के बारे में कुछ भ्रामक सूचनाएं फैलाए जाने पर गृह मंत्रालय ने बाद में जोर देकर कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना शामिल की जाएगी। झूठे दावों के साथ लोगों को गुमराह करने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि इस तरह के ओछे कृत्य का सहारा लेकर विपक्षी पार्टी का मुख्य उद्देश्य समाज में भ्रम पैदा करना और सत्ता हासिल करना है। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि चूंकि कांग्रेस को अपना उद्देश्य पूरा होता नहीं दिख रहा है, इसलिए वह मिथ्या बातें, छल और झूठ फैलाने पर उतर आई है। त्रिवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि जनगणना के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन और जाति जनगणना भी कराई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस की दृष्टि संकीर्ण और सीमित है, बल्कि कहना चाहिए कि उनकी सोच एक दुर्भावनापूर्ण एजेंडे से प्रेरित है। इसी कारण वे मोदी सरकार द्वारा जनगणना कराने के फैसले में जो स्पष्ट रूप से बताया गया है, उसे देखने में असमर्थ हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि वे पूरी तरह से झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हो रही हैं।त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जाति के नाम पर वोट बैंक की राजनीति की है लेकिन पिछड़े समुदायों के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा, पार्टी ने 1951 में जाति जनगणना रोकने का फैसला किया और काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्ट को जारी नहीं होने दिया। त्रिवेदी ने कहा कि सबका साथ, सबका विश्वास मंत्र के साथ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार जाति गणना के साथ जनगणना कराना चाहती है ताकि सभी जातियों की पहचान, सभी जातियों के लिए सम्मान और सबसे पिछड़ी जातियों का उत्थान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके विपरीत कांग्रेस और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नेता जाति के आधार पर समाज में विभाजन पैदा करके केवल अपने परिवारों का उत्थान चाहते हैं।

बादल व धुंध में ही आर्यन एवियेशन प्रालि के हेलीकॉप्टर ने केदारनाथ को भरी उड़ान

हादसे में सात लोगों की मौत का कारण बनी लापरवाही

सुबह छह बजे से सात बजे तक की थी अनुमति हेलीकॉप्टर पहले ही उड़ा सुबह 5.30 बजे हुआ हादसा .आर्यन एवियेशन प्रालि प्रबन्धक विकास तोमर तथा एकाउंटेबल मैनेजर कौशिक पाठक के विरुद्ध दर्ज हुआ मुकदमा

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रप्रयाग

बादल व घने कोहरे की स्थिति के बावजूद आर्यन एविएशन प्राण् लिण् का हेलीकॉप्टर तीर्थयात्रियों को लेकर केदारनाथ के लिए रवाना हुआए जबकि मौसम अत्यंत प्रतिकूल था और उड़ान संचालन के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया ;एसओपीद्ध का पालन नहीं किया गया। इसी गंभीर लापरवाही के कारण 15 जून को यह हेलीकॉप्टर गौरीकुंड से ऊपर स्थित गौरीमाई खर्क ;जंगलद्ध क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गयाए जिसमें पायलट सहित सात यात्रियों की दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई। इस हादसे ने हेलीकॉप्टर सेवाओं की निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।घटना के तुरंत बाद राजस्व उपनिरीक्षक राजीव नखोलिया द्वारा सोनप्रयाग थाना क्षेत्र में एफ्आईआर दर्ज कराई गईए जिसमें आर्यन एविएशन प्राण् लिणए इसके प्रबंधक विकास तोमर और एकाउंटेबल मैनेजर कौशिक पाठक को नामजद किया गया है। दर्ज प्राथमिकी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 15 जून को कंपनी को हेली संचालन हेतु सुबह 6 बजे से 7 बजे तक का प्रथम फ्लाईंग स्लॉट आवंटित थाए जबकि उड़ान सुबह करीब 5रू30 बजे ही संचालित कर दी गई। यह न केवल समयबद्धता की अनदेखी थीए बल्कि उड़ान सुरक्षा मानकों का घोर उल्लंघन भी था। डीजीसीए और यूसीएडीए द्वारा हेलीकॉप्टर संचालन के लिए जारी किए गए दिशा.निर्देशों में यह अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक हेली ऑपरेटर को एक उत्तरदायी अधिकारी नियुक्त करना होगा जो उड़ान से पूर्व एसओपी के पालन की पुष्टि करेगाए विशेषकर मौसम की स्थिति का समुचित निरीक्षण करके ही उड़ान की अनुमति दी जाएगी। घटना वाले दिनए यानी 15 जून की सुबह से ही मौसम खराब थाकृबादल छाए हुए थे और घना कोहरा फैला हुआ थाए जिससे दृश्यता बेहद सीमित थी। इसके बावजूदए आर्यन एविएशन ने उड़ान की अनुमति दीए जिससे यह साबित होता है कि यात्रियों की सुरक्षा के प्रति घोर उदासीनता बरती गई। राजस्व उपनिरीक्षक का आरोप है कि इस दुर्घटना के लिए कंपनी के प्रबंधक विकास तोमर और एकाउंटेबल मैनेजर कौशिक पाठक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार हैं। दोनों ने एसओपी का पालन न कर केवल नियमों की अवहेलना कीए बल्कि यात्रियों के जीवन के साथ खिलवाड़ भी किया। यह भी उल्लेखनीय है कि इन अधिकारियों को इस बात की पूर्ण जानकारी थी कि यदि एसओपी की अनदेखी की गई तो गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। पुलिस ने उक्त आधारों पर आर्यन एविएशन प्राण् लिण् के खिलाफगैर इरादतन हत्या की धारा और वायुयान अधिनियम की धारा 10 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। अब मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि दोषियों को कानून के तहत दंडित किया जा सके। इसके अतिरिक्तए यह भी मांग उठ रही है कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं की अनुमति प्रक्रिया और मौसम संबंधी निगरानी व्यवस्था को और अधिक सख्त बनाया जाए।इस घटना ने यह भी दर्शा दिया है कि व्यावसायिक लाभ के लालच में यदि मानवीय सुरक्षा को नजरअंदाज किया गयाए तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के साथ.साथए इस दुखद दुर्घटना से सबक लेकर सरकार एवं संबंधित एजेंसियों को उड़ान मानकों को और कठोर बनाने की आवश्यकता है।

हेली सेवाओं में सिस्टम की लापरवाही उजागर मॉनिटरिंग नहीं, सिंगल इंजन के भरोसे यात्रा

रुद्रप्रयाग। राज्य में हो रहे हेलीकॉप्टर हादसों के पीछे सिस्टम की गंभीर लापरवाही और गैर.जिम्मेदाराना रवैया साफतौर पर झलक रहा है। 15 जून को हुए केदारनाथ हादसे के संदर्भ में देखा जाए तो आर्यन एविएशन प्राण् लिण् को सुबह 6 बजे से 7 बजे तक के पहले स्लॉट में उड़ान संचालन की अनुमति दी गई थी। इसके बावजूदए नियमों को दरकिनार करते हुए हेलीकॉप्टर ने लगभग 5रू30 बजे ही उड़ान भर लीए जब मौसम पूरी तरह खराब था और दृश्यता लगभग शून्य थी। ऐसी स्थिति में उड़ान की अनुमति देना या बिना अनुमति के उड़ान संचालित करनाए दोनों ही प्रशासनिक और तकनीकी लापरवाही को उजागर करते हैं। बताया जा रहा है कि इस हादसे के समय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ;एटीसीद्ध की निगरानी सक्रिय नहीं थी। हेलीकॉप्टर सेवाएं बगैर एटीसी समन्वय के संचालित हो रही थींए जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। विशेष रूप से सिंगल इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के मामले मेंए पायलट केवल इंटर कम्युनिकेशन कॉल्स के माध्यम से सूचनाएं साझा कर रहे थेए जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में समुचित कार्रवाई संभव नहीं हो पाती।हादसे की एक अन्य बड़ी वजह यह मानी जा रही है कि उस समय क्षेत्र में घना कोहरा और बादल थेए जिससे दृश्यता पूरी तरह समाप्त हो गई थी। ऐसी ष्जीरो विजिबिलिटीष् की स्थिति में उड़ान भरना सीधे तौर पर यात्रियों की जान को जोखिम में डालना है। इसके बावजूद हेलीकॉप्टर को उड़ान की अनुमति कैसे दी गईए यह एक बड़ा सवाल है। राज्य में हेली सेवाओं के संचालन की जिम्मेदारी नागरिक उड्डयन विभाग और युकेडा ;न्ब्।क्।द्ध जैसी एजेंसियों की है। परंतु इन एजेंसियों का कार्य सीमित होकर केवल हेलीकॉप्टर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने और हेली ऑपरेटर का चयन करने तक ही सिमट गया है। यात्रियों की सुरक्षाए मौसम की निगरानीए एटीसी समन्वय और उड़ानों की समयबद्धता जैसी ज़िम्मेदारियों से ये एजेंसियाँ दूरी बनाए रखती हैं। हादसे की स्थिति में पूरी ज़िम्मेदारी डीजीसीए ;क्ळब्।द्ध पर डाल दी जाती हैए जबकि स्थलीय स्तर पर सक्रिय निगरानी का कोई तंत्र नहीं दिखता। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि हेलीकॉप्टर सेवाओं के ठेके देने के बाद राज्य सरकार और संबंधित विभागों की निगरानी लगभग समाप्त हो जाती है। हेली ऑपरेटर किस तरह से सेवाएं चला रहे हैंए वे मौसम और यात्रियों की स्थिति को कितना गंभीरता से ले रहे हैंए इस पर कोई नज़र नहीं रखी जाती। यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा हैए लेकिन उनकी शिकायतों को न तो दर्ज किया जा रहा है और न ही कोई समाधान निकाला जा रहा है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि 8 मई से 15 जून के बीच कम से कम चार बार हेलीकॉप्टरों में तकनीकी या संचालन से जुड़ी खराबी सामने आ चुकी है। इन घटनाओं में अब तक दो बड़े हादसे हुए हैंए जिनमें एक मासूम बालक समेत कुल 13 निर्दोष लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। यह एक गहरी चेतावनी है कि यदि हेली सेवाओं की मॉनिटरिंगए नियमों का सख्त पालन और मौसम की निगरानी को प्राथमिकता नहीं दी गईए तो भविष्य में और भी अधिक भयावह दुर्घटनाएं हो सकती हैं। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार और नागरिक उड्डयन से जुड़ी एजेंसियां अपनी जिम्मेदारियों से आंखें न चुराएं और हेली सेवाओं के संचालन के लिए एक पारदर्शीए उत्तरदायी और तकनीकी रूप से सुसज्जित व्यवस्था विकसित करेंए जिससे तीर्थयात्री सुरक्षित और विश्वास के साथ अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर में मारे गये लोग

कैप्टन राजबीर सिंह चौहान दृ पायलटए निवासी जयपुर, विक्रम रावत, बीकेटीसी प्रतिनिधिए निवासी रासी, ऊखीमठ, विनोद देवी दृनिवासी उत्तरप्रदेश, तृष्टि सिंह निवासी उत्तरप्रदेश, राजकुमार सुरेश जायसवाल निवासी गुजरात, श्रद्धा राजकुमार जायसवाल दृ निवासी महाराष्ट्र, काशी दृ 2 वर्षीय बालिकाए निवासी महाराष्ट्र,

सरकार सो रही हादसों के बाद जांच और रिपोर्ट ठंडे बस्ते में : यशपाल

राज्य में लगातार हो रहे हेलीकॉप्टर हादसों को लेकर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु ईश्वर के दर्शन और आस्था की यात्रा पर निकलते हैंए लेकिन अब यह यात्रा मौत के जोखिम से भरी हो गई है। हेलीकॉप्टर हादसे एक खतरनाक ट्रेंड का रूप ले चुके हैं। लोग जैसे.जैसे तीर्थ यात्रा पर निकलते हैंए ऐसा लगता है मानो वे अपनी जान को दांव पर लगा रहे हों। उन्होंने बताया कि 2 मई से अब तक कुल पाँच हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैंए लेकिन इनकी जांच के बाद भी सरकार गहरी नींद में सोई हुई है। न कोई सख्त कदम उठाया गयाए न ही कोई ठोस कार्रवाई दिख रही है। यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि राज्य में हेली सेवाएं चला रही कंपनियों की मनमानी चल रही है। अधिक मुनाफा कमाने की होड़ में यात्रियों की जान की कोई परवाह नहीं की जा रही है।उन्होंने 15 जून को हुए हादसे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब उड़ान के लिए सुबह 6 बजे से 7 बजे तक का स्लॉट निर्धारित थाए तो फिर हेलीकॉप्टर सुबह 5रू30 बजे कैसे उड़ान भर सकता हैघ् क्या प्रशासन ने मौसम की जानकारी ली थीघ् और यदि ली थीए तो क्या उस पर अमल किया गयाघ् यह एक गंभीर चूक है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी पूछा कि इससे पहले हुए हादसों के बाद सरकार ने क्या निर्णय लिएघ् क्या कोई नीति बदली गई या जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई की गईघ् उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच रही है और श्रद्धालुओं को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। सिस्टम की तरफ से कहीं कोई जिम्मेदारी या उत्तरदायित्व का प्रदर्शन नहीं हो रहा है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक हैए बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी एक बड़ा धोखा है।

फोटोरू ट5त्रश्17062025

विमान हादसाः नया वीडियो सामने आया, बालकनी से कूदते नजर आई लोग

अहमदाबाद। (भाषा) अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें 12 जून को एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 के बीजे मेडिकल कॉलेज (बीजेएमसी) परिसर में टकराने के बाद वहां के घबराए हुए निवासी पांच मंजिला इमारत की बालकनी से कूदते या कूदने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। इस खौफनाक वीडियो के एक हिस्से में एक महिला बालकनी से महज रेलिंग के सहारे नीचे उतरने की कोशिश करती नजर आ रही है, जबकि घटनास्थल से कुछ ही मीटर की दूरी पर आग की ऊंची लपटें उठ रही हैं। पृष्ठभूमि में, परिसर की परिधीय दीवार के ऊपर से वीडियो बनाने वाले लोग चिल्लाते हुए सुने जा सकते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि महिला गिर सकती है और उसे चोट लग सकती है। बाद में, एक आदमी भी इसी तरह नीचे उतरने की कोशिश करता हुआ दिखाई देता है।

भारत के सबसे पुराने मेडिकल कॉलेजों में से एक, बीजेएमसी, इस दुर्घटना के बाद से कार्वाई का केन्द्र रहा है। इस दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोग तथा जमीन पर मौजूद पांच एमबीबीएस छात्र सहित 29 लोग मारे गए थे। अहमदाबाद हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद एअर इंडिया का विमान बोइंग 737-8 ड्रीमलाइनर मेडिकल कॉम्प्लेक्स में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

दुर्घटना इतनी भयानक थी कि विमान का पिछला हिस्सा छात्रावास के मेस भवन में फंस गया और विमान के टुकड़े आवासीय परिसर में बिखर गए। बीजेएमसी डीन मीनाक्षी पारीख ने सोमवार को कहा कि हादसे के बाद जिन लोगों को आवास खाली करने के लिए कहा गया था, उन्हें वैकल्पिक कमरे दिए गए हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एआईआईबी) ने मेडिकल कॉलेज से दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई चार इमारतों को खाली करने को कहा था, ताकि वह हाल के समय में हुई सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक की जांच कर सके। बचावकर्मियों और दुर्घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने दुर्घटना की भयावह प्रकृति और उसके बाद की स्थिति का वर्णन किया।जीवीके ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के अस्पताल-आधारित समन्वयक चिराग संतोकी अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में थे, जो दुर्घटना स्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। जीवीके ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज पूरे गुजरात में एम्बुलेंस सेवा प्रदान करती है। संतोकी घटनास्थल पर पहुंचने वाले पहले लोगों में से एक थे। संतोकी ने भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश को परिसर से बाहर आते देखा, जो विमान दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति थे। वह सीट नंबर 11ए पर बैठे थे। संतोकी ने पीटीआई-भाषा को बताया, उनके सिर से खून बह रहा था और वे वीडियो कॉल पर किसी से बात कर रहे थे और दुर्घटना के बारे में जानकारी दे रहे थे। संतोकी ने कहा, जब हमने भारी दुर्घटना की आवाज़ और विस्फोट सुना, तो हम दौड़े। लेकिन दुर्घटना स्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर भी गर्मी महसूस की जा सकती थी। संतोकी ने बताया कि बचावकर्मियों को शव बिना दस्ताने पहले ही उठाने पड़े क्योंकि वे इतने गर्म थे कि दस्ताने भी पिघल जाते थे। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग के कर्मचारी पहले जले हुए अवशेषों पर पानी डालते थे, फिर उन्हें इकट्ठा करके ले जाते थे। एंबुलेंस बेड़े के चालक मुकेश सोलंकी ने कहा कि कुछ शव बिना सिर के थे, जबकि कुछ धड़ या अंग के बिना। उन्होंने कहा कि जले हुए शवों से आने वाली बदबू असहनीय थी और उन्हें जहां भी जगह मिली, वहां रख दिया गया।

सोलंकी ने कहा, हमने एंबुलेंस की सर्विस करवाई, लेकिन बदबू जाने का नाम नहीं ले रही थी। हम एंबुलेंस में सभी तरह के मरीज़ों को ले जाते हैं, जैसे दिल और छाती की बीमारी वाले मरीज़। इसलिए हमने बदबू दूर करने के लिए रूम फ्रेशनर का छिड़काव किया।

डीएनए मिलान से 162 मृतकों की पहचान हुई, 120 शव परिजन को सौंपे गए

अहमदाबाद। (भाषा) अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के पांच दिन बाद, अब तक डीएनए मिलान के जरिए 162 मृतकों की पहचान कर ली गई है और 120 शव परिजन को सौंप दिए गए हैं। गुजरात के गृह राज्य मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान करने के लिए अधिकारी डीएनए जांच कर रहे हैं, क्योंकि 12 जून को हुई विमान दुर्घटना में कई शव इतने बुरी तरह से जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने एक बयान में कहा, मंगलवार अपराह्न 3.30 बजे तक 162 दुर्घटना पीड़ितों के डीएनए नमूनों का मिलान कर लिया गया है और 120 शव संबंधित परिवारों को सौंप दिए गए हैं। बाकी शव जल्द ही (पहचान के बाद) सौंप दिए जाएंगे। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक राकेश जोशी ने इससे पहले उम्मीद जताई थी कि सभी पीड़ितों के डीएनए मिलान की प्रक्रिया मंगलवार शाम या बुधवार सुबह तक पूरी हो जाएगी। राज्य सरकार ने पहले कहा था कि 250 पीड़ितों के नमूने पहचान के लिए

विमान हादसा

एकत्र किए गए हैं, जिनमें विमान में सवार लोगों के साथ-साथ जमीन पर मारे गए लोग भी शामिल हैं। इस प्रक्रिया में मृतक की पहचान करने के लिए मृतक के डीएनए का मिलान परिवार के सदस्यों के डीएनए प्रोफाइल के साथ किया जाता है। जलने आदि से जब शवों की पहचान नहीं हो सकती तो इस प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। मृतक और परिवार के सदस्यों, दोनों से डीएनए नमूने एकत्र किए जाते हैं और वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से मृतक की पहचान करने के लिए उनका मिलान किया जाता है।गत बृहस्पतिवार को अपराह्न 1.39 बजे अहमदाबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। लंदन जा रहे इस विमान में सवार 242 लोगों में केवल एक यात्री जीवित बचा था।इसके अलावा, दुर्घटना स्थल पर 29 अन्य लोग भी मारे गए थे, जिनमें से पांच एमबीबीएस छात्र थे।

हरिद्वार में दिल दहला देने वाला दोहरा हत्याकांड

पत्नी की बेरहमी से हत्या कर की आत्महत्या

हरिद्वार। जिले से मंगलवार को एक अत्यंत दिल दहला देने वाली और चौंका देने वाली घटना सामने आई है। कनखल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जमालपुर वसंत कुंज इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने पहले अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दोहरे हत्याकांड की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोग दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार दस्तक देने और आवाज़ लगाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पुलिसकर्मी छत के रास्ते घर के अंदर दाखिल हुए। घर के ऊपरी हिस्से में पति का शव फंदे से लटका मिलाए जबकि नीचे के कमरे में पत्नी का खून से सना शव बिस्तर पर पड़ा था। यह दृश्य अत्यंत भयावह था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला की हत्या डंडे और लोहे की भारी सरिया से बेरहमी से वार कर की गई थी। महिला के सिर पर गहरे घाव के निशान थेए जो इस बात का स्पष्ट संकेत देते हैं कि हमला बहुत ही क्रूरता से किया गया। सिटी क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी ;सीओद्ध शिशुपाल सिंह नेगी ने जानकारी दी कि मृतक व्यक्ति ई.रिक्शा चलाता था और पति.पत्नी के बीच काफी समय से संतान को लेकर तनाव और विवाद चल रहा था। पुलिस इसे पारिवारिक कलह से उपजा दुखद परिणाम मान रही है।मिली जानकारी के अनुसारए सोमवार देर रात महिला ने अपनी एक परिचित महिला को फोन कर उसे अपने घर बुलाया थाए लेकिन बाद में वह महिला खुद वहां नहीं पहुंच पाई। इसके कुछ ही घंटों बाद यह हृदयविदारक वारदात हो गई। पुलिस ने मौके से दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और घटना के हर पहलू को बारीकी से खंगाला जा रहा हैए ताकि सच्चाई तक पहुंचा जा सके और किसी भी तथ्य को अनदेखा न किया जाए।

नंदा राजजात यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर सीएम धामी ने उच्च स्तरीय अफसरों की बैठक में दिये निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड के लोक और आस्था का प्रतीक मानी जाने वाली नंदा राजजात यात्रा को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां शुरू हो गयी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यात्रा से जुड़े प्रबंधन और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। जिसमें अधिकारियों को अभी से योजना बनाकर धरातल पर काम शुरू करने के निर्देश दिए गए।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नंदा राजजात यात्रा 2026 को न केवल धार्मिक आस्था का उत्सव बनाया जाएगाए बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी का पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान, इसे विकास इंजन मान रहे हैं : जितेंद्र सिंह

वोखा (नगालैंड)।(भाषा) केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दिया है और वह इसे कम महत्व का नही मानकर इसको विकास का इंजन मानते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों के साथ जुड़ाव को गहरा करने के उद्देश्य से एक प्रमुख जनसंपर्क प्रयास के तहत मंत्री ने सोमवार को नगालैंड के वोखा जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने आदिवासी और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बातचीत की। बैठक के दौरान कार्मिक राज्य मंत्री ने समावेशी विकास और राष्ट्रीय विकास गाथा में आदिवासी समुदायों के एकीकरण के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दिया है, वह इसे कम महत्व का नही मानते बल्कि इसको विकास का इंजन मानते है। यहां की हर यात्रा स्थानीय आकांक्षाओं को सुनने, समझने और प्रतिक्रिया देने के बारे में है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए सरकार का संपर्क विस्तार प्रतीकात्मक नही बल्कि संरचनात्मक इरादे से है, जो ठोस योजनाओं, बुनियादी ढांचे के निवेश और दीर्घकालिक योजना द्वारा समर्थित है।कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि सिंह का दौरा जनजातीय और दूरदराज के समुदायों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने के केंद्र के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, खासकर नगालैंड जैसे राज्यों में जहां लंबी सांस्कृतिक परंपराएं और अनूठी प्रशासनिक व्यवस्थाएं है। सिंह ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के तहत भविष्य की विकास पहलों को तैयार करते समय उनके सुझावों को ध्यान में रखा जाएगा।बयान के अनुसार, मंत्री की वोखा यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब सरकार पूर्वोत्तर में अंतिम छोर तक सेवाओं और योजनाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर रही है।

राहुल गांधी हमेशा सांप्रदायिक तत्वों को बचाना चाहते हैं:हिमंत

डिब्रूगढ़ (असम)।(भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमेशा सांप्रदायिक तत्वों की रक्षा करने और राज्य में मंदिरों में मांस के टुकड़े फेंकने की हालिया घटनाओं में शामिल लोगों को बचाने का मंगलवार को आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी इस महीने की शुरुआत हुई में इस तरह की घटना की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई द्वारा आलोचना किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में की। गोगोई ने दावा किया था कि इन घटनाओं और उसके बाद हुई झड़पों ने भाजपा नीत सरकार के खुफिया तंत्र की विफलता को उजागर कर दिया है। शर्मा ने कहा कि जो लोग यह दावा करने की कोशिश कर रहे हैं कि हिंदू गाय को मार सकते हैं और फिर उसके अंगों को मंदिर में रख सकते हैं, वे प्रतिक्रिया के भी लायक नहीं हैं।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ऐसे लोगों की मानसिकता बहुत अलग होती है। गोगोई ने आरोप लगाया था कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आरएसएस के लोग असम के हर गांव में पैठ बना चुका है और समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।शर्मा ने कहा, "क्या कोई हिंदू व्यक्ति गाय का वध करके उसका एक हिस्सा मंदिर में रख देगा? बचे हुए हिस्सों का क्या होगा? वे कहां गए?" मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्थानीय लोगों ने स्वीकार किया है कि कुछ गुमराह युवक इन घटनाओं में शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया, "इसलिए, मुझे नहीं पता कि कांग्रेस इन तत्वों को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। यह राहुल गांधी की खासियत है। वे हमेशा सांप्रदायिक तत्वों को बचाना चाहते हैं और लोगों के बीच सामाजिक सद्भाव नहीं चाहते।" शर्मा ने आठ जून को दावा किया था कि ईद के दौरान कई स्थानों पर कथित तौर पर अवैध रूप से मवेशियों का वध किया गया और मांस के कुछ हिस्से पूजा स्थलों पर फेंके गए। पुलिस ने अब तक इन घटनाओं के सिलसिले में धुबरी में 50 और गुआलपाड़ा में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

असम के कछार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए

सिलचर (असम)। चरमपंथी तत्वों की संभावित आवाजाही को विफल करने और वस्तुओं एवं मवेशियों के अनधिकृत परिवहन को रोकने के लिए असम के कछार जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मंगलवार को कड़े प्रतिबंध लगाए गए। आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। जिला आयुक्त मृदुल यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाए हैं। बयान में कहा गया है कि यह आदेश जिले में शांति को बाधित करने और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने के इरादे से चरमपंथी तत्वों की संभावित आवाजाही का संकेत देने वाली रिपोर्ट सामने आने के मद्देनजर और साथ ही सीमा से सटे क्षेत्रों के रास्ते वस्तुओं एवं मवेशियों के अनधिकृत परिवहन को रोकने के लिए जारी किया गया है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले इस आदेश में जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के साथ एक किलोमीटर के क्षेत्र में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश जिले के अधिकार क्षेत्र में आने वाले भारतीय क्षेत्र में उसी अवधि के दौरान सूरमा नदी और उसके तटों पर आवाजाही को प्रतिबंधित करता है। इसके अलावा, मछली पकड़ने के लिए सूरमा में नौका परिचालन पर तब तक सख्त रोक रहेगी जब तक कि स्थानीय निवासी पट्टाधारक से उचित मंजूरी के बाद कटिगोराह के क्षेत्र अधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त न कर ले।

कीव में रूस के ड्रोन व मिसाइल हमले में 15 की मौत

156 घायल

भाषा। कीव

रूस ने यूक्रेन पर रात को उस समय मिसाइल और ड्रोन से हमले किए जब ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 156 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हमलों में मुख्य रूप से राजधानी कीव को निशाना बनाया गया।कीव शहर सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने बताया कि रातभर हुए हमले में 14 लोगों की मौत हो गई है। बमबारी से नौ मंजिला एक रिहायशी इमारत ध्वस्त हो गई तथा कई अपार्टमेंट नष्ट हो गए हैं। आपातकालीन कर्मी मलबे से लोगों को निकालने के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं।यूक्रेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि कीव में 139 लोग घायल हुए हैं। मेयर विताली क्लित्सको ने घोषणा की कि बुधवार को आधिकारिक तौर पर शोक दिवस मनाया गया। यह हाल के महीनों में यूक्रेन की राजधानी पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक है और हमला ऐसे वक्त में हुआ है, जब युद्ध को खत्म करने के लिए दो दौर की शांति वार्ता बेनतीजा रही है। रूस ने दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में भी ड्रोन हमले किए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह कीपर ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस हमले को कीव पर सबसे भयानक हमलों में से एक बताया और कहा कि रूसी सुरक्षा बलों ने रातभर में यूक्रेन पर 440 से ज्यादा ड्रोन और 32 मिसाइलें दागीं। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ऐसा सिर्फ इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वह युद्ध जारी रखने का जोखिम उठा सकते हैं। वह चाहते हैं कि युद्ध जारी रहे। यह बहुत परेशान करने वाली बात है कि दुनिया के ताकतवर लोग इस ओर से आंखें मूंद लेते हैं। यह हमला करीब नौ घंटे तक चला और यह कीव को निशाना बनाकर किया गया नया ड्रोन और मिसाइल हमला है। यह हमला ऐसे वक्त में किया गया है कि जब विश्व नेता कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए जुटे हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के भी इस सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि हमले में छर्रे लगने से घायल हुए एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई है। मंगलवार को रातभर विस्फोट की आवाजें सुनी गईं। क्लिमेंको ने बताया कि बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले में एक रिहायशी इमारत में बने 30 अपार्टमेंट नष्ट हो गए। शहर के स्वियातोशिन्स्की और सोलोमिंस्की प्रांत में भी लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को बताया कि यूक्रेनी हवाई रक्षा प्रणाली के ध्वस्त हो जाने से गिरे मलबे के कारण शहर के दो अन्य प्रांतों में आग लग गई है। यूक्रेनी सेना ने रूस के खिलाफ घरेलू स्तर पर निर्मित लंबी दूरी के ड्रोन से जवाबी हमला किया है। रूसी सेना ने कहा कि उसने सोमवार शाम से मंगलवार सुबह के बीच 10 रूसी क्षेत्रों में 203 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। जी-7 के मेजबान देश कनाडा ने जेलेंस्की को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है, जहां उनके विश्व नेताओं के साथ अलग-अलग मुलाकात करने की संभावना है। जेलेंस्की को कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करनी थी, लेकिन व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि ट्रंप पश्चिम एशिया में तनाव के कारण मंगलवार रात के बजाय सोमवार रात को वाशिंगटन लौट रहे हैं। रूस ने हाल के सप्ताहों में रिकॉर्ड संख्या में ड्रोन और मिसाइलें छोड़ी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एजेंसी द्वारा रूसी क्षेत्र में हवाई अड्डों पर युद्धक विमानों को निशाना बनाने का अभियान शुरू किए जाने के बाद मॉस्को ने हमले तेज कर दिए हैं।

इजराइली हमलों से ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल को नुकसान पहुंचा है : आईएईए

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने मंगलवार को कहा कि उसका मानना है कि ईरान के नतांज संवर्धन स्थल पर इजराइल के हवाई हमलों का वहां के भूमिगत सेंट्रीफ्यूज हॉल पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है।यूरेनियम संवर्धन के लिए उपयोग किए जाने वाले सेंट्रीफ्यूज को रखने के वास्ते बनाए गए भूमिगत स्थल को सेंट्रीफ्यूज हॉल कहा जाता है।ए हमले इजराइल द्वारा अपने शत्रु ईरान के खिलाफ पांच दिन पहले शुरू किए गए हवाई अभियान का हिस्सा हैं, जिसमें ईरान के सैन्य और परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया गया था।यह पहली बार है जब संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने नतांज के भूमिगत हिस्से में हमलों से हुए नुकसान का आकलन किया है, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुख्य संवर्धन केंद्र है।एजेंसी ने कहा, हाल ही में शुक्रवार के हमलों के बाद एकत्रित हाई रेजोल्यूशन उपग्रह चित्रों के निरंतर विश्लेषण के आधार पर आईएईए ने अतिरिक्त तत्वों की पहचान की है जो नतांज में भूमिगत संवर्धन हॉल पर प्रत्यक्ष प्रभाव का संकेत देते हैं। पहले ही, जमीन के ऊपर स्थित संवर्धन के लिए इस्तेमाल होने वाले क्षेत्र को नष्ट कर दिया गया था, साथ ही सुविधा को संचालित करने वाले विद्युत उपकरण भी नष्ट कर दिए गए थे।इजराइल ने मंगलवार को भी ईरान पर हमले जारी रखे, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक संदेश जारी कर तेहरान के निवासियों को वहां से निकल जाने की चेतावनी दी।ट्रंप ने कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से वाशिंगटन लौटने से पहले सोमवार रात को लिखा, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता।

उ. कोरिया सैन्य निर्माण और बारूदी सुरंग हटाने के लिए हजारों श्रमिकों को रूस भेजेगा

सियोल। उत्तर कोरिया रूस के कुर्स्क क्षेत्र में पुनर्निर्माण कार्यों में सहायता के लिए हजारों सैन्य निर्माण श्रमिकों और बारूदी सुरंग हटाने वाले कर्मियों को भेजेगा और यह दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी के प्रगाढ़ होने का एक और संकेत है। रूसी मीडिया ने यह जानकारी दी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने शीर्ष रूसी सुरक्षा अधिकारी सर्गेई शोइगु के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया कुर्स्क क्षेत्र में1,000 बारूदी सुरंग हटाने वाले कर्मियों के साथ-साथ 5,000 सैन्य निर्माण श्रमिकों को भेजेगा। आरआईए नोवोस्ती ने कहा कि शोइगु ने यह टिप्पणी प्योंगयांग की यात्रा के दौरान की। वह उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन के साथ बैठक के लिए उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग की यात्रा पर जा रहे हैं। उत्तर कोरिया पहले ही यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में सहायता के लिए हजारों सैनिक और पारंपरिक हथियार भेज चुका है।

इंडोनेशिया के माउंट लेवोटोबी लाकी में ज्वालामुखी फटा

लेम्बाता (इंडोनेशिया)। दक्षिण-मध्य इंडोनेशिया में माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी ज्वालामुखी मंगलवार को फट गया, जिससे गर्म राख का विशाल गुब्बार फैल गया। अधिकारियों ने ज्वालामुखी उदगार संबंधी चेतावनी को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया और खतरे के क्षेत्र का दायरा क्रेटर से आठ किमी तक बढ़ा दिया। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने ज्वालामुखी गतिविधि के बाद ज्वालामुखी से 10,000 मीटर तक घने भूरे बादल को रिकार्ड किया। यह राख एक गोबरछत्ते के आकार में राख के बादल में फैल गई जिसे पहाड़ से 90 किमी से 150 किमी दूर स्थित शहरों से देखा जा सकता था। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लोगों को भारी वर्षा को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है क्योंकि ज्वालामुखी से निकलने लावा नदियों में जा सकता है। नवंबर में माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

फिलिप मॉरिस ने दोहराई ग्रो टैलेंट, ग्रो बिजनेस की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल इंक-पीएमआई की भारतीय सहयोगी कंपनी आईपीएम इंडिया ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रतिभा बढ़ाओ, व्यवसाय बढ़ाओ, दृष्टिकोण को मजबूत किया है। इसका उद्देश्य एक विकासशील कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ कर्मचारी अपनी पूरी क्षमता के साथ नेतृत्व कर सकें और योगदान दे सकें। आईपीएम इंडिया मानती है कि विकास की धुरी प्रतिभा होती है। इसी सोच के साथ कंपनी अपने कर्मचारियों के करियर विकास को प्रोत्साहित करती है इसमें तीन मूल सांस्कृतिक मूल्य शामिल हैं, वी केयर ,जो आत्म.जागरूकता, समावेशिता और सहानुभूति को प्राथमिकता देता है। वी आर बेटर टुगेदर जहाँ विश्वास सहयोग और उपलब्धियों का सामूहिक उत्सव होता है और वी आर गेम चेंजर्स ,जो चुनौतियों को स्वीकारने लचीलापन दिखाने और असर पैदा करने की प्रेरणा देता है।आईपीएम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर नवनील कर ने कहा कि आईपीएम इंडिया में ग्रोथ माइंडसेट हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो निरंतर सीखने, सहयोग और नवाचार के ज़रिए व्यवसाय को आगे बढ़ाता है। हम अपने कर्मचारियों को इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि वे अपनी विकास यात्रा के प्रति खुद ज़िम्मेदारी लेंए वह आज कहाँ ह, कहाँ पहुँचना चाहते हैं और वहां तक कैसे पहुँचेंगे, इस पर गहराई से विचार करें। आईपीएम इंडिया के डायरेक्ट पीपल एंड कल्चर किंगशुक दास ने कहा कि हम मानते हैं कि प्रतिभा का विकास व्यवसाय की वृद्धि से अधिक तेज़ होना चाहिए।

चीन में पटाखा कारखाने में विस्फोट से नौ लोगों की मौत, 26 अन्य घायल

बीजिंग। मध्य चीन में एक पटाखा कारखाने में भीषण विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक मीडिया ने मंगलवार को बताया कि यह विस्फोट सोमवार को हुनान प्रांत के लिनली काउंटी में हुआ। सरकारी मीडिया मंचों पर प्रसारित वीडियो में कारखाना स्थल पर भीषण विस्फोट और धुएं का गुबार उठते दिखा। विस्फोट से आस-पास की इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा और लोग गिरते मलबे से बचने के वास्ते छिपने के लिए भागते नजर आए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, फिलहाल खोज एवं बचाव अभियान जारी है तथा दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए एक जांच दल गठित किया गया है। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने घटनास्थल पर बचाव प्रयासों का मार्गदर्शन करने के लिए एक टीम भेजी है।

जी-7 नेताओं का तनाव कम करने का आह्वान, ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए

भाषा। कनैनिस्किस (कनाडा)

कनाडा में आयोजित जी-7 देशों के नेताओं की बैठक में एक संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें इजराइल और ईरान के बीच लड़ाई में तनाव कम करने का आह्वान किया गया। साथ ही इसमें इस बात पर भी जोर दिया गया कि है ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। बयान में कहा गया है, हम, जी-7 के नेता, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संदर्भ में, हम पुष्टि करते हैं कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। हम इजराइल की सुरक्षा के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं। बयान में कहा गया है, हम नागरिकों की सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि करते हैं। ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का प्रमुख स्रोत है। हमारा लगातार यह स्पष्ट रुख रहा है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, हम आग्रह करते हैं कि ईरानी संकट के समाधान से पश्चिम एशिया में शत्रुता में व्यापक कमी आएगी, जिसमें गाजा में युद्ध विराम भी शामिल है। हम अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति सतर्क रहेंगे और बाजार की स्थिरता की रक्षा के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ समन्वय करने के लिए तैयार रहेंगे।

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने कहा: ईरान नहीं बना रहा है परमाणु हथियार, ट्रंप ने आकलन खारिज किया

भाषा। वाशिंगटन

तुलसी गबार्ड ने इस वर्ष की शुरुआत में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के समक्ष गवाही देते समय कोई संदेह नहीं छोड़ा था। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक गबार्ड ने सांसदों को बताया कि देश (ईरान) परमाणु हथियार नहीं बना रहा है तथा इसके सर्वोच्च नेता ने स्थगित किए जा चुके कार्यक्रम को पुन: मंजूरी नहीं दी है। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन वापस आते समय उड़ान के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के आकलन को खारिज कर दिया। ट्रंप ने इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ग्रुप ऑफ सेवन (जी 7) शिखर सम्मेलन के अपने दौरे में कटौती की है। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे परवाह नहीं है कि उन्होंने क्या कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति का मानना है कि ईरान परमाणु बम बनाने के बहुत करीब है। ट्रंप के बयान ने उन्हें अपने स्वयं के शीर्ष खुफिया सलाहकार के बजाय इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ खड़ा कर दिया है, जिन्होंने परमाणु हथियार संपन्न ईरान को एक आसन्न खतरा बताया है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति के मंगलवार को सिचुएशन रूम में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक करने की उम्मीद थी, जिसमें वह अगले कदमों की योजना बनाएंगे। गबार्ड के बयान का ट्रंप द्वारा खंडन करना, उनके पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के शीर्ष अफसरों से हुए टकरावों की याद दिलाता है जब उन्होंने (ट्रंप ने) उन्हें डीप स्टेट के हिस्से के तौर पर देखा जो उनके एजेंडे को कमजोर कर रहा था। उल्लेखनीय बात यह है कि 2018 में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या मास्को ने 2016 के चुनाव में हस्तक्षेप किया था, तो उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का पक्ष लिया और कहा कि पुतिन ने बहुत सशक्त और प्रभावशाली ढंग से इससे इनकार किया है। ईरान पर यह नवीनतम खबर इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि ट्रंप ने अपने दूसरे प्रशासन में स्थापित हस्तियों के बजाय वफादारों को शामिल किया है। सैन्य दिग्गज और हवाई से डेमोक्रेटिक कांग्रेस की पूर्व सदस्य गबार्ड को रिपब्लिकन नियंत्रित सीनेट ने बहुत कम अंतर से मंजूरी दी थी क्योंकि खुफिया जानकारी या विशाल संगठनों के प्रबंधन का उनका अनुभव बहुत कम था। वर्ष 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़कर ट्रंप का समर्थन करने वाली गबार्ड को मंगलवार को कैपिटल हिल में बंद कमरे में सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ के साथ पहले से तय बजट सुनवाई के दौरान गवाही देने की उम्मीद है। दोनों अधिकारियों से ईरान और ट्रंप के हालिया बयानों पर उनके विचारों के बारे में सवाल पूछे जाने की संभावना है।

पाकिस्तान ने ढाका मे अपने उच्चायुक्त हटाकर उनके स्थान नया राजदूत नियुक्त किया: अखबार

ढाका। पाकिस्तान ने ढाका में अपने उच्चायुक्त को हटाते हुए उनके स्थान पर एक नए राजदूत की नियुक्ति की है। प्रोथोम आलो अखबार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निवर्तमान उच्चायुक्त के अचानक छुट्टी पर चले जाने के कुछ सप्ताह बाद व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं। अखबार ने कई बेनाम वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से खबर दी, ढाका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ बांग्लादेश नही लौट रहे है। अखबार ने कहा कि पाकिस्तान ने म्यांमार में अपने वर्तमान राजदूत इमरान हैदर को मारूफ के स्थान पर नियुक्त किया है। मारूफ ने मीडिया का ध्यान तब आकर्षित किया था जब मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला था। अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने के तीन दिन पहले प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को पांच अगस्त 2025 को छात्रो के नेतृत्व मे हुए हिंसक आंदोलन के बाद हटा दिया गया था। मारूफ ने बांग्लादेश-पाकिस्तान कूटनीति को बढ़ाने के लिए काम किया था, जिसमें पाकिस्तान के विदेश सचिव की ढाका यात्रा की व्यवस्था करना भी शामिल था।

डेटॉल स्वच्छता पर देगा विशेष ध्यान

नई दिल्ली। डेटॉल ने अपने पर्सनल केयर वादे को और बेहतर बनाते हुए अपने लोकप्रिय कोलोन फ्रेश और लाइम फ्रेश साबुन वेरिएंट्स में 12 घंटे की ताजगी की सुविधा पेश की है। यह नया ऑफर उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखकर लाया गया हैए यानी दिनभर सुरक्षित और तरोताजा महसूस करने का आत्मविश्वास। शरीर से आने वाली दुर्गंध कभी भी अचानक महसूस हो सकती हैए लंबी यात्रा के दौरान, काम पर या किसी महत्वपूर्ण सामाजिक मुलाकात से ठीक पहले, जिससे व्यक्ति असहज,हिचकिचाहट से भरा या शर्मिंदा महसूस कर सकता है। डेटॉल फ्रेश इस रोज़मर्रा की परेशानी का समाधान करता हैए क्योंकि यह दुर्गंध पैदा करने वाले 99.9 प्रतिशत कीटाणुओं को हटाता है और साथ ही 12 घंटे तक तरोताजा महसूस कराता हैए जिससे लोग आत्मविश्वास से भरकर हर अवसर के लिए तैयार रह सकें। डेटॉल कोलोन फ्रेश के साथ उपयोगकर्ता एक दमदार और ताजगी भरी मस्की कोलोन खुशबू का आनंद लेते हैं, जो नहाने के बाद तरोताजा महसूस कराती हैए जबकि डेटॉल लाइम फ्रेश में एक चटपटी साइट्रस महक है, जो ऊर्जा से भर देती है और मूड को तरोताजा कर देती है, जिससे आप इसे अपने सोशल मोमेंट्स और रोज़मर्रा की भागदौड़ में आत्मविश्वास से इस्तेमाल कर सकते हैं। डेटॉल फ्रेश रोज़ाना आपका साथी बनकर मदद करता है कि आप हर मौके पर अपना बेहतरीन प्रदर्शन करें, ताकि एक पल की झिझक की वजह से कोई अवसर न छूटे। रेकिट . साउथ एशिया में हेल्थ की रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर कनिका कालरा कहतीं है कि रेकिट में हम मानते हैं कि असली आत्मविश्वास तभी आता है जब आप खुद को तरोताजा और सुरक्षित महसूस करते हैं ताकि आप किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहें।

नया गाना मनवा दुनिया को दीवाना बना देगा

मुंबई। भारतीय हिपहॉप में अपनी अलग पहचान बनाने के बादए पैंथर गर्मियों के गीत ष्मनवाष् के साथ एक बार फिर अपने कलात्मक सफर की एक नई कहानी लेकर आए हैं। मनवा् को खुद पैंथर ने लिखा व पेश किया है। यह एक रोमांटिक गीत है जो उनके आत्मनिरीक्षण करने वाले कठोर स्टाईल से अलग है। इसमें यूपी की बोली के साथ ग्लोबल साउंड में क्षेत्रीय पुट दिया गया है। इसलिए यह अनूठा होने के साथ वैश्विक एहसास भी देता है। इसका म्यूज़िक वीडियो थाईलैंड की आबोहवा में फैली धूप के बीच फिल्माया गया है। इसमें युवा प्यार की मासूमियतए आकर्षण और रोमांच है। यह एक सुखद अनुभव है जो जीवन के रंगों और बेफिक्री के साथ आपके चेहरे पर मुस्कान लेकर आता है। यह वीडियो इस हफ्ते के अंत तक रिलीज़ कर दिया जाएगा।पैंथर ने कहाए ष्मनवा एक प्रेम पत्र है। सही कहूँ तो यह मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर थाए इसीलिए यह रोमांचक बन गया। मैं आमतौर से अपने ज़ोन में रहते हुए हार्ड.हिटिंग रैप पेश करता हूँ लेकिन इस बार मैं अपने दिल की आवाज सुनना चाहता था। प्यार में वह ताकत हैए जो आपको अंदर से हिला दे। मैं इस ट्रैक को वही एहसास देना चाहता था। मुझे उम्मीद है कि मेरे फैन मेरे संगीत का यह पहलू उतना ही पसंद करेंगेए जितना पसंद उन्होंने मेरे रैप को किया है। मनवा पैंथर के विकास बहुमुखी प्रतिभा और अपनी रचनात्मक सीमाओं का विस्तार करने की इच्छा का एक साहसी उद्बोधन है। दिन में किसी के सपनों में डूबे हुए या फिर अपने अकेले जीवन का आनंद लेते हुए मनवा सुनिएए जो आपको एक मधुर एहसास देगा। आप यह गाना खिड़कियाँ बंद करके और आवाज बढ़ाकर बार.बार सुनना चाहेंगे।

इंटेलीस्मार्ट ने खोला विशेष प्रशिक्षण केंद्र

मेरठ। भारत की अग्रणी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी इंटेलीस्मार्ट इंफ्रा ने दादरी में स्मार्ट मीटरिंग के लिए एक ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की है। अपनी तरह का यह पहला ट्रेनिंग सेंटर है, जो युवाओं को डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर डीटी मीटर की स्थापना के क्षेत्र में बिना किसी शुल्क के उन्हें कौशल और क्षमताएं प्रदान करेगाए जो ग्रिड इंटेलिजेंस और परिचालन दक्षता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण घटक है। इस प्रशिक्षण से युवा बिजली के क्षेत्र में तकनीकि रुप से नौकरी करने के लिए तैयार होंगे। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुएए इंटेलीस्मार्ट के एमडी और सीईओ अनिल रावल ने कहा कि अपनी तरह का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत के स्मार्ट मीटरिंग उद्योग में वर्तमान में प्रतिभा की कमी को दूर करने का हमारा समर्पित प्रयास है। यह कोर्स बिल्कुल मुफ्त है और कोई भी देश के किसी भी हिस्से से प्रशिक्षण में शामिल हो सकता है, जिससे युवाओं को कंपनी में अपने लिए नौकरी सुनिश्चित करने का अधिकार मिलेगा । यह स्मार्ट मीटरिंग इकोसिस्टम में क्षमता निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता है। उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ए नोएडा के मुख्य अभियंत संजय जैन और इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी और सीईओ अनिल रावल ने किया। इस अवसर पर डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। डीटी मीटर बिजली वितरण नेटवर्क में काफी महत्वपूर्ण है और लोड प्रबंधन और सिस्टम की विश्वसनीयता में सुधार के लिए डीटी की जगहों पर स्मार्टमीटर लगाना आवश्यक है। इंटेलीस्मार्ट का उत्कृष्टता केंद्र प्रतिभागियों को डीटी स्मार्ट मीटरिंग तकनीक में नवीनतम प्रगति के लिए प्रशिक्षित और प्रमाणित करेगा।

हॉर्मुज़ जल डमरूमध्य के पास दो जहाज़ों की टक्कर, यूएई तटरक्षक बल ने 24 लोगों को सुरक्षित निकाला

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तटरक्षक बल ने मंगलवार को तेल टैंकर और एक अन्य जहाज के बीच टक्कर के बाद 24 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह हादसा दुनिया के सबसे संवेदनशील तेल मार्गों में से एक, हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के पूर्व में हुआ।तेल से भरा टैंकर एडलिन मिस्र की स्वेज नहर की ओर जा रहा था, तभी ओमान की खाड़ी में यह टक्कर हुई। नासा के उपग्रह डेटा में मंगलवार सुबह इस क्षेत्र में हीट सिग्नेचर दिखाई दिए। हीट सिग्नेचर किसी वस्तु के तापमान के कारण उसके द्वारा उत्सर्जित इन्फ्रारेड ऊर्जा को कहा जाता है।यूएई के राष्ट्रीय गार्ड ने बताया कि उसने अपनी तटरक्षक बल की खोज और बचाव नौकाएं घटना स्थल पर भेजी, जो यूएई तट से 24 समुद्री मील दूर स्थित था। सभी 24 कर्मियों को सुरक्षित खोर फक्कान बंदरगाह पहुंचाया गया।ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा कंपनी एंब्रे ने कहा कि यह घटना सुरक्षा संबंधी नही है। इजराइल और ईरान के बीच पिछले कई दिनों से चले आ रहे तनाव के बीच यह टक्कर हुई है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी का रणनीतिक समुद्री प्रवेश द्वार है और दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा यही से होकर गुजरता है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (यूएस एनर्जी इन्फर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, वर्ष 2024 में रोजाना औसतन 2 करोड़ बैरल तेल का व्यापार इस मार्ग से हुआ है।

विश्व में नियुक्तियां कम होने पर भी भारत में औपचारिक नौकरियों में उछाल

बैंगलोर। ग्लोबल मैचिंग और हायरिंग प्लेटफॉम, इनडीड द्वारा जारी नए आंकड़ों के मुताबिक मई में, इनडीड पर भारतीय नौकरियों की पोस्टिंग में जबरदस्त उछाल आया और इसमें लगातार आठ महीने तक गिरावट के बाद 8.9 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई। हालांकिए यह एक साल पहले के मुकाबले 1.8प्रतिशत और अपने शिखर से लगभग 16प्रतिशत कम है। हाल ही में हुई गिरावट के बाद भी भारतीय नौकरियों की पोस्टिंग कोविड.पूर्व स्तर की तुलना में लगभग 80प्रतिशत ज़्यादा है। अन्य मुख्य देश,जहाँ इनडीड मौजूद है, वहाँ तुलना समान नहीं हैं। यूनाइटेड किंगडम, न्यूज़ीलैंड और स्विटज़रलैंड जैसे कई देशों में पोस्टिंग वॉल्यूम इस समय कोविड.पूर्व स्तर की तुलना में कम है। अगर इस तुलना को देखा जाएए तो भारत में पोस्टिंग वॉल्यूम बहुत अच्छा है। इनडीड के सीनियर इकोनॉमिस्टए एशिया.पैसिफिकए कैलम पिकरिंग ने कहा कि भारत में नौकरियाँ अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैंए क्योंकि देश में अधिक औपचारिक आर्थिक व्यवस्थाओं का निर्माण हो रहा है। देश में होते इस बदलाव के साथ औपचारिक क्षेत्र में नौकरियाँ पूरे देश में हो रही रोजगार वृद्धि के मुकाबले ज़्यादा तेजी से बढ़ेंगी, जो हमें पिछले सालों में देखने को मिला है। अन्य अर्थव्यवस्थाओं में इस तरह के बदलाव नहीं हो रहे हैं। भारत में लगभग 80 प्रतिशत व्यवसायों में नौकरियों की पोस्टिंग पिछले तीन महीनों में काफ ी बढ़ी है। सबसे ज़्यादा नौकरियाँ चाइल्डकेयर 27प्रतिशत पर्सनल केयर एवं होम हेल्थ 25प्रतिशत शिक्षा .24प्रतिशत और उत्पादन एवं विनिर्माण 22प्रतिशत में बढ़ीं। इस वृद्धि से डेंटल सेक्टर में नौकरियों में आई कमी की कुछ भरपाई हो सकती हैए जो पिछले तीन महीनों में 10.2प्रतिशत कम हुई हैं।

केबीसी ग्लोबल ने धरन इंफ्रा सोलर की स्थापना की

नासिक। केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्ववाली सब्सिडरी कंपनी धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड के गठन की घोषणा की है। 13 जून को आयोजित अपनी बैठक में डायरेक्टर बोर्ड द्वारा इस कदम को मंजूरी दी गई। नई कंपनी स्थिरता और ग्रीन एनर्जी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी और जिसका 100 प्रतिशत स्वामित्व धरान इंफ्रा,ईपीसी लिमिटेड के पास होगा। धरन इन्फ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्युएबल एनर्जी मोडल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास, सुधार सहित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल होगा। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, ईम्पोर्ट, एक्सपोर्ट, संयोजन, निर्माण, मरम्मत,रखरखावए संशोधन और संचालन शामिल हैं। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एंड.टू.एंड समाधान प्रदान करना है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ती हैं। कंपनी के मेनेजमेन्ट ने कहा कि धरन इन्फ्रा सोलर का गठन हमारी विविधीकरण यात्रा में एक स्वाभाविक प्रगति है। रिन्युएबल एनर्जी अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। यह पहल एक स्वच्छ ग्रीन भविष्य में योगदान देने के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को पुष्ट करती है, साथ ही स्थायी व्यवसाय विकास के लिए नए रास्ते खोलती है। इस नई सब्सीडरी कंपनी का गठन इंफ्राईपीसी की इंफ्रास्टचर और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक व्यापक खिलाड़ी बनने की रणनीति में एक महत्वपूर्ण सीमाचिह्न है।

मेहुल चोकसी ने ब्रिटेन की अदालत में भारत के खिलाफ अपहरण का आरोप लगाया

लंदन। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित व्यवसाई मेहुल चोकसी ने लंदन के उच्च न्यायालय में भारत सरकार और पांच व्यक्तियों पर अपने कथित अपहरण, यातना और प्रत्यर्पण के प्रयास के लिए षड्यंत्रकारी के रूप में मुकदमा दायर किया है। भारतीय प्राधिकारियों ने आरोपों से इनकार किया है और राज्य प्रतिरक्षा (स्टेट इम्यूनिटी) के आधार पर ब्रिटेन के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति जताई है। साथ ही उन्होंने भारतीय कानून और भारतीय संविधान से संबंधित विशेषज्ञ साक्ष्यों को ध्यान में रखने की अनुमति भी मांगी है। राज्य प्रतिरक्षा अंतरराष्ट्रीय कानून का सिद्धांत है, जिसके अनुसार एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र को दूसरे देश की अदालत में न्यायिक कार्यवाही से छूट प्राप्त होती है। सोमवार को न्यायमूर्ति फ्रीडमैन के समक्ष मामले की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान, चोकसी का दावा है कि मई 2021 में भारत सरकार के निर्देश पर अपहरण की कोशिश के तहत उसे प्रताड़ित किया गया था। भारतीय पक्ष ने इस सप्ताह अदालत को बताया कि चोकसी ने भारत के खिलाफ बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें कहा गया है कि भारत ने उसका अपहरण करने और नुकसान पहुंचाने की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश रची थी।

जब पिता संघर्ष करते हैं, बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया में, अनुमानत: 10 में से एक पुरुष अपने बच्चे के जन्म से पहले और बाद में चिंता और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है।भावनात्मक उतार-चढ़ाव और थकान के साथ-साथ, नए पिताओं को अधिक व्यावहारिक मांगों का भी सामना करना पड़ सकता है, जैसे-बच्चे की देखभाल करना, अपने जीवनसाथी की मदद करना तथा वित्तीय सहायता प्रदान करना। ऐसे में यह आश्चर्य की बात नहीं है कि पिता बनने से मनोवैज्ञानिक तनाव बढ़ सकता है। लेकिन यह चिंताजनक है क्योंकि कई पुरुष इसके लिए मदद नहीं लेते हैं। इस बात के भी सबूत हैं कि पिता की मानसिक स्थिति उसके बच्चे को अल्पावधि और दीर्घावधि में प्रभावित कर सकती है। हमारी नई समीक्षा में पहली बार पिता के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चों के विकास के बीच संबंध के बारे में अंतरराष्ट्रीय साक्ष्यों को एक साथ लाया गया है। हमने पाया कि जन्म से पहले और बाद में पिताओं के मनोवैज्ञानिक तनाव और बच्चों के सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक, भाषाई और शारीरिक विकास में जन्म से लेकर किशोरावस्था के शुरुआती स्तर तक खराब परिणामों के बीच लगातार संबंध है।अच्छी बात यह है कि शुरुआत में ही असरदार तरीके अपनाए जा सकते हैं। सहायता पाने में बाधाएं-ऐसी कई जटिल वजह हैं जिनके चलते नए-नए पिता बने व्यक्ति मानसिक तनाव के लिए सहायता नहीं ले पाते।गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय शोध की 2024 की समीक्षा में पाया गया कि पिताओं से बच्चे के जन्म से पहले या बाद में स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों में उनकी भलाई के बारे में नहीं पूछा जाता है। यह ऐसा वक्त होता है जब अक्सर सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। पुरुषों को भी ऐसा महसूस हो सकता है कि परिवार की देखभाल करने के लिए उन्हें मजबूत होने और कठिन भावनाओं से ऊपर उठने की जरूरत है। वे अपनी मुश्किलों को नहीं मानते हैं, तथा इसके बजाय अत्यधिक काम करने, या शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने जैसी रणनीतियों के माध्यम से समस्या से बचते हैं। कार्य के घंटों के कारण भी सेवाओं तक पहुंच कठिन हो सकती है। इस कारण पुरुषों को मानसिक तनाव पहचानना मुश्किल हो सकता है, और न ही उनके आसपास के लोग या स्वास्थ्य सेवा प्रणाली इसे आसानी से पहचान पाते हैं।बच्चों के विकास में बाधा डालने वाले शुरुआती जोखिम कारकों पर होने वाला शोध माताओं के स्वास्थ्य और जीवनशैली पर पिताओं की तुलना में लगभग 17 गुना अधिक ध्यान देता है।

जीवनशैली संबंधी बढ़ती बीमारियों पर जागरूकता जरूरी

जीवनशैली संबंधी बढ़ती बीमारियों और बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथए भारत में स्वास्थ्य सेवा के प्रति जागरूक के रूप में एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। बदलती उपभोक्ता ज़रूरतों के साथ तालमेल बिठाते हुएए स्वास्थ्य और सेहत क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट के साथ अपनी पोषण श्रेणी उत्पादों में वृद्धि की है। प्लांट प्रोटीन.आधारित पूरकए एसरोला चेरीए हल्दी और लीकोरिस की प्राकृतिक ताकत के साथ वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया है। इस शक्तिशाली फॉर्मूलेशन में ऐसे पोषक तत्व हैं जो शरीर में ट्रिपल.एक्शन फॉर्मूला के साथ कार्य करते हैं . प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करनाए सूजन को कम करना तथा आंतए त्वचा और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए मजबूत एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करना। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशकए रजनीश चोपड़ा ने लॉन्च के अवसर पर टिप्पणी करते हुएए कहा कि चूंकि खराब पोषण देश के आधे से अधिक लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है ए इसलिए समग्र स्वास्थ्य के लिए स्वच्छए प्लांट प्रोटीन आधारित उपायों की आवश्यकता आज पहले से कही ज्यादा है। आज के उपभोक्ता पहले की तुलना में अच्छे स्वास्थ्य को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। 52प्रतिशत व्यक्ति सप्लीमेंट्स से सबसे बड़े लाभ के रूप में मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली चाहते हैं जो समग्र स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है। उपभोक्ता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और उत्पाद नवाचार क्षेत्र में तेजी लाने की हमारी रणनीतिक व्यावसायिक प्राथमिकता के हिस्से के रूप मेंए हमें अपने नवीनतम नवाचार, एमवे द्वारा न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट को पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है । यह अनूठा फॉर्मूलेशन प्रतिरक्षाए आंत और त्वचा को मजबूत बनाने के लिए विज्ञान समर्थित अवयवों को एक साथ लाता है जिससे व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय समग्र दृष्टिकोण अपना सके। सबसे पहले स्वास्थ्य, दृष्टिकोण के साथए हम एमवे में व्यक्तियों को उनके स्वास्थ्य और सेहत पर नियंत्रण रखने और उनके स्वास्थ्य को लंबे समय तक बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीवन न केवल लंबा होना चाहिएए बल्कि स्वस्थ भी होना चाहिए। न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट टिकाऊ, प्लांट प्रोटीन,आधारित और साक्ष्य.समर्थित पोषण के फॉर्मूले पर आधारित है। प्रत्येक खुराक में विटामिन सी की अनुशंसित दैनिक खुराक -आरडीए की 100 प्रतिशत मात्रा मिल जाती हैए जो प्रतिरक्षा प्रणाली की इष्टतम अवस्था सुनिश्चित करती है। एमवे इंडिया की चीफमार्केटिंग ऑफिसर अमृता असरानी ने पावर.पैक फॉर्मूलेशन के बारे में बात करते हुए कहा कि यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट एमवे इंडिया की समग्र स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

बोर्ड को कप्तानी नहीं करने के बारे में बता दिया था : बुमराह

आईपीएल के दौरान ही कर दी थी इच्छा प्रकट

भाषा । लीड्स

दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि उन्होंने अपनी फिटनेस और गेंदबाजी पर अधिक ध्यान देने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले ही बता दिया था कि वह भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी नहीं करना चाहते। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के साथ स्काई स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान बुमराह ने कहा, इसमें कोई काल्पनिक कहानी नहीं है। ऐसा कोई विवाद या कोई सनसनी फैलाने वाली बात नहीं है कि मुझे कप्तानी से दरकिनार किया गया। मैंने रोहित (शर्मा) और विराट (कोहली) के संन्यास लेने से पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान बीसीसीआई से पांच मैचों की इस श्रृंखला को लेकर अपने गेंदबाजी प्रबंधन के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, मैंने उन लोगों से बात की है जिन्होंने मेरी पीठ का इलाज किया है। मैंने सर्जन से भी बात की है, जिन्होंने हमेशा मुझसे कहा है कि आपको अपनी गेंदबाजी और फिटनेस को लेकर समझदारी से काम करना होगा। बुमराह ने कहा, हम फिर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। इसलिए मैंने बीसीसीआई को फोन किया और कहा कि मुझे टीम के कप्तान की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि मैं पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के सभी मुकाबले नहीं खेल पाऊंगा। रोहित के संन्यास लेने और बुमराह के खुद को कप्तानी की दौड़ से बाहर करने के बाद बीसीसीआई ने शुभमन गिल को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया। बुमराह ने नेतृत्व में निरंतरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह की लंबी श्रृंखला में उनके लिए टीम का नेतृत्व करना संभव नहीं है। इस तेज गेंदबाज ने कहा, बीसीसीआई मुझे कप्तान की भूमिका के लिए देख रहा था। मुझे हालांकि मना करना पड़ा क्योंकि यह टीम के लिए उचित नहीं होता। पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में अगर तीन मैचों में कोई और कप्तानी कर रहा है और दो मैचों में कोई और कप्तानी कर रहा है तो यह टीम के लिए उचित नहीं है। मैं हमेशा टीम को प्राथमिकता देना चाहता हूं। मैं शायद खिलाड़ी के तौर पर टीम के लिए अधिक योगदान दे सकता हूं। मैं खुद को उस तरह की स्थिति में नहीं डालना चाहता जहां से मुझ पर खेल के इस प्रारूप से दूर होने का खतरा रहे। बुमराह ने कहा कि भारतीय टेस्ट टीम की अगुवाई करना बहुत बड़ा सम्मान है, लेकिन उन्हें कप्तानी से ज्यादा इस खेल से प्यार है। उन्होंने कहा, टीम की कप्तानी का मतलब बहुत कुछ है। मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की है। कई बार आपको बड़ी तस्वीर देखनी पड़ती है।

भारतीय टीम ट्रेन से लीड्स पहुंची, राणा भी टीम में शामिल

लीड्स। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को विकल्प के तौर पर भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और वह टीम के बाकी सदस्यों के साथ ट्रेन से लीड्स पहुंचे, जहां इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच खेला जाएगा। राणा भारत ए टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला अनौपचारिक टेस्ट खेला था। लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में पदार्पण किया था, लेकिन इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए 18 सदस्यीय टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। दिल्ली के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 मैच खेला है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, उन्हें विकल्प के तौर पर शामिल किया गया है और वे आज टीम के साथ लीड्स पहुंचे। राणा को टीम के बाकी सदस्यों के साथ लीड्स ट्रेन स्टेशन से बाहर निकलते देखा गया। टीम लंदन से लीड्स पहुंची थी। पहला टेस्ट 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होगा। भारत ने बेकेनहैम में भारत ए के खिलाफ इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला, जो इस श्रृंखला के लिए उनका एकमात्र अभ्यास मैच था। इससे पहले हालांकि लोकेश राहुल, करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, शार्दुल ठाकुर, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी ए टीम के साथ इंग्लैंड पहुंचे थे। ए सभी खिलाड़ियों इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के मैच का हिस्सा थे।

बुमराह सटीक गेंदबाजी करने के मामले में मैकग्रा के समान हैं: ब्रॉड

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता और गेंदबाजी में उनका बेहतरीन संतुलन उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्रा के समक्ष खड़ा करती है तथा इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहे टिकी रहेगी।ब्रॉड ने विश्व क्रिकेट में सबसे संतुलित गेंदबाजी रन अप के मामले में बुमराह की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज मैकग्रा से की।ब्रॉड ने पॉडकास्ट फॉर द लव ऑफ क्रिकेट में कहा, वह (बुमराह) जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो आप सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी लेकिन वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे आप सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं।उन्होंने जोस बटलर के साथ इस पॉडकास्ट में कहा, जब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते थे और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से ही गेंदबाजी करते थे। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने के बाद 2023 में संन्यास की घोषणा करने ब्रॉड ने कहा, बुमराह का रन अप बेहद संतुलित है और वह कभी इस बिगड़ने नहीं देते। मैंने जिन गेंदबाजों को देखा है उनमें ग्लेन मैकग्रा का रन अप बेहद संतुलित था। बुमराह भी उन्हीं की तरह है।बुमराह के श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने की उम्मीद नहीं है, जिसकी पुष्टि भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कार्यभार प्रबंधन के तहत की है। अगर बुमराह शुक्रवार से लीड्स में शुरू होने वाली श्रृंखला के सभी पांच मैचों में खेलते हैं तो वह ढेर सारे विकेट लेंगे।

श्रेयस को यहां होना चाहिए था और कुलदीप को अधिक से अधिक खिलाना चाहता हूं: निक नाइट

भाषा । नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज निक नाइट का मानना है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में श्रेयस अय्यर की मौजूदगी टीम को बदलाव के दौर से गुजरने में मदद करती और साथ ही उन्होंने 20 जून से शुरू होने वाली श्रृंखला में कुलदीप यादव को मेहमान टीम के लिए संभावित तुरुप के पत्ते के रूप में चुना। अय्यर के टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण नाइट को कुलदीप और साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें हैं। सुदर्शन के लीड्स में पहले टेस्ट के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने की उम्मीद है।विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारत के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव की कमी है और अब जाने-माने कमेंटेटर नाइट ने शीर्ष क्रम को स्थिरता देने के लिए लोकेश राहुल को चुना।नाइट ने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर भारत को 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला जीतनी है तो 20 विकेट लेना महत्वपूर्ण होगा। इंग्लैंड के लिए 17 टेस्ट और 100 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 55 साल के नाइट नहीं चाहते कि भारत अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करे।नाइट इस दौरान राहुल से काफी प्रभावित नजर आए।नाइट ने पीटीआई से कहा, तैयारी के दृष्टिकोण से शायद सबसे महत्वपूर्ण बात नॉर्थम्पटन में हुई घटना है। मैं लोकेश राहुल का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं (उन्होंने वहा शतक बनाया)। मैं उनकी सलामी बल्लेबाजी का भी प्रशंसक हूं। सभी प्रारूपों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्थान शीर्ष क्रम में है। मैं समझता हूं कि उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में इस्तेमाल किया गया है लेकिन इंग्लैंड में टेस्ट मैच क्रिकेट में पारी का आगाज करने और रन बनाने का उनका अनुभव बहुत महत्वपूर्ण है। नाइट ने कहा कि कोहली और रोहित का संन्यास अन्य बल्लेबाजों के लिए खुद को साबित करने का मौका होगा।खिलाड़ियों के पास अभ्यास मैचों से अपना दावा पेश करने का मौका है।

मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पहुंची

दुबई। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला।मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमश: 14वें और 15वें स्थान पर हैं।भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी।भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने हार के साथ यूरोप दौरे का समापन किया

उट्रेच (नीदरलैंड)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने नियमित समय में गोलरहित ड्रॉ के बाद मेजबान नीदरलैंड से शूटआउट में 2-3 की हार के साथ यूरोप के अपने दौरे का समापन किया। इस हार के बावजूद भारतीय जूनियर टीम के लिए यह दौरा काफी सफल रहा। लगातार चार जीत (बेल्जियम के खिलाफ तीन और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक) के साथ इस मैच में उतरी भारतीय टीम ने नीदरलैंड की मजबूत टीम के खिलाफ धैर्य और जज्बे का परिचय दिया। मैच के चारों क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके बनाए लेकिन रक्षापंक्ति और गोलकीपरों के शानदार खेल से कोई भी टीम ऐसा करने सफल नहीं रही।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी भारत के लिए हर तरह से फायदेमंद होगी: खडसे

नई दिल्ली। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी महज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और देश के युवाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों से निपटने की एक सुविचारित योजना भी है। महाराष्ट्र के रावेर निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार लोकसभा सांसद रह चुकी 38 वर्षीय खड़से ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में इस आलोचना को खारिज कर दिया कि देश को ओलंपिक की मेजबानी जैसे खर्चीले आयोजन का लक्ष्य रखने से पहले देश को खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

नीदरलैंड ने नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हराकर नया रिकॉर्ड बनाया

ग्लासगो। नीदरलैंड ने यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के मैच में नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हरा कर नया रिकॉर्ड बनाया। टी20 या लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है जबकि किसी मैच का परिणाम तीसरे सुपर ओवर में निकला।माइकल लेविट ने सोमवार की रात को खेले गए इस मैच में तीसरे सुपर ओवर में छक्का लगाकर आखिर में नीदरलैंड को जीत दिलाई।नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी क्योंकि नेपाल को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे।

भारत से टेस्ट एशेज के बराबर: ईसीबी सीईओ गोल्ड

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच आगामी पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला व्यावसायिक रूप से एशेज जितनी ही महत्वपूर्ण है। गोल्ड को उम्मीद है कि 2024 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह श्रृंखला इंग्लैंड के प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित करेगी।पिछले साल देश के खेल प्रशंसक पेरिस ओलंपिक और यूरोप के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट यूरो से जुड़े हुए थे। श्रीलंका पर इंग्लैंड की श्रृंखला जीत के बाद लॉर्ड्स में खाली सीटें क्रिकेट के लिहाज से अच्छी तस्वीर पेश नहीं कर रही थी।

रोहित और विराट का मिश्रण हैं गिल : बटलर

भाषा । मुंबई

जोस बटलर का मानना है कि भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं लेकिन जब वह शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में राष्ट्रीय टीम की अगुआई करेंगे तो मैदान पर वह पूरी स्वच्छंद होकर टीम का नेतृत्व करेंगे। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कप्तान बटलर इस वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गिल की कप्तानी में खेले थे। उन्होंने कहा कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तानी की भूमिका और अपनी बल्लेबाजी के बीच संतुलन बनाना होगा।बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ अपने पॉडकास्ट फॉर द लव ऑफ क्रिकेट पर कहा, वह वास्तव में प्रभावशाली खिलाड़ी है। जब वह बोलते हैं तो काफी शांत और संतुलित रहते हैं। मुझे लगता है कि मैदान पर खुद के लिए चुनौती पेश करते हैं। उनमें काफी जुनून होता है। मुझे लगता है कि कप्तान के रूप में वह कोहली और रोहित का मिश्रण होंगे। उन्होंने कहा, कोहली वास्तव में बहुत आक्रामक थे। उन्होंने भारतीय टीम को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने उसे मुकाबले के लिए तैयार किया। रोहित थोड़े अलग थे। थोड़े शांत और संयमित, लेकिन उनमें गजब का जुझारूपन था। बटलर ने कहा, गिल ने इन दोनों से काफी कुछ सीखा है लेकिन वह मैदान पर पूरी तरह से अलग नजर आएंगे। बटलर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में भारत की कप्तानी करना देश में तीसरे या चौथे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति होने जैसा है।उन्होंने कहा, गिल ने बल्लेबाजी और कप्तानी को अलग-अलग करने की बात की। इसलिए जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो वह सिर्फ बल्लेबाज बने रहना चाहते हैं। इसके बाद वह अपने कप्तानी कौशल पर काम करेंगे और दोनों भूमिकाओं को अलग-अलग तरह से निभाने का प्रयास करेंगे। बटलर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम इन लोगों के स्टारडम के स्तर को समझ सकते हैं। आप इसे आईपीएल में देखते हैं। वे इस स्टारडम में जीते हैं। मुझे लगता है कि भारतीय टेस्ट कप्तान भारत में प्रधानमंत्री के बाद तीसरा या चौथा सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

गिल को खिलाड़ियों से सम्मान पाने के लिए इंग्लैंड में रन बनाने होंगे: कार्तिक

लंदन। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि शुभमन गिल को अभी भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी का पूरा एहसास नहीं हुआ होगा और ड्रेसिंग रूम में सम्मान हासिल करने के लिए इस युवा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। भारतीय टीम रोहित शर्मा , विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत कर रही है। पच्चीस साल के गिल के नेतृत्व में टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह गिल की कप्तानी में टीम की पहली परीक्षा होगी। कार्तिक ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पोडकास्ट पर कहा , मैं पहला सुझाव जो शुभमन गिल को देना चाहता हूं वह यह है कि आप अपनी कप्तानी की भूमिका सिर्फ क्षेत्ररक्षण करते समय निभाए। अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करें। गिल को ड्रेसिंग रूम (टीम के अन्य सदस्य) में सम्मान पाने के लिए रन बनाने ही होंगे। एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका , इंग्लैंड , न्यूजीलैंड , ऑस्ट्रेलिया) देशों में बल्लेबाज के रूप में उनका औसत ऐसा नहीं है जिस पर उन्हें गर्व होगा।

क्विक न्यूज

यूपी टी20 लीग 2025 के ऑक्शन से पहले कानपुर सुपरस्टार्स ने अपनी कोर टीम को रखा बरकरार

वाराणसी। यूपी टी20 लीग 2025 के लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और इसी बीच विमल इलायची द्वारा समर्थित कानपुर सुपरस्टार्स ने 18 जून को होने वाले प्लेयर ऑक्शन से पहले अपनी रिटेन प्लेयर्स की लिस्ट आधिकारिक रूप से जारी कर दी है। पिछले सीज़न में फाइनल तक का शानदार सफर तय करने वाली टीम इस बार एक कदम और आगे बढ़ने के इरादे से ताकत और संतुलन का सोच.समझकर चयन कर रही है। इस लिस्ट की अगुवाई कर रहे हैं धमाकेदार और अनुभवी बल्लेबाज़ समीर रिज़्वीए जिन्होंने भारत की कई बड़ी फ्रेंचाइज़ी लीग्स में अपनी पहचान बनाई है। रिज़्वी की निरंतरता और मैच जिताने की क्षमता को कानपुर सुपरस्टार्स की बल्लेबाज़ी की रीढ़ माना जाता है। रिटेन किए गए प्लेयर्स की पूरी लिस्ट इस प्रकार है-समीर रिज़्वी, बैटर,आकिब खान,विनीत पँवार, मीडियम पेसर, शौर्य सिं बैटिंग ऑलराउंडर,आदर्श सिंहरू लेफ्ट हैंड बैटर,मुकेश कुमार स्पिन बॉलर,शुभम मिश्रा बॉलिंग ऑलराउंडर,पंकज कुमाररू स्पिन बॉलर, अभिषेक पांडेय विकेटकीपर। टीम इस बार पिछले सीज़न की लय को बरकरार रखते हुए नए जोश के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। फ्रेंचाइज़ी की नज़र इस बार प्लेयर ऑक्शन में उन कमज़ोर कड़ियों को मजबूत करनेए स्क्वाड में गहराई लाने और इस मजबूत कोर के इर्द.गिर्द एक चैम्पियन टीम तैयार करने पर है। वीकॉर्प एक्शन प्राइवेट लिमिटेड के जनरल मैनेजरए लव मलिक ने कहा कि हमारी टीम ने पिछले सीज़न में जो फाइनल तक का सफर तय कियाए उस पर हमें गर्व है।

सबालेंका ने फ्रेंच ओपन मुकाबले के बाद टिप्पणी के लिए गॉफ से माफी मांगी

बर्लिन। एरिना सबालेंका ने कहा कि उन्होंने कोको गॉफ को पत्र लिखकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी से हारने के बाद की गई गैर पेशेवर टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। यूरोस्पोर्ट जर्मनी से बात करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कहा कि इस महीने रोलां गैरो पर उनके खिलाफ गॉफ की 6-7, 6-2, 6-4 की जीत के बाद उनकी टिप्पणी एक गलती थी। पेरिस में मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सबालेंका ने सुझाव दिया था कि यह परिणाम गॉफ के प्रदर्शन की तुलना में उनकी अपनी गलतियों के कारण अधिक था। सबालेंका ने कहा, यह मेरे लिए पूरी तरह से गैर पेशेवर था। मैंने अपनी भावनाओं को खुद पर हावी होने दिया। उस समय मैंने जो कुछ भी कहा उसके लिए मुझे बहुत खेद है। आप जानते हैं कि हम सभी गलतियां करते हैं। मैं भी एक इंसान हू जो अब भी जीवन में सीख रहा है। मुझे लगता है कि हम सभी के पास ऐसे दिन होते हैं जब हम नियंत्रण खो देते हैं।

टोयोटा देगा रफ्तार को धार

कानपुर। कार खरीदने की यात्रा में त्यौहारी खुशियाँ शामिल करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीमित अवधि के एक आकर्षक अभियान की घोषणा की है। अभी खरीदें नवरात्रि में भुगतान करेंश् अभियान इसके लोकप्रिय मॉडल टोयोटा ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइराइडर पर लागू है। विशेष रूप से तैयार की गई यह योजना टोयोटा फाइनेंशियल सर्विसेज के सहयोग से तैयार की गई है ताकि ग्राहकों को कार का स्वामित्व हासिल करने में बेजोड़ लचीलापन और सुविधा प्रदान की जा सके। यह योजना ईएमआई' से तीन महीने की मुक्ति प्रदान करती है। इससे ग्राहक आज ही अपना टोयोटा वाहन घर ले जा सकते हैं और इस साल के नवरात्रि के त्यौहारी सीजन के आसपास अपनी ईएमआई का भुगतान शुरू कर सकते हैं। यह त्यौहारी ऑफर भारत के उत्तरी भागों में सभी अधिकृत टोयोटा डीलरशिप पर उपलब्ध होगा और 30 जूनए 2025 तक वैध है। तीन.माह की ईएमआई' मुक्ति दृ ईएमआई भुगतान केवल नवरात्रि के आसपास शुरू करें कुल ग्राहक लाभ एक लाख' तक ए जिसमें शामिल हैं, 5 निःशुल्क सर्विस, 5 .वर्ष की विस्तारित वारंटी एकॉर्पोरेट और एक्सचेंज बोनस, रक्षा कार्मिकों के लिए विशेष ऑफर'त्यौहारी ऑफर के बारे में बात करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उत्तर क्षेत्र के मुख्य प्रतिनिधिए वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में हम मानते हैं कि कार का मालिक होना एक आनंददायक और तनाव-मुक्त अनुभव होना चाहिएए खासकर वह समय जो हमारे ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी से हारे टियाफो

लंदन। ब्रिटिश वाइल्ड कार्ड डैन इवांस ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांसेस टियाफो को 7-5, 6-2 से हराकर 2021 के बाद से क्वीस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।विश्व में 199वें नंबर के खिलाड़ी इवांस ने कहा, मुझे अब भी विश्वास है कि मेरे अंदर काफी टेनिस बची हुई है। मुझे अब भी विश्वास है कि मै अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। लेकिन इस पर विश्वास करना और ऐसा होना दोनो अलग चीज है। पहले दौर में जीत दर्ज करने वाले अन्य खिलाड़ियों में चौथी वरीयता प्राप्त होल्गर रूण और आठवी वरीयता प्राप्त जैकब मेन्सिक शामिल थे। चेक गणराज्य के 19 वर्षीय खिलाड़ी मेन्सिक ने कैमरन नोरी को 7-6 (6), l-6, 6-l से हराया।मेन्सिक का अगला मुकाबला स्पेन के रॉबर्टो बातिस्ता अगुट से होगा, जिन्होंने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को तीन सेटों में पराजित किया। रूण का मुकाबला अमेरिका के मैकेंजी मैक्डोनाल्ड से होगा, जिन्होंने फ्रांस के गेल मोनफिल्स को 6-4, 6-4 से हराया।

भारतीय टीम के सामने अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर से पहले ताजिकिस्तान की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-23 फुटबॉल टीम बुधवार को ताजिकिस्तान के खिलाफ मैत्री मुकाबले में उतरेगी तो उसकी कोशिश आगामी एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी। यह मुकाबला दुशांबे के पास हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इस दौरे पर शनिवार को दूसरे मैच में किर्गिज गणराज्य का सामना करेगी। भारत सितंबर में होने वाले क्वालीफायर के लिए बहरीन, कतर और ब्रुनेई दारस्सलाम के साथ ग्रुप ई में है। टीम का लक्ष्य पहली बार इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने का है। कोच नौशाद मूसा की देखरेख में भारत के 23 खिलाड़ियों का दल सोमवार शाम को दुशांबे पहुंचा और उसने मंगलवार को 90 मिनट के अभ्यास सत्र में भाग लिया। ताजिकिस्तान अंडर-23 टीम ने अपने पिछले दोनों मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेले हैं। टीम को इन दोनों मैत्री मैचों में एक समान 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत-इंग्लैंड श्रृंखला के विजेता कप्तान को मिलेगा पटौदी पदक

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला के विजेता कप्तान को पटौदी पदक से सम्मानित किया जाएगा जिससे इन दोनों देशों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में इस शाही परिवार का नाम बना रहेगा। पटौदी परिवार का दोनों देशों की क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इससे पहले पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी करने का फैसला लिया था। पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा होनी थी लेकिन अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान के भीषण हादसे के मद्देनजर इसे टाल दिया गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट जगत के कुछ अन्य लोगों ने भी इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी। पता चला है कि तेंदुलकर ने खुद ईसीबी से संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड क्रिकेट का हिस्सा बना रहना चाहिए। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह की भी इसमें भूमिका रही। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ईसीबी ने जब इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला किया तब तेंदुलकर ने उनसे संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा बना रहना चाहिए। जय शाह भी इस चर्चा में शामिल थे।

आईसीसी चार दिवसीय टेस्ट के लिए तैयार

● भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड पांच दिनी मैच ही खेलेंगे: रिपोर्ट

भाषा । लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद 2027-29 के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। यहां एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की श्रृंखलाएं खेलने में मदद मिलेगी। द गार्डियन समाचार पत्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था। इसमें कहा गया है, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था।

एलपीएस को 7 स्वर्ण, पूमसे में यूपी प्रथम

● हिमालय कप ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने मनाली ;हिमाचल प्रदेशद्ध में गत 14 से 15 जून 2025 तक आयोजित आठवीं हिमालय कप ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीतकर उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया।गत 14 से 15 जून 2025 तक मनाली के सागर रिसॉर्ट के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित इस चैंपियनशिप में अनुभव तिवारी ने सब जूनियर क्योरगी अंडर 28 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। वही सब जूनियर व्यक्तिगत पुमसे अंडर-12 व कम आयु वर्गद्ध में संस्कार शुक्ला, मयंक तिवारी, दिव्य राजवंश, विनायक राजवंश, आशुतोष मिश्रा, कुणाल यादव ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। ये सभी खिलाड़ी वर्तमान समय में लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा में मास्टर अतुल यादव ब्लैक बेल्ट तृतीय डॉन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व राष्ट्रीय निर्णायक की देखरेख में ताइक्वांडो का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अतुल यादव ने बताया कि इन खिलाड़ियों के स्वर्णिम प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने पुमसे इवेंट में पहला स्थान हासिल किया जबकि दिल्ली दूसरे व उत्तराखंड तीसरे स्थान पर रहा। ताइक्वांडो एमेच्योर एसोसिएशन ऑफ हिमाचल प्रदेश की देख रेख में आयोजित चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेशए उत्तराखंड, चंडीगढ, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर आदि टीमों के 350 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था।

तकनीकी रूप से सशक्त हुए ताइक्वांडो रेफरी, सेमिनार में मिली नए नियमों की जानकारी

लखनऊ। रेफरीज़ को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल रेफरीध्रिफ्रेशर सेमिनार का समापन रविवार को हुआ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित इस सेमिनार में यूपी के साथ अन्य प्रदेशों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। सेमिनार के दौरान इंटरनेशनल रेफरी नवीन चंद्रा ने प्रतिभागियों को ताइक्वांडो में आए नवीनतम तकनीकी बदलावों और प्रतियोगिता कराने के नियमों में हुए बदलाव के बारे में बारीकी से अवगत कराया। कोर्स के समापन के दौरान उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा. सैयद रफत जुबैर रिजवी, अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू, सचिव राजकुमार और कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह मौजूद रहे। इन सभी ने इस बात पर बल दिया कि ताइक्वांडो में वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए इस तरह के सेमिनार बेहद आवश्यक हैं। सचिव राजकुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों के कुल 121 रेफरी व रिफ्रेशर शामिल हुएए जिन्होंने कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया। परिणामों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन प्रशिक्षित रेफरी की सेवाएं प्रदेश में होने वाली आगामी ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में ली जाएंगी।

स्पोर्ट्स क्लब ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

लखनऊ। मैन आफमैच अधर्व दुआ 40 रन एवं महादेव-30 रन की उम्दा पारी की बदौलत लखनऊ स्पोर्ट्स क्लब ने राज दुआ स्मारक क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में बुल्स क्रिकेट क्लब को 9 विकेट से पराजित किया। वहीं अंडर-14 मुकाबले के फाइनल मैच में ब्रेवर्स क्लब ने लखनऊ स्पोर्ट्स की जूनियर टीम को 8 विकेट से पराजित कर चैंपियन बनने का श्रेय हासिल किया।केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि दिव्य नौटियाल संजय गुप्ता और नदीम अहमद ने किया। बुल्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनायेए जवाब में लखनऊ स्पोर्ट्स क्लब ने 14.5 ओवर में एक विकेट पर 105 रन बनाकर जीत दर्ज की। र्वश्रेष्ठ बल्लेबाज महादेव, गेंदबाज आयुष्मान तिवारी, विकेट कीपर अधर्व दुआ एवं सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक अमन अंसारी को घोषित किया गया। वहीं जूनियर मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ स्पोर्ट्स क्लब ने सभी विकेट खोकर 58 रन बनाये। जवाब में ब्रेवर्स क्लब ने दो विकेट पर 5o5 ओवर में 60 रन बनाकर जीत दर्ज की। अमन अंसारी ने 15 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 38 रनों का योगदान किया।

इंटर काशी एआईएफएफ के खिलाफ खेल पंचाट में अपील जीता, अभी नहीं बना आईलीग चैंपियन

नई दिल्ली। इंटर काशी ने मंगलवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के खिलाफ खेल पंचाट (कैस) में अपनी पहली अपील जीत ली। वाराणसी की इस टीम के इस साल की शुरुआत में हुए आईलीग मैच के लिए तीन अंक काट लिए गए थे। खेल पंचाट के फैसले के बावजूद इंटर काशी को अभी आईलीग का खिताब नहीं मिलेगा। एआईएफएफ की अपील समिति ने 18 अप्रैल को नामधारी एफसी के खिलाफ मैच से संबंधित एक मामले में इंटर काशी के खिलाफ फैसला सुनाया था और राष्ट्रीय महासंघ की अनुशासन समिति द्वारा दिए गए फैसले को खारिज कर दिया गया था। इंटर काशी ने नामधारी एफसी पर 13 जनवरी को हुए मैच में अयोग्य खिलाड़ी को मैदान में उतारने का आरोप लगाया था।अपील समिति के फैसले के बाद इंटर काशी 39 अंक के साथ आईलीग में दूसरे स्थान पर रहा जबकि गोवा के चर्चिल ब्रदर्स को 40 अंकों के साथ चैंपियन घोषित किया गया।इंटर काशी ने एआईएफएफ अपील समिति के फैसले के खिलाफ 24 अप्रैल को स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट में

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय- 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-69342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, ए-8, सेक्टर 7, जिला- गौतमबुद्ध नगर- उप्र, नोएडा-201301, फोन नंबर 0120 2470700 से मुद्रित। प्रधान सम्पादक: डॉ. देवेन्द्र सिंह । पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।